@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 29 अक्टूबर 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 356 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

'चुनाव बैलेट से हुए, कांग्रेस कितनी सीटें जीती?'

● एमएलसी चुनाव नतीजों पर पीएम मोदी ने कांग्रेस पर कसा तंज

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक में विधान परिषद की 28 सीटों पर हुए चुनाव का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर सवाल उठाया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि चार बड़े राज्यों में एमएलसी की 28 सीटों पर चुनाव हुए और मतदान बैलेट पेपर यानी मतपत्रों के जरिए कराया गया। इसके बाद उन्होंने पूछा कि कांग्रेस ने कितनी सीटें जीतीं। पीएम मोदी की इस पोस्ट में चुनाव के तरीके और कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर सवाल किया गया है। इन चार राज्यों के चुनाव में अलग-अलग दलों के बीच मुकाबला हुआ है। उपलब्ध नतीजों और रुझानों में भाजपा और उसके सहयोगी दलों का प्रदर्शन भी सामने आया है।

भाजपा बोली- कांग्रेस को जनता का समर्थन नहीं मिला

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि MLC चुनाव के नतीजों से पता चलता है कि कांग्रेस को जनता का समर्थन नहीं मिला। ये चुनाव ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर और बैलेट बॉक्स से कराए गए थे। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में कांग्रेस का खाता तक नहीं खुला। उनके मुताबिक, कांग्रेस वोट चोरी के आरोप लगाकर अपने चुनावी प्रदर्शन से ध्यान हटाने की कोशिश कर रही है।

सिंगापुर की तकनीक और यूपी का सामर्थ्य मिलकर लिखेंगे वैश्विक विकास की नई इबारत : योगी आदित्यनाथ

सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

एजेंसी
लखनऊ। उत्तर प्रदेश को देश का प्रमुख ग्रोथ इंजन बनाने और एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को

राजधानी लखनऊ में सिंगापुर के शीर्ष उद्योगपतियों एवं निवेशकों के 14 सदस्यीय उच्चस्तरीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ विस्तृत चर्चा की। सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश में लॉजिस्टिक्स, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, ग्रीन एनर्जी, अर्बन प्लानिंग और हॉस्पिटैलिटी जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में बड़े निवेश की इच्छा व्यक्त की। यह प्रतिनिधिमंडल फरवरी में मुख्यमंत्री की सिंगापुर यात्रा के बाद अब उत्तर प्रदेश के दौरे पर आया है।

केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 3फीसदी बढ़कर 63फीसदी हुआ

● 48 लाख कर्मचारियों, 68 लाख पेंशनर्स को फायदा

नई दरें 1 जुलाई, 2026 से लागू

एजेंसी
नई दिल्ली। दिवाली से पहले केंद्र सरकार ने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ता 3फीसदी बढ़ा दिया है। बुधवार 28 अक्टूबर को हुई कैबिनेट मीटिंग में DA बढ़ोतरी पर फैसला हुआ।

इस बढ़ोतरी से महंगाई भत्ता 60फीसदी से बढ़कर 63फीसदी हो जाएगा। इससे लगभग 48 लाख कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनर्स को फायदा होगा। नई दरें 1 जुलाई, 2026 से लागू मानी जाएंगी। सरकार इसपर 10 हजार करोड़ रुपए खर्च करेगी। इससे पहले सरकार ने अप्रैल में कर्मचारियों के डीए और पेंशनर्स के लिए DR में 2 फीसदी का इजाफा किया था। उस बढ़ोतरी के साथ DA की दर 60फीसदी पर पहुंच गई थी। अब 3 फीसदी की ताजा बढ़ोतरी के बाद यह आंकड़ा 63 फीसदी हो गया है। सरकार के इस फैसले से त्योहारों के सीजन में कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को सीधा आर्थिक फायदा मिलेगा और पिछले महीनों का एरियर भी खाते में आएगा।

कर्मचारियों की सैलरी पर कितना असर पड़ेगा

डीए बढ़ने से सैलरी में बढ़ोतरी बेसिक पे के आधार पर तय होती है

- **मिनिमम बेसिक सैलरी वालों के लिए:** अगर किसी कर्मचारी की बेसिक पे 18,000 रुपये है, तो 3फीसदी की बढ़ोतरी के हिसाब से हर महीने 540 रुपये का इजाफा होगा।
- **हायर पे-स्केल वालों के लिए:** अगर किसी वरिष्ठ अधिकारी की बेसिक सैलरी 56,100 रुपये है, तो उनकी मासिक सैलरी में लगभग 1,683 रुपये की सीधी बढ़ोतरी होगी।
- **एरियर का भुगतान:** चूंकि यह फैसला जुलाई से प्रभावी है, इसलिए कर्मचारियों को जुलाई, अगस्त और सितंबर महीने का बकाया (Arrears) भी आगामी सैलरी के साथ दिया जाएगा।

चक्रवात 'अर्नब' ने आंध्र प्रदेश में मचाई तबाही

कई मकान क्षतिग्रस्त; मुख्यमंत्री नायडू ने अमित शाह को लिखा पत्र

एजेंसी
हैदराबाद। चक्रवात 'अर्नब' के कारण आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में भारी बारिश और तेज हवाओं से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित है, जबकि कई जगह पेड़ उखड़ गए, सड़कें, मकान क्षतिग्रस्त हो गए और फसलें जलमग्न हो गई हैं। रेलवे ने 50 से अधिक ट्रेनों को रद्द कर दिया है और कई उड़ानें भी प्रभावित हुई हैं। राज्य सरकार ने राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिए हैं। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने केंद्र सरकार से राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की अतिरिक्त सहायता और नुकसान का आकलन करने के लिए केंद्रीय टीम भेजने का अनुरोध किया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार,

आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में करीब 31 मकानों को नुकसान पहुंचा है। चक्रवात के प्रभाव को देखते हुए प्रशासन ने संवेदनशील क्षेत्रों से लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। दक्षिण मध्य रेलवे ने विजयवाड़ा और विशाखापत्तनम से गुजरने वाली 50 से अधिक ट्रेनों को रद्द कर दिया है। राजामुद्री, विजयवाड़ा और विशाखापत्तनम आने जाने वाली दो दर्जन से अधिक उड़ाने रद्द हुई हैं। भारी बारिश, तेज हवाओं और संभावित बाढ़ के खतरे से निपटने के लिए राज्य सरकार और आपदा प्रबंधन एजेंसियां अलर्ट पर हैं।

> "मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवात के केंद्र के आसपास हवा की रफ्तार 125 से 135 किलोमीटर प्रति घंटे के बीच है, जो तेज झोंकों के साथ 150 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच रही है।"

भारत की बात आज पूरी दुनिया ध्यान से सुनती है: राजनाथ सिंह

● आज भारत जब कोई बात कहता है तो पूरी दुनिया ध्यान से सुनती है

एजेंसी
नई दिल्ली । फिलीपींस के सेबू में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय समुदाय के साथ संवाद करते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा लगातार बढ़ी है। आज भारत जब कोई बात कहता है तो पूरी दुनिया ध्यान से सुनती है कि भारत क्या कह रहा है। उन्होंने कहा कि किसी देश की प्रतिष्ठा बढ़ने से उसके नागरिकों में भी गौरव की भावना मजबूत होती है। इसी दौरान राजनाथ सिंह ने जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के साथ भी अहम बैठक की। दोनों देशों ने समुद्री सुरक्षा, नौसैनिक जहाजों के निर्माण और वायु सेनाओं के बीच सहयोग बढ़ाने की दिशा में हुई प्रगति की समीक्षा की। भारतीय समुदाय के साथ बातचीत के दौरान राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान और प्रतिष्ठा को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा पूरी दुनिया को अपना परिवार माना है। यही सोच भारत को दूसरे देशों से अलग पहचान देती है। रक्षा मंत्री ने भारत की आर्थिक प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि करीब 12 साल पहले भारत दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं में 10वें-11वें स्थान पर था, जबकि आज वह पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि पश्चिम एशिया में संकट पैदा नहीं हुआ होता तो भारत आर्थिक प्रगति के मामले में और आगे होता। राजनाथ सिंह ने इस दौरान ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया।

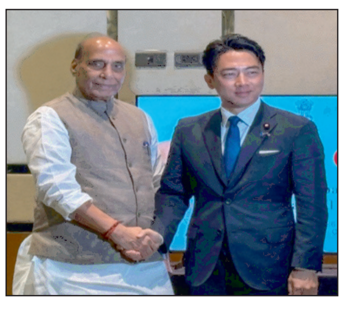

मणिपुर के थौबल में हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद

एजेंसी
इंफाल। मणिपुर के थौबल जिले में बुधवार को थौबल पुलिस कमांडो और 33 असम राइफल्स (एआर) की संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान चलाकर भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, सुरक्षा बलों ने थौबल जिले के इकोप पाट के सामान्य क्षेत्र में संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान दो एसएमजी कार्बाइन, चार डबल और सिंगल बैरल बंदूकें तथा तीन पिस्तौल बरामद की गईं। इसके अलावा, सुरक्षा बलों ने चार हैंड ग्रेनेड, दो डेटोनेटर, विभिन्न प्रकार के 39 जिंदा कारतूस और कई मैगजीन भी जब्त कीं।

मुख्यमंत्री ने मे0 ग्रेटर नासिक इन्फ्राकॉन प्रा0लि0 को पात्रता प्रमाण पत्र प्रदान किया

कौमी पत्रिका
लखनऊ। उत्तर प्रदेश को देश का प्रमुख ग्रोथ इंजन बनाने और 01 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने मंगलवार को राजधानी लखनऊ में सिंगापुर के शीर्ष उद्योगपतियों एवं निवेशकों के 14 सदस्यीय उच्चस्तरीय व्यापारिक प्रतिनिधिमण्डल के साथ विस्तृत चर्चा की। सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमण्डल ने प्रदेश में लॉजिस्टिक्स, सेमीकण्डक्टर, डेटा सेन्टर, ग्रीन एनर्जी, अर्बन प्लानिंग और हॉस्पिटैलिटी जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में बढ़े निवेश की इच्छा व्यक्त की। यह प्रतिनिधिमण्डल फरवरी में मुख्यमंत्री जी की सिंगापुर यात्रा के बाद अब उत्तर प्रदेश के दौरे पर आया है। प्रतिनिधिमण्डल का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आधुनिक सिंगापुर के निर्माता स्वर्गीय ली कुआन यू के विजन ने दुनिया को दिखाया कि किसी देश की वैश्विक पहचान उसके भौगोलिक आकार से अधिक उसकी दृष्टि, कार्यक्षमता और संसाधनों के कुशल उपयोग से बनती है।

विगत 12 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत 'फ्रैजाइल' अर्थव्यवस्था की स्थिति से निकलकर दुनिया की अग्रणी और सशक्त अर्थव्यवस्थाओं में स्थापित हुआ है। इसी प्रकार, पिछले साढ़े नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश भी 'बीमारू' छवि से बाहर निकलकर देश के ग्रोथ इंजन के रूप में उभरा है। प्रदेश की जी0डी0पी0, वार्षिक बजट और प्रति व्यक्ति आय तीन गुना हुई है। वर्कफोर्स में महिलाओं की भागीदारी भी तीन गुना बढ़ी है। बिना जनता पर कोई नया कर लगाए उत्तर प्रदेश निरन्तर रेवेन्यू-सरप्लस राज्य बना हुआ है। फरवरी, 2026 में सिंगापुर यात्रा के दौरान वहां के राष्ट्रपति श्री थर्मन षणमुगरत्नम जी और प्रधानमंत्री श्री लॉरेंस वोंग जी से हुई मुलाकातों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उस दौरान लगभग 60,000 करोड़ रुपये के निवेश समझौतों पर सहमति बनी थी। सिंगापुर रोड शो के दौरान राज्य सरकार ने निवेशकों को 'सेफ्टी, स्टेबिलिटी और स्पीड' का जो भरोसा दिया था, प्रदेश आज भी उसी कमिटमेन्ट के साथ आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि अब लक्ष्य निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारकर उत्पादन शुरू कराने का है। 'एम0ओ0यू0 से मैन्युफैक्चरिंग' और 'ग्राउण्ड ब्रेकिंग से प्रोडक्शन' तक की पूरी प्रक्रिया में उत्तर प्रदेश सरकार निवेशकों के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी और हर स्तर पर आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री जी ने प्रतिनिधिमण्डल के समक्ष जेवर स्थित नोएडा इण्टरनेशनल एयरपोर्ट के निकट डेडिकेटेड 'सिंगापुर सिटी' और हाई-टेक इण्डस्ट्रियल टाउनशिप विकसित करने का प्रस्ताव रखा।

शेष पृष्ठ का शेष

टाटा पर वित्त मंत्री सीतारमण का राहुल गांधी को जबाव

● हर मुद्दे का राजनीतिकरण न करें

> आपने बार-बार भारतीय उद्योग जगत और हमारे उद्यमियों की सफलताओं की आलोचना की है।

एजेंसी
नई दिल्ली । राहुल गांधी की ओर से टाटा को आपराधिक तरीके से बर्बाद किए जाने के आरोप पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि नेता विपक्ष को हर मुद्दे का राजनीतिकरण करने से बचना चाहिए। साथ ही, व्यावसायिक और कानूनी मामलों को बिना सोचे-समझे 'आपराधिक' करार देना बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राहुल गांधी की पोस्ट को कोट करते हुए लिखा, 'नेता विपक्ष राहुल गांधी को मेरी सलाह है कि वे हर मुद्दे का राजनीतिकरण करने से बचें। साथ ही, व्यावसायिक और कानूनी मामलों को बिना सोचे-समझे 'आपराधिक' करार देना बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है।' उन्होंने आगे कहा कि आपने बार-बार भारतीय उद्योग जगत और हमारे उद्यमियों की सफलताओं की आलोचना की है।

क्या अब आप हमारे बिजनेस लीडर्स को भी अपने साथ मिलाकर अविश्वास और नफरत फैलाने के लिए उकसाने की कोशिश कर रहे हैं? दशकों तक, आपकी पार्टी ने 'लाइसेंस-कोटा राज' के जरिए भारतीय उद्यमियों की भावना को दबाए रखा और करोड़ों भारतीयों को गरीबी में धकेल दिया।

केंद्र सरकार के देश में व्यापार को आगे बढ़ाने के प्रयासों के बारे में बताते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली हमारी सरकार भारतीय उद्योग जगत को 'रोजगार पैदा करने वाले' और 'आर्थिक विकास को गति देने वाले' के रूप में महत्व देती है। हमारी नीतियां इस तरह बनाई गई हैं कि वे उद्यमों को सक्षम बनाएं, उद्योगों को समर्थन दें और निवेश को बढ़ावा दें।

राजनीतिक दलों, नेताओं, सरकारों और संस्थानों की यह समान जिम्मेदारी है कि वे हमारे उद्योगों का समर्थन करें, किसानों को मजबूत बनाएं और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करें। इसलिए, अपने संकीर्ण राजनीतिक उद्देश्यों को साधने के लिए बेबुनियाद आरोप लगाने के बजाय, रचनात्मक तरीके से जुड़ना ज्यादा जरूरी है।

भगवंत मान सरकार ने दलजीत सिंह की मृत्यु के बाद भी संवेदनशीलता नहीं दिखाई: भाजपा

एजेंसी
नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधते हुए दलजीत सिंह की मौत और उनके पार्थिव शरीर के साथ कथित दुर्व्यवहार को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। भाजपा ने आरोप लगाया कि मान सरकार ने दलजीत सिंह को जीवित रहते उचित सम्मान नहीं दिया और उनकी मृत्यु के बाद भी संवेदनशीलता नहीं दिखाई। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने बुधवार को यहां पत्रकार वार्ता में कहा कि दलजीत सिंह के परिवार के अनुसार उनकी मौत नशे की लत के कारण हुई। भाजपा प्रवक्ता ने पंजाब पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए।

उन्होंने आरोप लगाया कि भगवंत मान के निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस दलजीत सिंह के पार्थिव शरीर को उनके परिवार से जबरन ले जाती दिखाई दी और उसे सड़क पर घसीटा गया। भाटिया ने इस घटना को लेकर राज्य सरकार की भूमिका पर सवाल खड़े किए। भाटिया ने अपने बयान में पंजाब के सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान से जुड़ी पगड़ी के सम्मान का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस पूरे घटनाक्रम में पगड़ी का भी अपमान किया गया। उन्होंने मुख्यमंत्री मान की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए उन्हें गैर-जिम्मेदार बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री मान अपनी जिम्मेदारियों से पीछे हटते हैं।

अर्नब चक्रवात : रेल मंत्री ने अधिकारियों के साथ की बैठक

कहा-हालात पर करीब से रखी जा रही नजर

एजेंसी
नई दिल्ली । चक्रवात अर्नब को लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जमीनी हालात का जायजा लिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से इसकी जानकारी दी है। अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, 'साइक्लोन अर्नब के बाद बुधवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जमीनी हालात की समीक्षा की। 10 जगहों पर पेड़ गिरने जैसी छोटी-मोटी दिक्कतों को तुरंत ठीक कर दिया गया। ट्रेनों का संचालन सुरक्षित और आसान बनाए रखने के लिए हालात पर करीब से नजर रखी जा रही है।' चक्रवात अर्नब को लेकर देशभर में कई जगहों पर अलर्ट जारी किया गया है। राहत और बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ की कई टीमें तैनात की गई हैं। आंध्र प्रदेश का डॉ. बीआर अंबेडकर कोनासीमा जिला भी अलर्ट पर है। जिला कलेक्टर डॉ. आर महेश कुमार ने लोगों से अपील की है कि वे बुधवार दोपहर तक बिना किसी जरूरी काम के घरों से बाहर न निकलें और अत्यंत आवश्यक होने पर ही यात्रा करें। प्रशासन ने लोगों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राहत एवं बहाली कार्य तेज कर दिए हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखकर चक्रवात अर्नब से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए जल्द से जल्द केंद्रीय टीमों को भेजने की रिक्वेस्ट की।

दिल्ली दंगा 2020 : मोहसिन हत्याकांड में 5 दोषियों की 7 साल की कैद बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने फरवरी 2020 के उत्तर–पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान 22 वर्षीय मोहसिन की हत्या के मामले में पांच दोषियों की सजा को बरकरार रखकर उनकी अपील खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने अमन कश्यप, देवेंद्र कुमार, प्रदीप राय, आशीष और अरुण कुमार को निचली अदालत द्वारा सुनाई गई सात साल की कैद और 30,000 रुपये के जुर्माने की सजा को सही ठहराया। निचली अदालत ने इन दोषियों को भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (गैर इरादतन हत्या) और धारा 148 (घातक हथियारों से दंगा करना) के तहत दोषी ठहराया था। उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में प्रत्यक्षदर्शी के बयान को महत्वपूर्ण माना, जिसमें कहा गया था कि अपीलकर्ता हथियारों से लैस भीड़ में सबसे आगे थे और उन्होंने अन्य लोगों को मोहसिन पर हमला करने के लिए उकसाया था। दोषियों ने दलील दी थी कि उनके खिलाफ आरोप संदेह से परे साबित नहीं हुए और स्वतंत्र गवाहों ने अभियोजन पक्ष का समर्थन नहीं किया। हालांकि, अदालत ने दलीलों को खारिज किया। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल इस आधार पर वे बरी होने का दावा नहीं कर सकते कि भीड़ के किस सदस्य ने पीड़ित के सिर पर जानलेवा चोट पहुंचाई थी। अदालत ने कहा कि साक्ष्य केवल भीड़ में अपीलकर्ताओं की मौजूदगी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे सक्रिय रूप से दूसरों को उकसा रहे थे। उच्च न्यायालय ने निष्कर्ष निकाला कि 25 फरवरी, 2020 को चांद बाग इलाके में मोहसिन पर हमला करने वाली दंगाई भीड़ का साझा गैरकानूनी उद्देश्य उसे शारीरिक चोट पहुंचाना था, जिससे उसकी मौत हुई। निचली अदालत ने भी अपने फैसले में इन तथ्यों को साबित पाया था।

अंग्रेजी कमजोर होने पर वेटर को थप्पड़, ताज होटल ने ग्राहक पर लिया कड़ा एक्शन

आगरा। आगरा के ताज होटल में घटना सामने आई है, जहाँ एक ग्राहक ने कथित तौर पर वेटर कांति को सिर्फ इसलिए थप्पड़ मार दिया, क्योंकि वह अंग्रेजी ठीक से नहीं बोल सका था। होटल के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर ने घटना और होटल द्वारा की गई कार्रवाई का विवरण साझा किया। यह मामला इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। होटल कर्मचारी के मुताबिक, वेटर कांति होटल के रेस्टोरेंट में एक ग्राहक को खाना सर्व कर रहे थे। बातचीत के दौरान अंग्रेजी को लेकर कुछ गलतफहमी हुई। कांति अच्छी अंग्रेजी नहीं बोल पाते थे, और इसी बात पर ग्राहक ने कथित तौर पर अपना आपा खो दिया और उन्हें थप्पड़ मार दिया। होटल के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर के लिए यह घटना बेहद हैरान करने वाली थी, क्योंकि कांति केवल अपना काम कर रहे थे और एक छोटी सी गलतफहमी के बाद उनके साथ ऐसा बर्ताव किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी ग्राहक को होटल कर्मचारी के साथ बदसलूकी करने या हाथ उठाने का अधिकार नहीं है।

लखनऊ ट्रिपल मर्डर : गोल्ड मेडलिस्ट शूटर का बेखौफ अंदाज

लखनऊ। लखनऊ में हुए सनसनीखेज ट्रिपल मर्डर का आरोपी ऋषभ शुक्ला, वारदात के बाद भी अपनी बेखौफ हरकतों से सभी को हैरान कर गया। तीन लोगों की हत्या करने के बाद वह एक हाथ में पिस्टल और दूसरे में मैगजीन लिए घर के बाहर ही बैठा रहा, घायलों की मदद के लिए आने वालों को भी गोली मारने की धमकी दी, जिससे पूरे मोहल्ले में दहशत फैल गई। पुलिस अधिकारी और आम लोग, हर कोई इस बात से स्तब्ध था कि एक अकेला व्यक्ति कैसे तीन लोगों की जान ले सकता है। इसके पीछे उसकी विशेष ट्रेनिंग और शूटिंग का अनुभव प्रमुख वजह है। ऋषभ एक गोल्ड मेडलिस्ट शूटर है और हथियार चलाने की विशेष ट्रेनिंग मिली हुई थी। गोली चलाने के उसके सधे हुए अंदाज और अचूक निशाने ने सभी को हैरान कर दिया।

अखिलेश का आरोप.... भाजपा वोट से नहीं, बल्कि खोट से चुनाव जीत रही

लखनऊ , एजेंसी। उत्तरप्रदेश विधान परिषद की 11 सीटों के चुनाव परिणामों को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी और प्रशासनिक अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा वोट से नहीं, बल्कि खोट से चुनाव जीत रही है, और मतगणना में धांधली व साजिश करके सपा प्रत्याशियों को हराने का प्रयास किया। सपा प्रमुख अखिलेश ने विशेष रूप से गोरखपुर में सपा प्रत्याशी डॉ. संजयन त्रिपाठी की हार को मतगणना में धांधली और साजिश का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि भ्रष्ट भाजपाइयों और संलिप्त अधिकारियों ने एमएलसी चुनाव जीतने की सभी हदें पार कर दीं। डॉ. त्रिपाठी की हार का कारण केवल उनका सपा उम्मीदवार होना नहीं, बल्कि हाता नहीं

भाता की सोच है। अखिलेश ने दावा किया कि शिक्षकों से चारा इकट्ठा कराया गया और शिक्षक समाज डॉ. त्रिपाठी के उत्पीड़न और उनके आंसुओं को कभी नहीं भूलेगा।

आधिकारिक परिणामों के अनुसार, भाजपा ने पांच सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं, समाजवादी पार्टी ने भी दो महत्वपूर्ण सीटों पर सफलता हासिल की है। वाराणसी खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से सपा के लाल बिहारी यादव विजयी रहे। उन्होंने अपनी जीत का श्रेय शिक्षक समाज और अखिलेश यादव की सकारात्मक सोच को दिया। यादव ने स्पष्ट किया कि इस चुनाव पर यूजीसी बिल का कोई प्रभाव नहीं पड़ा, क्योंकि नौकरी की सुरक्षा चाहने वाले शिक्षक मजबूती से सपा के साथ खड़े रहे। इसी क्रम में, आगरा खंड शिक्षक एमएलसी सीट पर भी सपा प्रत्याशी डॉ. आकाश अग्रवाल ने द्वितीय वरीयता के मतों के बाद 50 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल कर जीत दर्ज की। आगरा में मतगणना के दौरान हुए हंगामे और मारपीट पर डॉ. आकाश अग्रवाल ने भाजपा प्रत्याशी पर विवाद शुरू करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि काउंटिंग रूम में लगे सीसीटीवी फुटेज से पूरी सच्चाई सामने आ जाएगी।

राकांपा ने मुंबई की कमान जीशान सिद्दीकी को सौंपी, उमेश पाटिल बने राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने अपनी मुंबई इकाई का अध्यक्ष विधान परिषद सदस्य जीशान सिद्दीकी को नियुक्त किया है, जबकि उमेश पाटिल को पार्टी का राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता नियुक्त किया है। यह घोषणा राकांपा प्रमुख और महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने की। दिवंगत बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान ने उन्हें यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपने के लिए सुनेत्रा पवार और वरिष्ठ नेता पार्थ पवार का आभार व्यक्त किया। सिद्दीकी ने कहा कि उनका लक्ष्य मुंबई में पार्टी का विस्तार करना और सभी को साथ लेकर संगठन को मजबूत बनाना है। उन्होंने दिवंगत अजित पवार और अपने पिता के सपनों को पूरा करने के लिए काम करने की प्रतिबद्धता जाहिर की है। सुनेत्रा ने दक्षिण मुंबई स्थित अपने आधिकारिक आवास देवगिरि में आयोजित समारोह में दोनों नेताओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर पार्टी के अन्य नेता और पदाधिकारी भी मौजूद थे। सुनेत्रा पवार ने विश्वास जताया कि पाटिल और सिद्दीकी दिवंगत अजित पवार के आदर्शों, दृष्टिकोण और जनसेवा की विरासत को आगे बढ़ाते हुए पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम करेंगे। जीशान अक्टूबर 2024 में अपने पिता बाबा सिद्दीकी की मुंबई में गोली मारकर हत्या किए जाने के कुछ दिनों बाद राकांपा में शामिल हुए थे। पार्टी ने उसी वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में उन्हें बांद्रा सीट से उम्मीदवार बनाया था, लेकिन वे शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के वरुण सरदेसाई से हार गए थे। बाद में, वे मई 2026 में विधान परिषद सदस्य बने।

पैरोल उल्लंघन: आसाराम पर जोधपुर में दर्ज हुआ मामला

जोधपुर, एजेंसी। नाबालिग से बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम के खिलाफ जोधपुर पुलिस ने मेडिकल पैरोल खत्म होने के बाद तय समय पर जेल न लौटने के आरोप में मामला दर्ज किया है। आसाराम कोइ 20 दिनों की मेडिकल पैरोल मिली थी, जिसकी अवधि समाप्त होने के बावजूद उन्होंने समय-सीमा के भीतर सेंट्रल जेल में आत्मसमर्पण नहीं किया। पुलिस के अनुसार, आसाराम को 27 अक्टूबर को शाम 5 बजे तक जोधपुर सेंट्रल जेल में वापस आना था। हालांकि, वह तय समय से कई घंटे बाद, रात 10¬40 बजे इंदौर से एयर एम्बुलेंस के द्वारा जोधपुर पहुंचे। यह कार्रवाई जेल गार्ड बनवारीलाल की शिकायत पर 27 अक्टूबर को प्रिजन्स एक्ट (जेल अधिनियम) की धारा 58बी के तहत की गई है। मामले की जांच असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर भवानी सिंह को सौंपी गई है। आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट ने 6 अक्टूबर को 20 दिनों की मेडिकल पैरोल दी थी, जिसकी अवधि 26 अक्टूबर को समाप्त हुई थी। उनकी कानूनी टीम ने पैरोल बढ़ाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को खारिज करते हुए उन्हें तय समय-सीमा के भीतर जोधपुर सेंट्रल जेल वापस जाने का निर्देश दिया था। बताया जा रहा है कि स्वास्थ्य कारणों से आसाराम उज्जैन के एक अस्पताल में इलाज करा रहे थे, जिसके बाद उन्हें एयर एम्बुलेंस से जोधपुर लाया गया। देर रात जेल पहुंचने के कारण जेल प्रशासन ने उन्हें तुरंत अंदर नहीं लिया और उन्हें भगत की कोठी इलाके के एक अस्पताल भेज दिया गया। बुधवार को उन्हें वापस जेल लाए जाने की उम्मीद है। आसाराम को अगस्त 2013 में जोधपुर स्थित उनके आश्रम में एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार के मामले में गिरफ्तार किया गया था। 25 अप्रैल 2018 को जोधपुर की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने उन्हें दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

सीएपीएफ जवानों में बढ़ता मानसिक तनाव: सात साल में 1,016 आत्महत्याएं और 24 फ्रैट्रिसाइड

नई दिल्ली, एजेंसी । केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में जवानों पर अत्यधिक काम का दबाव और गहरा मानसिक तनाव गंभीर चिंता का विषय है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2019 से 2025 के बीच इन बलों के 1,016 जवानों ने आत्महत्या की है, जबकि बीते पांच वर्षों में अपने ही साथियों पर गोली चलाने यानी फ्रैट्रिसाइड की 24 गंभीर घटनाएं सामने आई हैं। हाल ही में 29 सितंबर को जम्मू-कश्मीर के कठुआ में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के हेड कांस्टेबल अवधेश कुमार सिंह द्वारा अपने चार साथियों को गोली मारकर मौत के घाट उतारने की घटना ने गंभीर समस्या को फिर से उजागर किया है। यह घटना बच्चे को लाने के मुद्दे पर हुए विवाद के बाद हुई थी, जिसके बाद अवधेश ने अपनी एके-47 राइफल से गोलीबारी कर दी थी। विशेषज्ञों और पूर्व अधिकारियों का मानना है कि जवानों में बढ़ते तनाव और इस दुखद परिणामों के पीछे कई कारण जिम्मेदार हैं। सीएपीएफ और असम राइफल्स में 93,139 खाली पद मौजूदा जवानों पर अतिरिक्त बोझ डाल रहे हैं, जिससे उनकी ड्यूटी का समय बढ़ जाता है और उन्हें पर्याप्त आराम नहीं मिल पाता। रिपोर्ट में दिए गए उदाहरण के अनुसार, कई जवानों को दिनभर में मुश्किल से पांच घंटे की नींद नसीब होती है, जो उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित करता है। छुट्टी का प्रावधान होने के बावजूद, जवानों की शिकायत है कि जरूरत के समय छुट्टी मिलना बेहद मुश्किल होता है। सीआरपीएफ जवान विनीत सिंह की पत्नी नेहा सिंह का मामला इसका एक दुखद उदाहरण है, जहां विनीत को छुट्टी न मिलने और अत्यधिक तनाव के बीच उनकी गोली लगने से मौत हो गई थी। इसके अलावा, पदोन्नति में देरी भी जवानों में गहरा असंतोष बढ़ाती है। कई कर्मियों को अगली रैंक तक पहुंचने के लिए 18 से 20 साल तक इंतजार करना पड़ता है, और 2021 के बाद से कैडर रिव्यू न होने के कारण लगभग 13 हजार अधिकारी पदोन्नति की राह देख रहे हैं। परिवार से दूरी भी एक बड़ा कारक है। जवानों की तैनाती अक्सर सीमावर्ती, पहाड़ी, जंगल और दुर्गम क्षेत्रों में होती है, इसतरह के स्थानों पर परिवार को साथ रखना संभव नहीं हो पाता। शहरों में भी पर्याप्त सरकारी आवास नहीं होने से कई जवानों को परिवार से दूर रहना पड़ता है। हालांकि ई-आवास पोर्टल के जरिए 1.46 लाख से अधिक पारिवारिक आवास आवंटित किए गए हैं, फिर भी यह सुविधा सभी कर्मियों को उपलब्ध नहीं हो पाती। अधिकारियों और जवानों के बीच संवाद की कमी, कथित भेदभाव और दुर्व्यवहार भी जवानों के तनाव को बढ़ाते हैं। कई जवानों को अक्सर यह डर रहता है कि शिकायत करने से उनकी

ड्यूटी, पोस्टिंग या करियर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, खाली पदों को भरना, ड्यूटी और आराम का संतुलन बनाना, समय पर छुट्टी और पदोन्नति सुनिश्चित करना, तथा एक भयमुक्त शिकायत प्रणाली विकसित करना अत्यंत आवश्यक है ताकि जवानों को मानसिक सुरक्षा मिल सके और ऐसी दुखद घटनाओं को रोका जा सके।

जलकूटनीति: भारत की पाकिस्तान, बांग्लादेश को दो टूक... पानी के बदले शांति देना होगा

जियोस्ट्रैटजिस्ट ने दिया इजरायल-जॉर्डन मॉडल का उदाहरण

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत ने अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ जल-साझाकरण समझौतों को लेकर बड़ा रणनीतिक बदलाव लाने का संकेत दिया है। अब वह पानी को केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि शांति और सुरक्षा स्थापित करने के महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में देख रहा है। जियोस्ट्रैटजिस्ट ब्रह्मा चेलानी ने इस बारे में इजरायल और जॉर्डन के बीच अपनाए गए मॉडल को भारत के लिए अपनाने का सुझाव दिया है, जहाँ जल-बंटवारा व्यापक शांति समझौते का अभिन्न अंग है। जियोस्ट्रैटजिस्ट चेलानी का मानना है कि भारत को नदियों के ऊपरी हिस्से में स्थित होने का लाभ उठाना चाहिए और पानी को शांति व सुरक्षा के एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल करना चाहिए। उनका सुझाव है कि इजरायल-जॉर्डन मॉडल एक उपयोगी टेम्पलेट पेश करता है, क्योंकि यह जल बंटवारे को एक बड़े शांति और सुरक्षा ढांचे से जोड़ता है। इस मॉडल के तहत, इजरायल और जॉर्डन के बीच 1994 की शांति संधि का हिस्सा है, जिसके तहत दोनों देश जल बंटवारे के लिए पारस्परिक रूप से निर्भर हैं। जॉर्डन जानता है कि यदि वह शांति शर्तों का उल्लंघन करता है, तब इजरायल उसके लिए जल संबंधी चुनौतियां खड़ी कर सकता है। वहीं, इजरायल भी अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जॉर्डन के साथ सहयोग बनाए रखने को महत्वपूर्ण मानता है। कुल मिलाकर, जल बंटवारे को शांति प्रक्रिया के भीतर ही संस्थागत रूप दिया गया है।

भारत की रणनीतिक परिस्थितियां इजरायल से भिन्न हैं, इसलिए इस मॉडल को सीधे नकल करने के बजाय क्षेत्रीय भौगोलिक और रणनीतिक परिस्थितियों के अनुरूप बदलाव की आवश्यकता होगी। भारत का मानना है कि पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि अनिश्चितकाल के लिए की थी, लेकिन पड़ोसी देश ने इसके बावजूद 1960 की संधि के पांच साल बाद ही भारत पर हमला किया और तब से आतंकवाद व छद्म युद्ध का सिलसिला कभी रुका नहीं। इस तरह, बांग्लादेश के साथ गंगा जल संधि 12 दिसंबर, 2026 को समाप्त हो रही है। इस समझौते के समय से अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं, और वहां भी कट्टरपंथी ताकतों का दबदबा बढ़ रहा है जो भारत-विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। भारत के लिए ऐसी परिस्थितियों में गंगा जल संधि को यूं ही आगे बढ़ाना आसान नहीं होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 2016 के आतंकी हमले के बाद पानी और खून साथ-साथ नहीं बह सकता की नीति अपनाकर सिंधु

जल समझौते पर एक तरह से रोक लगा दी है। भारत अपने संप्रभु फैसले और बुलंद हौसले से कोई समझौता करने को तैयार नहीं है। जियोस्ट्रैटजिस्ट चेलानी के अनुसार, यदि पाकिस्तान और बांग्लादेश चाहते हैं कि भारत निचले बहाव वाले देश के साथ नदी जल को लंबे समय तक साझा करने पर सहमत हो जाए, तब उन्हें शांति के लिए जल की नई व्यवस्थाओं के तहत शांति बनाए रखने के इसतरह के ठोस वादे स्वीकार करने होगा, जिन्हें अमल में लाना आसान हो।

आज का बांग्लादेश झूठे मुकदमों और मानवाधिकारों के उल्लंघन वाला देश बन गया

-शेख हसीना ने रहमान सरकार पर राजनीतिक विरोधियों के दमन का लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी । बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने आरोप लगाया है कि देश में ÷बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां, तलाशी अभियान और लोगों को प्रताड़ित करने की घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने पीएम तारिक रहमान के नेतृत्व वाली सरकार पर राजनीतिक विरोधियों का दमन करने का भी आरोप लगाया। शेख हसीना ने बांग्लादेश अवामी लीग द्वारा सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि आज का बांग्लादेश झूठे मुकदमों और मानवाधिकारों के उल्लंघन वाला देश बन गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देश में न तो कानून का राज है, न लोगों के अधिकार सुरक्षित हैं और न ही आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित है। शेख हसीना ने आरोप लगाया कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां ??देश के कई इलाकों में सामूहिक छापेमारी और बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चला रही हैं।

उन्होंने कहा कि हर दिन 5,000 से 7,000 लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा है। हसीना ने कहा कि बांग्लादेश के लोगों को उनके बुनियादी अधिकारों और कानूनी संरक्षण की गारंटी दी

जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि धांधली से हुए चुनाव के जरिए सत्ता में आई सरकार ने स्पष्ट रूप से देश से अवामी लीग का सफाया करने का अभियान शुरू कर दिया है। बीएनपी सरकार के आर्थिक प्रबंधन की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि देश में गैस, बिजली, ईंधन और उर्वरकों की कमी है। उन्होंने कहा कि जरुरी वस्तुओं की कीमतें और बेरोजगारी बढ़ रही है, मीलें और कारखाने बंद हो रहे हैं और निवेश की गति धीमी हो गई है। बता दें बांग्लादेश में छात्रों के नेतृत्व में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद पांच अगस्त, 2024 को शेख हसीना की सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। इसके बाद वह देश छोड़कर भारत आ गई थीं। तब से वह यहीं रह रही हैं।

झारखंड विधानसभा का विशेष सत्र : संशोधित खनन कानून और एसआईआर पर चर्चा

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार ने संशोधित खनन कानून और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर व्यापक चर्चा के लिए 25 नवंबर से विधानसभा का दो दिवसीय विशेष सत्र बुलाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग की अपर मुख्य सचिव, वंदना दादेल ने पुष्टि कर बताया कि सत्र 25 और 26 नवंबर को चलेगा। राज्य का सत्तारूढ़ गठबंधन केंद्र द्वारा पारित खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन अधिनियम तथा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का लगातार विरोध कर रहा है। मुख्यमंत्री सोरेन ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कहा कि एमएमडीआर अधिनियम और एसआईआर को लेकर उत्पन्न मौजूदा स्थिति पर विस्तृत चर्चा जरुरी है, इसीलिए संक्षिप्त सत्र बुलाया गया है।

महाराष्ट्र में सूखे की मार, सहकारी संस्थाओं के चुनाव स्थगित

मुंबई, एजेंसी । महाराष्ट्र सरकार ने खरीफ 2026 सीजन में व्यापक सूखे की स्थिति को देखकर राज्य की 304 सूखा प्रभावित तहसीलों में सभी पात्र सहकारी समितियों के चुनाव तत्काल प्रभाव से स्थगित किए हैं। यह फैसला एक सरकारी प्रस्ताव (जीआर) के माध्यम से घोषित किया गया। महायुति सरकार ने सूखा प्रबंधन संहिता 2016 के तहत मूल्यांकन और कृषि आयुक्त की रिपोर्ट के आधार पर पहले 265 तहसीलों में सूखे की स्थिति की पहचान की थी, जो अब बढ़कर राज्य भर में 304 तहसीलों तक पहुंच गई है। महायुति सरकार ने बताया कि गंभीर सूखे की स्थिति के कारण राजस्व, कृषि और ग्रामीण विकास सहित विभिन्न सरकारी विभाग बड़े पैमाने पर राहत कार्यों में व्यस्त हैं। चुनाव प्रक्रिया जारी रखने से महत्वपूर्ण प्रशासनिक कर्मचारी और अधिकारी आवश्यक सूखा राहत प्रयासों से हट जाते, जिससे प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों में बाधा आती। साथ ही, चुनाव में भाग लेने से सूखाग्रस्त इलाकों में रहने वाले किसानों और सदस्यों को भी काफी असुविधा का सामना करना पड़ता। हालांकि, इस स्थगन से कुछ श्रेणियों को छूट दी गई है। इनमें सहकारी हाउसिंग सोसायटी, वे समितियाँ जहाँ उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय ने विशेष रूप से चुनाव कराने का आदेश दिया है, और वे समितियाँ शामिल हैं जहाँ सरकारी प्रस्ताव की तारीख से पहले ही चुनाव प्रक्रिया का नामांकन चरण शुरू हो चुका था। उदाहरण के तौर पर, राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंकों (डीसीसीबी) के चुनाव भी प्रभावित हुए हैं। अहिल्यानगर डीसीसीबी में 21 में से 11 सीटें पहले ही निर्विरोध चुनी जा चुकी थीं, जबकि शेष 10 सीटों के चुनाव अब छह महीने के लिए स्थगित कर दिए गए हैं। इसी तरह, सतारा डीसीसीबी में भी 21 में से नौ सीटें निर्विरोध चुनी गईं थीं और अब 12 सीटों के चुनाव टाल दिए गए हैं। राज्य सरकार ने पहले ही 25 सितंबर और 14 अक्टूबर के सरकारी प्रस्तावों के तहत 304 प्रभावित तहसीलों के लिए व्यापक राहत पैकेज लागू किए हैं। इन उपायों में फसल ऋण पुनर्गठन, कृषि ऋण वसूली का निलंबन, कृषि पंपों के मौजूदा बिजली बिलों में छूट, टैंकरों के माध्यम से पेयजल की व्यवस्था, पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता और रोजगार गारंटी योजना के तहत रोजगार का विस्तार शामिल है।

मुख्यमंत्री ने मे0 ग्रेटर नासिक इन्फ्राकॉन प्रा0लि0 को पात्रता प्रमाण पत्र प्रदान किया

प्रथम पृष्ठ का शेष

ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के संगम तथा विश्वस्तरीय एक्सप्रेसवे नेटवर्क से जुड़ा यह क्षेत्र अन्तरराष्ट्रीय कम्पनियों के लिए उत्तर भारत का प्रमुख सप्लाई चेन हब बनने की क्षमता रखता है। औद्योगिक निवेश के लिए प्रदेश में 75 हजार एकड़ से अधिक का लैण्ड बैंक उपलब्ध है और 27 इण्टीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एण्ड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं। वहीं, लखनऊ, कानपुर, झांसी, आगरा, अलीगढ़ और चित्रकूट में स्थापित यूपी डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर के छह स्ट्रैटेजिक नोड्स को 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। साझेदारी को ठोस परिणामों तक पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री जी ने छह प्रमुख प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया। इनमें जेवर, एक्सप्रेस-वे और फ्रेट कॉरिडोर के माध्यम से मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स एवं वेयरहाउसिंग का विकास, सेमीकण्डक्टर फैब यूनिट और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग, डेटा सेन्टर, क्लाउड सर्विसेज एवं आर्टिफिशियल इण्टेलिजेंस तथा सोलर, ग्रीन हाइड्रोजन, वेस्ट मैनेजमेंट और वॉटर रिसाइक्लिंग जैसी क्लीन टेक्नोलॉजी शामिल हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज देश के कुल मोबाइल उत्पादन का लगभग 55 प्रतिशत और इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट्स का 60 प्रतिशत निर्माण उत्तर प्रदेश में हो रहा है। उन्होंने प्रदेश की कृषि क्षमता का उल्लेख करते हुए कहा कि देश के 'फूड बास्केट' के रूप में उत्तर प्रदेश का योगदान महत्वपूर्ण है। प्रदेश में देश के 21 प्रतिशत खाद्यान्न उत्पादन और सिंगापुर के हाई-क्वालिटी फूड पैकेजिंग एवं एक्सपोर्ट मॉडल के बीच साझेदारी की व्यापक सम्भावनाएं हैं। टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर की सम्भावनाओं पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महाकुम्भ-2025 के भव्य और सफल आयोजन ने पूरी दुनिया के सामने उत्तर प्रदेश की विशाल प्रबन्धन एवं आयोजन क्षमता को प्रस्तुत किया है। इस अनुभव और क्षमता को आधुनिक टूरिज्म फैसिलिटीज तथा वेलनेस प्रोजेक्ट्स से जोड़कर नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं। अयोध्या, काशी, मथुरा-वृन्दावन, प्रयागराज और बौद्ध सर्किट जैसे वैश्विक आध्यात्मिक केन्द्रों में वर्ल्ड-क्लास होटल्स, कन्वेंशन सेन्टर्स और हॉस्पिटैलिटी सर्विसेज के विकास की व्यापक सम्भावनाएं हैं। इसके साथ ही लखनऊ, स्टेट कैपिटल रीजन और नई टाउनशिप्स के सुनियोजित विकास में सिंगापुर की विश्वप्रसिद्ध अर्बन प्लानिंग विशेषज्ञता का लाभ उठाया जा सकता है। बैठक से पूर्व नोएडा और ग्रेटर नोएडा के औद्योगिक क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर चुके सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के चेयरमैन मिस्टर मार्क ली और प्रतिनिधिमण्डल के सदस्यों ने प्रदेश के इन्फ्रास्ट्रक्चर, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और निवेश-अनुकूल नीतियों की सराहना की। उन्होंने ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में विकसित हो रहे फिल्म सिटी, टॉय पार्क, अपैरल पार्क, मेडिकल डिवाइसेज पार्क और सेमीकण्डक्टर क्लस्टर को अन्तरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बताया। प्रतिनिधिमण्डल ने कहा कि उत्तर प्रदेश की पारदर्शी और त्वरित कार्यप्रणाली वैश्विक निवेशकों का भरोसा बढ़ाती है। सिंगापुर की कम्पनियां राज्य के साथ दीर्घकालिक आर्थिक साझेदारी के लिए उत्साहित हैं। चेयरमैन मिस्टर मार्क ली ने भारत और सिंगापुर के प्रगाढ़ एवं ऐतिहासिक सम्बन्धों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री जी की सिंगापुर यात्रा को इस दिशा में ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया। उन्होंने उत्तर प्रदेश में विकसित एक्सप्रेस-वे नेटवर्क, आधुनिक वेयरहाउसिंग, सुनियोजित इण्डस्ट्रियल पार्क्स और प्रगतिशील औद्योगिक नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि नए उत्तर प्रदेश में सिंगापुर की कम्पनियों के लिए व्यापक व्यावसायिक सम्भावनाएं मौजूद हैं। एस0बी0एफ0-इण्डिया बिजनेस कमेटी के चेयरमैन श्री प्रसून मुखर्जी ने मुख्यमंत्री जी के विजनरी नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि चेयरमैन मिस्टर मार्क ली के नेतृत्व में एस0बी0एफ0 का यह पहला उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमण्डल है, जो सिंगापुर से बाहर किसी भारतीय राज्य के दौरे पर आया है। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के इन्फ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुआ है। इससे निवेशकों का भरोसा राज्य के प्रति कई गुना बढ़ा है। यूनिवर्सल सक्सेस एण्टरप्राइजेज के प्रबन्ध निदेशक श्री प्रशांत मुखर्जी ने उत्तर प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि फरवरी में मुख्यमंत्री जी की सिंगापुर यात्रा के दौरान हस्ताक्षरित एम0ओ0यू0 को धरातल पर उतारने में मुख्यमंत्री जी की टीम ने असाधारण तत्परता और गति के साथ सहयोग किया है। वह वैश्विक मंचों पर अन्य अन्तरराष्ट्रीय निवेशकों के साथ भी उत्तर प्रदेश सरकार के कमिटमेंट, पारदर्शिता और कार्य करने की अभूतपूर्व स्पीड के अनुभव साझा करते हैं। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री जी ने मेसर्स ग्रेटर नासिक इन्फ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड को पात्रता प्रमाण पत्र प्रदान किया। सिंगापुर आधारित यूनिवर्सल सक्सेस एण्टरप्राइजेज समूह से जुड़ी इस कम्पनी को यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र के सेक्टर 8डी में 775 करोड़ रुपये के निवेश से एकीकृत विनिर्माण 'यूनिवर्सल पैकेजिंग हब' स्थापित करने के लिए 50 एकड़ भूमि के सापेक्ष यह प्रमाणपत्र सौंपा गया। परियोजना में सिंगापुर से प्रत्यक्ष विदेशी इक्विटी शामिल है। इससे 1,880 प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। प्रदेश में नए निवेश को गति देने के लिए वैश्विक कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण कम्पनी एग्रोकॉर्प इण्टरनेशनल के साथ समझौता ज्ञापन (एम0ओ0यू0) का आदान-प्रदान किया गया। कम्पनी उत्तर प्रदेश में सोया प्रोटीन आइसोलेट और चना प्रोटीन कन्सन्ट्रेट के उत्पादन के लिए अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी स्थापित करेगी। इससे प्रदेश के एग्री-प्रोसेसिंग और वैल्यू-एडिशन ईकोसिस्टम को मजबूती मिलेगी तथा कृषि आधारित उद्योगों के विस्तार को गति मिलेगी। सतत अपशिष्ट प्रबन्धन के क्षेत्र में अग्रणी वैश्विक कम्पनी ब्लू प्लैनेट एनवायरनमेन्टल सॉल्यूशंस के साथ भी एम0ओ0यू0 का आदान-प्रदान किया गया। कम्पनी प्रदेश में 250 से 350 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश से नोएडा के सेक्टर-145 में लगभग 7.5 लाख टन लिगेसी वेस्ट के उपचार और जनपद सहारनपुर में 350 टन प्रतिदिन क्षमता वाले फ्रेश वेस्ट प्रोसेसिंग प्लाण्ट की स्थापना पर कार्य करेगी। इन परियोजनाओं से 100 से 120 लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इस अवसर पर वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना, औद्योगिक विकास मंत्री श्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी', औद्योगिक विकास राज्यमंत्री श्री जसवन्त सिंह सैनी, सलाहकार मुख्यमंत्री श्री अवनीश कुमार अवस्थी, सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के सी0ई0ओ0 श्री कोक पिंग सुन, आई0एच0सी0एल0 (टाटा ग्रुप) के एम0डी0 एवं सी0ई0ओ0 श्री पुनीत छतवाल, एग्रोकॉर्प इण्टरनेशनल के सी0ई0ओ0 श्री विशाल विजय, ब्लू प्लैनेट एनवायरनमेन्टल सॉल्यूशंस के सी0ई0ओ0 श्री प्रशांत सिंह, पी0एस0ए0 इण्डिया के एम0डी0 श्री पवित्रन एम0 कल्लाडा, सेम्बकॉर्प के ए0जी0एम0 श्री विनीत यादव सहित राज्य सरकार के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और औद्योगिक विकास से जु? वरिष्ठ प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

थाने के सामने वसूली का खेल, 30 रुपये में ऑटो और 1200 में बस; ऐसे मिल रही ट्रैफिक नियम तोड़ने की इजाजत

आगरा। आगरा का व्यस्त भगवान टॉकीज चौराहा पुलिस की मनमानी से बस और ऑटो का स्टैंड बन गया है। हाथ में डंडा और कागज थामे युवक दिन भर वसूली में लगे रहते हैं। हरियाणा नंबर की बसें सवारियों पर कब्जा करती हैं। यह सब थाने के सामने हो रहा है। यही नहीं थाने के फुटपाथ पर खड़ी बाइकों की वजह से पैदल चलने वालों के लिए रास्ता नहीं बचता। लोगों को हर दिन जाम से जूझना पड़ रहा है। भगवान टॉकीज पर फ्लाईओवर के नीचे ही बस, ऑटो और ई-रिक्शा के साथ ही डग्गेमार वाहन सवारियां भरते हैं। ऑटो और ई-रिक्शा रामबाग की तरफ से आएं या फिर सिकंदरा की तरफ से सर्विस रोड पर चौराहा पार करने के लिए कीमत चुकानी पड़ती है। हर दिन का 30 रुपये अदा करने के बाद ही आगे बढ़ने की अनुमति मिलती है। यह सब किसी पार्किंग स्थल पर नहीं होता है। बीच सड़क पर खड़े युवक दिन भर चालकों से वसूली में लगे रहते हैं। कोई ऑटो पर तारीख लिखता है तो कोई कागज पर नंबर दर्ज करता है। इसके बाद सड़क पर कब्जे की छूट भी मिल जाती है। इस पर रोक लगाने वाली पुलिस या तो किनारे बैठी रहती है या फिर थाने के पुलिसकर्मी मूकदर्शक बने रहते हैं। बृहस्पतिवार दोपहर 11:30 बजे भगवान टॉकीज से सुल्तानगंज पुलिया की तरफ के सर्विस रोड से निकल रहे ऑटो को सिर पर साफी बांधे और हाथ में डंडा लिए युवक ने रोका। वह एक-एक कर रास्ते से निकलने वाले हर चालक से रुपये मांग रहा था। चालक के मुट्ठी में 30 रुपये थमाकर चालक आगे बढ़ जा रहे थे। बृहस्पतिवार दोपहर 12:15 बजे। सुल्तानगंज पुलिया की ओर से आने वाले सर्विस रोड पर फ्लाईओवर के नीचे खड़ा युवक हाथ में पर्ची लेकर ऑटो का इंतजार कर रहा था। जिन ऑटो के शीशे पर आज (बृहस्पतिवार) की तारीख का नंबर नहीं होता, उसे रोकता था। चालक से रुपये लेने के बाद पर्ची में लिखकर आगे बढ़ जाता है। आईएसबीटी बस अड्डे की दूरी तकरीबन 2 किलोमीटर है। भगवान टॉकीज पर यूपी रोडवेज की बसों का ठहराव कम ही होता है मगर हरियाणा नंबर और डग्गेमार वाहनों पर कोई रोक नहीं है। फ्लाईओवर के नीचे बनी पार्किंग में बस-वैन खड़ी रहती हैं। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि वसूली की वजह से कार्रवाई नहीं होती। हर चक्कर पर चालक 1000 से 1200 रुपये तक चुकाते हैं। थाना न्यू आगरा के बराबर से ही फुटपाथ बना है। इसके बाहर ही दोपहिया वाहनों की लाइन लगती है। दोपहर में डेढ़ बजे स्कूलों की छुट्टी के समय बस, ऑटो और वैन का निकलना शुरू होता है तो दयालबाग से एमजी रोड की तरफ जाने वाले रास्ते पर जाम लगने लगता है। रही-सही कसर चौराहे के आसपास खड़े ऑटो और ई-रिक्शा पूरी कर देते हैं। अपर पुलिस आयुक्त सचिंद्र पटेल ने बताया कि चौराहों पर ऑटो-ई रिक्शा चालकों से अवैध वसूली की जा रही है तो पुलिस से जांच कराई जाएगी। प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। नगर निगम की ओर से निर्धारित स्थान पर ही ऑटो खड़े कराए जाएं। 50 और 100 मीटर की दूरी का पालन सख्ती से किया जाना चाहिए। थाना पुलिस से भी जवाब लिया जाएगा।

अस्पताल जाते वक्त रास्ते में हो गया कातिल कंटेनर से सामना, पायलट का टूटा पैर

फरधान। यूपी के लखीमपुरखीरी थाना क्षेत्र में गोला सीएचसी से रेफर मरीज को ओयल अस्पताल ले जाते एंबुलेंस और कंटेनर की ढसरापुर के पास टक्कर हो गई। दुर्घटना में मरीज इंद्रपाल जोशी 60 वर्ष और उनकी पत्नी मीना देवी 55 वर्ष की जिला अस्पताल ओयल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि एंबुलेंस के एमटी और पायलट गंभीर रूप से घायल हो गए। पायलट दीपक कुमार को लखनऊ रेफर कर दिया गया है। एंबुलेंस गोला सीएचसी से रेफर मरीज जलालपुर निवासी इंद्रपाल जोशी थाना गोला को जिला अस्पताल ले जा रही थी। इंद्रपाल की पत्नी मीना देवी भी साथ में थीं। फरधान थाना क्षेत्र में लखीमपुर गोला मार्ग पर ढसरापुर चौराहे के पास पहुंचने पर एम्बुलेंस की कंटेनर से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज हो गई एंबुलेंस सड़क किनारे खाई में घुस गई। दुर्घटना में एंबुलेंस में सवार मरीज इंद्रपाल जोशी 60 पुत्र सोहन लाल जोशी और उनकी पत्नी मीना देवी 55 वर्ष, एंबुलेंस पायलट दीपक 35 वर्ष पुत्र पटवारी लाला निवासी कोरैयाखुर्द शेरामऊ और पुष्पेंद्र 32 वर्ष पुत्र राजकुमार निवासी सूरजपुर सिवाई जिला हरदोई गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्टर्लिंग होम्स में फ्लैट देने के नाम पर 20 करोड़ की ठगी, फर्जी दस्तावेज से वसूली

अलीगढ़। अलीगढ़ के अनूपशहर रोड स्थित स्टर्लिंग होम्स आवासीय परियोजना में फ्लैट देने के नाम पर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि क्वालिटी डेवलपर्स के संचालकों ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे सैकड़ों लोगों से 20 करोड़ रुपये से अधिक की रकम वसूल ली। एंटी फ्रॉड सेल की जांच रिपोर्ट के आधार पर सिविल लाइंस पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की पड़ताल शुरू कर दी है। केला नगर निवासी अमजद अली की शिकायत पर दर्ज एफआईआर के अनुसार, उन्होंने परियोजना के तीसरे चरण में 407 और 408 नंबर की दो यूनिट बुक कराई थीं। इसके एवज में बैंक के माध्यम से 50 लाख रुपये जमा किए थे। बिल्डर ने दिसंबर 2021 तक फ्लैटों का कब्जा देने का आश्वासन दिया था, लेकिन निर्धारित समय बीतने के बाद भी उन्हें न तो फ्लैट मिले और न ही उनकी रकम लौटाई गई। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए परियोजना को एडीए से स्वीकृत और यूपी रेरा में पंजीकृत बताया गया। इसके लिए कथित तौर पर फर्जी ब्रोशर, होर्डिंग और दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया। नक्शा, रेरा प्रमाणपत्र और अग्निशमन विभाग की एनओसी भी जाली दिखाने का आरोप है। जांच में परियोजना को अवैध पाए जाने और एडीए द्वारा उसे पहले ही सील किए जाने की बात सामने आई है। आरोप है कि वैध अनुमति के बिना अधूरी और सील इमारत के फ्लैटों के आवंटन पत्र व बिक्री संबंधी कागजात भी ग्राहकों को दिए गए। रजिस्ट्री, स्टांप ड्यूटी और जीएसटी के नाम पर भी अतिरिक्त धनराशि वसूले जाने की शिकायत है। पीड़ित के मुताबिक, रकम वापस मांगने पर संचालकों ने कार्यालय बंद कर दिया और फोन भी बंद कर लिए। सीओ सर्वम सिंह के मुताबिक पुलिस ने मामले में कमर खान, जेबा, अलीना, रफत सुलेमान और फराज जुबेरी के खिलाफ धोखाधड़ी समेत संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया है।

नाम परिवर्तन
मैं, शन्नो पत्नी नसीम अहमद सलमानी, निवासी खसरा नं-38/3 तीसरी मंजिल, गली नं-5, आजाद चौक के पास, संगम विहार वजीराबाद, पोस्ट-बुराड़ी, जिला उत्तर दिल्ली, दिल्ली-110084, ने अपना नाम बदलकर सरवरी बेगम कर लिया है और भविष्य में इसी नाम से जानी जाऊंगी।

नाम परिवर्तन
मैं, नसीम पुत्र यासीन अहमद, निवासी खसरा नं-38/3 तीसरी मंजिल, गली नं-5, आजाद चौक के पास, संगम विहार वजीराबाद, पोस्ट-बुराड़ी, जिला उत्तर दिल्ली, दिल्ली-110084, ने अपना नाम बदलकर नसीम अहमद सलमानी कर लिया है और भविष्य में इसी नाम से जाना जाऊंगा।

NAME CHANGE
I hitherto known as VANDANA W/o RAJESH KUMAR R/o 147 UG-1 SECTOR-2 A, VAISHALI, I.E.Sahibabad Ghaziabad Uttar Pradesh – 201010, have changed my name and shall hereafter be known as BANDANA DEVI , which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, YOGESH KUMAR S/o BIJENDRA SINGH R/o CE-311, Ansal Golf Link-1, Greater Noida, U.P.201310 have changed my name to YOGESH KUMAR TOMAR I shall hereby be known by new name.

NAME CHANGE
I, Inder Pal Sharma S/o Kasumra Singh R/o C-124, Pocket-6, Sector-82, Kendriya Viha-2, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttam Pradesh-201304 have changed my name to Inder Singh Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Gourav Agrawal R/o G-903, Ranjit Vihar-2, Sector-23, Dwarka, Delhi-110075 have changed my minor son name from Vihan to Vihan Agrawal for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Mohammad Saif Aneesh S/o Aneesh R/o House No.112, Khureji Khas, Krishna Nagar, Delhi-110051 have changed my name to Mohd Saif Aneesh.

NAME CHANGE
I Dheeraj Kumar S/o Ramesh Chandra R/o H.No-12, M.P Nagar, Shastri Nagar Kavi Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201002 have changed the name of my minor daughter Atika Kashyap aged 9 years and she shall hereafter be known as Avira Kashyap.

खोया-पाया
आम जनता को सूचित किया जाता है कि सोबन सिंह जीना गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च, अल्मोड़ा, उत्तराखंड- 26360 द्वारा जारी मेरा इंटर्नशिप पूर्णता प्रमाण पत्र (रेफरेंस नंबर 1273) खो गया है। इस संबंध में जयपुर के अशोक नगर पुलिस स्टेशन में 28 अक्टूबर, 2026 को एंट्री नंबर 108 के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। यदि किसी को यह प्रमाण पत्र मिले, तो कृपया नीचे दिए गए पते पर मुझे सूचित करें।

नाम- तुषार आर्य, पुत्र बाबूलाल आर्य,
मोबाइल- +91 9610440880
पता- डालमिया बॉयज़ स्कूल के सामने, वार्ड नंबर 19, चिड़ावा, जिला झुंझुनूं, राजस्थान।

NAME CHANGE
I Army no - JC 461570A, Rank - SUB, Name - WARAKE AMAR VISHVAS, Presently Residing, At - Amatewadi, Post - Savarde, Teh - Panhala, Dist - Kolhapur, State - Maharashtra, Pin - 416114 have changed my name from WARAKE AMAR VISHVAS to WARAKE AMAR VISHWAS for all future purposes Vide Affidavit dated 28/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I PARVATI legally mother of Army No - JC 461570A, Rank - SUB, Name - WARAKE AMAR VISHVAS, Presently Residing, At - Amatewadi, Post - Savarde, Teh - Panhala, Dist - Kolhapur, State - Maharashtra, Pin - 416114 have changed my name from PARVATI to PARVATI VISHWAS WARAKE for all future purposes and my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 11/07/1960 instead of my correct date of birth as 05/06/1959, vide Affidavit dated 28/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I VISHVAS legally father of Army no - JC 461570A, Rank - SUB, Name - WARAKE AMAR VISHVAS, Presently Residing, At - Amatewadi, Post - Savarde, Teh - Panhala, Dist - Kolhapur, State - Maharashtra, Pin - 416114 have changed my name from VISHVAS to VISHWAS SADASHIV WARAKE for all future purposes and my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 11/07/1955 instead of my correct date of birth as 02/01/1948, vide Affidavit dated 28/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, PRIYANKA D/O PRADEEP KUMAR R/O C-376, SEC-1, ROHINI DELHI 110085, CHANGED MY NAME TO PARAMJEET KAUR.

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MR. IRFAN IS OWNER AND IN POSSESSION OF PROPERTY ON PLOT BEARING NO.85, BUILT ON LAND AREA MEASURING 30 SQ. YDS., OUT OF KHASRA NO. 57/19/1, SITUATED IN THE AREA OF VILLAGE HASTSAL, IN THE ABADI OF VIJAY NAGAR MOHAN GARDEN EXTN., NEW DELHI (SAID PROPERTY) AND ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE NOTARIZED GPA, ATS AND WILL DEED DATED 12.01.2026 EXECUTED BY MRS. SHEELA IN FAVOUR OF MR. IRFAN. NOW MR. JAGDISH IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MR. IRFAN, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9958996685.

PUBLIC NOTICE
Mr. Vivek Nair Owner of the Residential Flat/dwelling unit bearing No. L-204, with Car Parking No CPS-L-37, in Vivek vihar , Sector - 82, , Noida, G.B. Nagar Mr. Vivek Nair have lost Original Booking letter dated 04.08.2003 by Army Welfare Housing Organization (AWHO), in favour of Mr. Vivek Nair of said property , for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor, Patparganj Village, Mayur Vihar, Phase-I, Delhi-1, M-NO- 7252922875

NAME CHANGE
I, Haseena Khatoon, W/O Shokat Ali, R/O E-666, First Floor, JJ Colony Shakur Pur, New Delhi- 110034 have changed my name to Hasina Khatoon for all future purposes.

NAME CHANGE
I,Jainul Hak, S/O M Fareedudin R/O E-666, First Floor, JJ Colony Shakur Pur, New Delhi- 110034 have changed my name to Shokat Ali for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Romesh Kumar Sharma S/O Ram Krishan Sharma, Flat A- 53, Dena Appartment Sector 13, Rohini Post: Rohini sector 7 Dist : North West Delhi, Pin: 110085 Have Changed My Name To Ramesh Kumar Sharma For All The Future Purposes....

NAME CHANGE
I Promila W/O Sanjay kumar singh R/O Mapsko Casabella Tower C2 , Flat no. 701, sector- 82, Po: Sikanderpur, Dist: Gurgaon, Haryana - 122004 I Have Changed My Name To Prameela Singh

NAME CHANGE
I MOHAMMAD SALEEM S/O ABDUL GHAFOOR RESIDING AT HOUSE NO 408-A GALI PAHAR WALI CHATTA LAL MIAN DARYA GANJ NEW DELHI 110002, HAVE CHANGED MY NAME TO GIVEN NAME IS MOHD AND SURNAME IS SALEEM FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I SOURABH SHARMA S/O PARTAP CHAND SHARMA R/O C-1/61 SWARN PARK, MUNDKA DELHI-110041 HAVE CHANGE MY NAME TO SOURAV SHARMA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I PRATAP CHAND SHARMA S/O BARRU RAM SHARMA R/O C-1/61 SWARN PARK, MUNDKA DELHI-110041 HAVE CHANGE MY NAME TO PARTAP CHAND SHARMA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

PUBLIC NOTICE
Mrs. Gurpreet Kaur Owner of the Residential Flat-5071, on 7th Floor in Tower-05, , in the "ATS ALLURE" built on Plot no P7/TS-02A, Sector - 22 D, Yamuna Expressway Industrial Development area, Greater Noida, District Gautam Budh Nagar, U.P. Mrs. Gurpreet Kaur have lost Original Allotment dated 05.02.2014 issued by M/s ATS Realty Pvt. Ltd. in favour of Mrs. Gurpreet Kaur of said property , for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor, Patparganj Village, Mayur Vihar, Phase-I, Delhi-1, M-NO- 7252922875

NAME CHANGE
I KOLEKAR RAOSAHEB NANA legally father of Army No - JC462500N, Rank- NB SUB Name - KOLEKAR NANASAHEB RAOSAHEB, Presently Residing, At - Arewadi, Post-Arewadi Teh - Kavathe mahankal, Dist-Sangli, State-Maharastara, Pin-416403 have changed my name from KOLEKAR RAOSAHEB NANA to RAOSAHEB NANA KOLEKAR for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 17/09/1961 instead of his correct date of birth as 01/01/1966, vide Affidavit dated 28/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I Vimal legally mother of Army No - JC462500N, Rank- NB SUB Name - KOLEKAR NANASAHEB RAOSAHEB, Presently Residing, At - Arewadi, Post-Arewadi, Teh - Kavathe Mahankal, Dist-Sangli, State - Maharastara, Pin-416403 have changed my name from VIMAL to VIMAL RAOSAHEB KOLEKAR for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 17/09/1969 instead of his correct date of birth as 01/01/1971, vide Affidavit dated 28/10/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, AMAN ALI S/O JAVED ALI R/O Sanjay Basti, Timarpur, Civil Lines S.O, North Delhi, Delhi -110054, declare that name of my father and my mother have been wrongly written as ZAVED ALI and SHAISTA ALI in my all educational douements. The actual name of my father and my mother are JAVED ALI and SHAVISTA PARVEEN, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Kalawati W/o Phool Singh is the owner and in possession of a Freehold Residential Entire First Floor without roof rights "Said Floor" built on Property Bearing No. RZF-766/29-A area measuring 57 Sq Yds out of Khasra No. 44/19/1 Situated in the area of village Palam Colony known as Raj Nagar-II, Palam Colony, Gali No. 6 & 7, New Delhi-110077., Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 15.07.2026 Vide Doc No. 2026/16/I/12316, Vol No. 17228, Page No. 109-128, dated 12.08.2026, SRO-IX., in the Chain Documents below mentioned documents not available i.e. (1) SMC of Late Mrs. Dhanna Devi W/o Ram Samuj (2) Probate of Will dated 18.12.2015., our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. and the said property to be financed / mortgaged with IndusInd Bank Ltd., Branch: Gujranwala, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
1/566-A, Ground Floor, Sector-1, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010.
Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, MAYANK S/O DINESH KHATANA R/O 155/1, RITHOJ, RETHOJ (169), GURGAON,HARYANA-122101 HAVE CHANGED MY NAME TO MAYANK KHATANA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I hitherto known as Rajni D/O Rajender Bhati residing at House no.639, Gali no.6, Adarsh Nagar, Ballabgarh,24 feet road Faridabad Haryana,121004 have changed my name and shall hereafter be known as Rajani. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, JC-672752X, Rank-SUB, Name-NAGENDRA PRATAP SINGH PRIHAR legal father of NIKITA residing at- GOVINDGARH ROAD, POWR HOUSE, VILL-SILPARA, PO-BHATALO, DIST- REWA, MADHYA PRADESH- 486550, have changed my daughter's name from NIKITA to NIKITA SINGH PARIHAR for all future purposes vide affidavit dated 28/10/20260 Before Notary Public, Delhi.

Public Notice
This is to notify the general public that My client Mr.Suraj Bhan and Smt.Baby, R/o: R-353, J.J. Colony, Raghubir Nagar, Tagore Garden, New Delhi -110027 has debarred her Son Manish Kumar and his wife Manisha Kataria from all her movable &Immovable properties with immediate effect. Anybody dealing with them in any manner shall do so at his/her own cost, risk & responsibility. My client shall be in no way responsible for any acts, deeds & things done by them.

Sanjay Kapoor & Associates
788, Tis Hazari Court, Delhi

NAME CHANGE
It is for general information that I SHAHID KHAN S/O HASHMATULLAH R/O E 11/53 Hauz Rani, Malviya Nagar, South Delhi, Delhi - 110017 declare that name of mine has been wrongly written as MOHD SHAHID in my minor son MOHD NAVED aged 15 years in his school record. The actual name of mine is SHAHID KHAN which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I,HEMANT SINGH BHATI S/O KHEM SINGH BHATI R/O FLAT NO-552,GANPATI APARTMENTS,PLOT NO-6,SECTOR-9,DWARKA,DELHI-110075,HAVE CHANGED MY MINOR SON NAME "DIVYANSH SINGH BHATI TO DIVYANSH BHATI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I GURVINDER KAUR W/O BALWANT RAY R/O C-662-B, Ground Floor, Sangam Vihar, Devli, South Delhi, Delhi-110080 have changed the name of my minor daughter MEHAK aged 15 years and she shall hereafter be known as MEHAK KAUR.

NAME CHANGE
It is for general information that I VIRENDER KUMAR JAIN S/O JAINENDER JAIN R/O J-158, Ground Floor, Saket, South Delhi, Delhi-110017 declare that name of mine has been wrongly written as VIRENDER JAIN in my minor daughter SANAYA JAIN aged 15 years in her school record. The actual name of mine is VIRENDER KUMAR JAIN which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, PIYUSH KASHYAP, PIYUSH S/O SUBHASH KASHYAP R/O H.NO-397, GROUND FLOOR STREET NO-23,27, PHASE 1A, OM VIHAR UTTAM NAGAR DELHI 110059, CHANGED MY NAME TO JASSVEER SINGH.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री रिंकू कुमार, हरियाणा के जिला एवं तहसील फरीदाबाद, मौजा बसलवा स्थित भूमि, जिसका विवरण अराजी खेवट संख्या 164/219, खतौनी संख्या 171/232, म्यूटेशन संख्या 21, किला संख्या 1/1 (4-8), 2/1 (3-7), 2/2 (4-13) है, में से 110 वर्ग गज क्षेत्रफल के मकान को श्रीमती प्रभा वती से खरीदने का इरादा रखते हैं, प्रारंभ में, संपूर्ण संपत्ति की स्वामिनी श्रीमती इंद्रा देवी पत्नी श्री उपेंद्र नाथ थीं, जिनका नाम जमाबंदी में दर्ज था। तत्पश्चात, दिनांक 12.06.1996 को 3 मरले भूमि के संबंध में श्री कैलाश चंद पुत्र श्री निहाल चंद के पक्ष में विक्रय विलेख निष्पादित किया गया, जो दस्तावेज संख्या 3126, पुस्तक संख्या 1, दिनांक 12.06.1996 को उप-पंजीयक कार्यालय, फरीदाबाद में पंजीकृत हुआ, दुर्भाग्यवश, श्री कैलाश चंद का दिनांक 02.08.2003 को निधन हो गया। तत्पश्चात, तहसीलदार द्वारा श्री कैलाश चंद के नाम से श्री धीरेंद्र शर्मा, श्री ललित शर्मा, श्री रविंदर शर्मा, श्रीमती योगिता शर्मा एवं श्रीमती चंद्रकांता के नाम इंतकाल दर्ज किया गया, इसके पश्चात, दिनांक 25.05.2010 को श्री धीरेंद्र शर्मा, श्री ललित शर्मा, श्री रविंदर शर्मा एवं श्रीमती योगिता शर्मा, जो सभी स्वर्गीय श्री कैलाश चंद के पुत्र/पुत्री हैं, द्वारा अपनी माता श्रीमती चंद्रकांता पत्नी स्वर्गीय श्री कैलाश चंद के पक्ष में त्याग विलेख (Release Deed) निष्पादित किया गया, तत्पश्चात, दिनांक 26.04.2011 को श्रीमती चंद्रकांता द्वारा श्रीमती पुष्पा जैन के पक्ष में विक्रय विलेख निष्पादित किया गया, जो दस्तावेज संख्या 1306, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 1/36, पृष्ठ संख्या 108/94-96, दिनांक 26.04.2011 को उप-पंजीयक कार्यालय, फरीदाबाद में पंजीकृत हुआ, इसके पश्चात, दिनांक 26.03.2012 को श्रीमती शरण देई के पक्ष में विक्रय विलेख निष्पादित किया गया, जिसके अनुसरण में श्रीमती दीपा गोयल के पक्ष में दस्तावेज संख्या 21017, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 1/32, पृष्ठ संख्या 78/7072, दिनांक 26.03.2012 को उप-पंजीयक कार्यालय, फरीदाबाद में पंजीकृत किया गया, तत्पश्चात, दिनांक 30.12.2013 को श्रीमती संतोष पत्नी श्री वीर सिंह के पक्ष में विक्रय विलेख निष्पादित किया गया। इसके बाद, श्रीमती संतोष द्वारा अपने पुत्र श्री हरविंदर नरवत के पक्ष में दिनांक 02.12.2022 को पंजीकृत वसीयत निष्पादित की गई। श्रीमती संतोष का दिनांक 19.10.2014 को निधन हो गया था। तत्पश्चात, श्रीमती संतोष से श्री हरविंदर नरवत पुत्र श्री वीर सिंह के नाम इंतकाल संख्या 20310 तहसीलदार द्वारा दर्ज किया गया, अंततः, दिनांक 25.11.2024 को श्री हरविंदर नरवत पुत्र श्री वीर सिंह द्वारा श्रीमती प्रभा वती के पक्ष में विक्रय विलेख निष्पादित किया गया, इस प्रकार, उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों एवं प्रस्तुत जानकारी के आधार पर, श्रीमती प्रभा वती ने उक्त संपत्ति पर वैध स्वामित्व अधिकार प्राप्त कर लिया है तथा वर्तमान में वह उक्त संपत्ति के शांतिपूर्ण एवं वास्तविक भौतिक कब्जे में हैं, मेरे द्वारा परीक्षण किए गए दस्तावेजों एवं मुझे उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर, उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भारों, ग्रहणाधिकारों, प्रभारों, बंधकों, कुर्कियों, अधिग्रहण, मुकदमेबाजी तथा तृतीय पक्ष के दावों से मुक्त प्रतीत होती है, उक्त संपत्ति की प्रस्तावित खरीद के लिए आरबीएल बैंक लिमिटेड, जिसका कार्यालय बिल्डिंग नंबर 1, प्रथम तल, मोदी मिल कंपाउंड, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, नई दिल्ली में स्थित है, द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जानी है। यदि किसी व्यक्ति/व्यक्तियों को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति, दावा, अधिकार, हित या अन्य कोई शिकायत हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता/सकती है। उक्त आपत्ति अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से तथा ई-मेल द्वारा भेजी जा सकती है, ह्यस्रह्यनिर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में उपर्युक्त किसी भी दावे/आपत्ति को निरस्त एवं शून्य माना जाएगा तथा उसके पश्चात किसी भी व्यक्ति द्वारा किए गए दावे के संबंध में प्रस्तावित लेन-देन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल- kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, MAHATAB ALAM S/O Shaukat Ali R/O 320, -, nankagarhi rasulpur sikroda, Dasna Dehat, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201302, have changed the name of my minor son JAID aged 14 years and he shall hereafter be known as MOHD ZAID.

NAME CHANGE
It is for general information that I NOOR MOHAMMAD S/O ALI HASAN R/O House No-76 4th Floor, Block-H, J J Colony, Wazirpur Pur-3, North West Delhi, Delhi-110052 declare that name of mine has been wrongly written as NOOR in my minor daughter MAYRA aged 10 in her school record. The actual name of mine is NOOR MOHAMMAD which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is hereby informed to the general public that our client, Mrs. Shama Parveen W/o Mr. Yameen, are the absolute owner and in lawful possession of Freehold Residential Plot of land area measuring 41 Sq. Yds., i.e., 34.28 Sq. Mtrs., out of Khata No. 00140 Khasra No. 220Mi, Situated in Village Salarpur Khadar, Noida, Pargana & Tehsil Dadri, District Gautam Budh Nagar, U.P., by virtue of a Sale Deed dated 29.04.2022 duly regd. as Doc No. 2740, Vol No. 8793, Book No. 1 on Pages 397-428, in SR- III- G.B. Nagar. in the chain documents below mentioned documents not available i.e. (1) Original Regd. GPA with ATS & Will dated 19.10.2015 executed by Mr. Vijender in favour of Mr. Gaurav Singhal, duly regd. as Doc No. 3739, Vol No. 1113, Book No. 4 on Pages 295-308, in SR- III- Noida & (2) Original Sale Deed dated 23.02.2018 executed by Mr. Gaurav Singhal in favour of Mr. Satender Gupta duly regd. as Doc No. 977, Vol No. 6337, Book No. 1 on Pages 29-70, in SR- III- Noida., Our client hereby declares that, except as stated herein, no other person has any right, title, interest, claim, lien, charge, or encumbrance whatsoever in respect of the aforesaid property. It is further declared that the Same property of the above-mentioned property to be Purchased Mrs. Preeti Devi W/o Mr. Sudesh Kumar. and to be mortgaged, Roha Housing Finance Pvt. Ltd., Noida Uttar Pradesh. Accordingly, any person having any objection, claim, right, title, interest, or demand of any nature whatsoever in respect of the aforesaid property is called upon to intimate the same in writing, along with supporting documentary evidence, to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice, failing which it shall be presumed that no such claim exists, and any such claim, if raised thereafter, shall be deemed to have been waived and abandoned.

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
1/566-A, Ground Floor, Sector-1, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010.
Contact at 09958871432

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

संक्षिप्त डायरी

पियूष के 60 रन से एमटी अकादमी ने वॉरियर्स हराया

एजेंसी

गुरुग्राम। एमटी क्रिकेट अकादमी ने मंगलवार को द स्पोर्ट्स पार्क में एमसीए वॉरियर्स को दो विकेट से हरा दिया। कप्तान पियूष ने 60 रनों की शानदार पारी खेली, जिसके लिए उन्हें एमसीए वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में नौ विकेट पर 178 रन बनाए। मयंक ने 44 और नाइटमेयर जांगू ने 28 रन का योगदान दिया। एमटी क्रिकेट अकादमी की ओर से दीक्षांत कुमार ने चार और अर्जुन कुमार ने तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए एमटी क्रिकेट अकादमी ने 34 ओवर में आठ विकेट पर 179 रन बनाए। टीम ने यह मुकाबला अपने नाम किया। पियूष ने अपनी पारी में चार चौके और दो छक्के लगाए। अनुभव मिश्रा ने 24 और अमन चौधरी ने 22 रन बनाए। एमसीए वॉरियर्स के दीपेन ने दो विकेट हासिल किए।

युवाओं के पथराव का वीडियो वायरल, पुलिस बोली पुराना

एजेंसी

गुरुग्राम। सिकंदरपुर मेट्रो स्टेशन के पास सड़क किनारे युवकों और युवतियों के बीच पथराव का मामला सामने आया है। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दोनों पक्षों के बीच बहस के बाद पत्थरबाजी होती दिखाई दे रही है। सड़क किनारे खड़े कुछ युवक और युवतियां किसी बात को लेकर आपस में बहस कर रहे थे। कुछ देर बाद विवाद बढ़ा और दोनों पक्ष एक-दूसरे पर पत्थर फेंकने लगे। घटनास्थल पर मौजूद लोग इस घटनाक्रम को अपने मोबाइल में रिकॉर्ड करते दिखे। वीडियो में बाद में कुछ युवतियां ऑटो में बैठकर वहां से जाती नजर आती हैं। पुलिस प्रवक्ता संदीप ने बताया कि यह वीडियो पुराना है और इस मामले में अभी तक कोई शिकायत नहीं मिली है। किसी के घायल होने की भी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

खेल महाकुंभ के लिए वॉलीबॉल खिलाड़ियों का अभ्यास शुरू

एजेंसी

गुरुग्राम। 16 नवंबर से शुरू होने वाले खेल महाकुंभ के लिए जिले की सरकारी खेल नर्सरियों के वॉलीबॉल खिलाड़ियों ने अभ्यास शुरू कर दिया है। खिलाड़ी नेहरू स्टेडियम में सुबह-शाम अपनी तकनीक सुधारने और टीम तालमेल बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। अभ्यास के दौरान खिलाड़ी सर्विस, स्मैश, ब्लॉकिंग और डिफेंस की तकनीक को बेहतर बना रहे हैं। वॉलीबॉल में अंक हासिल करने के साथ विपक्षी टीम के हमलों को रोकना भी महत्वपूर्ण होता है। खिलाड़ी गेंद की दिशा समझने, सही समय पर छलांग लगाने और तेजी से प्रतिक्रिया देने का अभ्यास कर रहे हैं। वॉलीबॉल प्रशिक्षक ललित ने बताया कि खिलाड़ियों की कमजोरियों को पहचानकर उन्हें दूर किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि नियमित अभ्यास से खिलाड़ियों की फिटनेस और निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर हो रही है। खिलाड़ी कपील ने बताया कि वे सर्विस को सटीक बनाने और स्मैश में तेजी लाने पर ध्यान दे रहे हैं। टीम के खिलाड़ियों के बीच तालमेल बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है। खिलाड़ी प्रतियोगिता के दौरान दबाव की स्थिति में भी बेहतर खेल दिखाने की तैयारी कर रहे हैं। वे अपनी गलतियों को सुधारकर मैदान पर आत्मविश्वास के साथ उतरना चाहते हैं। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने के लक्ष्य के साथ खिलाड़ी मैदान पर उतरने की तैयारी कर रहे हैं। अभ्यास के दौरान टीम के तालमेल को मजबूत करने पर भी काम किया जा रहा है।

कार की टक्कर से ऑटो पलटने के मामले में प्राथमिकी दर्ज

एजेंसी

गुरुग्राम। पटौदी बाईपास पर बिलासपुर रोड फ्लाईओवर के पास कार की टक्कर से ऑटो पलटने के मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। पटौदी थाना में ये प्राथमिकी मंगलवार को दर्ज की गई है। घायल महिला नानू कलां गांव निवासी अनीता के बयान पर ये प्राथमिकी दर्ज हुई है। शिकायतकर्ता अनीता ने बताया कि वह गांव नानू कलां की रहने वाली हैं और निजी कंपनी में काम करती हैं। शनिवार 24 अक्तूबर को शाम करीब 6:10 बजे वह अपनी नौ अन्य सहकर्मियों और टेंपो चालक हरवीर के साथ घर लौट रही थीं। तभी पीछे से आ रही एक सफेद रंग की टाटा हेक्सन गाड़ी ने ऑटो में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टेंपो पलट गया और उसमें सवार सभी लोग घायल हो गए। अनीता के सिर में चोट लगने के कारण वह बेहोश हो गईं और उन्हें पटौदी के निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि मंगलवार को अनीता की लिखित शिकायत पर पटौदी थाना में बीएनएस की धारा 125(ए) और 281 के तहत अज्ञात चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

बिना लाइसेंस पटाखे बेचते 3 गिरफ्तार

एजेंसी

गुरुग्राम। सेक्टर-14 मार्केट में बिना लाइसेंस पटाखे बेचने के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों को पकड़ा है। पुलिस ने तीनों के कब्जे से पटाखों के कई पैकेट बरामद किए हैं। आरोपियों की पहचान चंद्रशेखर, रवि यादव और पवन कुमार के रूप में हुई है। चंद्रशेखर सेक्टर-12 का निवासी है। रवि यादव एकता एन्क्लेव का रहने वाला है। पवन कुमार नई दिल्ली का निवासी है। सेक्टर-14 थाना पुलिस ने इनके खिलाफ मामला दर्ज किया है। 26 अक्तूबर को गश्त के दौरान पुलिस टीमों को सूचना मिली थी। सूचना थी कि सेक्टर-14 मार्केट में कुछ लोग बिना अनुमति पटाखे बेच रहे हैं। चंद्रशेखर डोमिनोज पिज्जा के पास पटाखे बेच रहा था। रवि यादव ओम स्वीट्स के नजदीक स्टॉल लगाए था। पवन कुमार स्नेहा आउटलेट फैशन क्लोदिंग दुकान के सामने पटाखे बेच रहा था। पुलिस ने सूचना के आधार पर तीनों को मौके से पकड़ा। पुलिस ने आरोपियों के पास से रॉकेट, अनार, चकरी, फुलझड़ी और स्काई शॉट बरामद किए। विभिन्न प्रकार के बम और अन्य आतिशबाजी भी मिली। लाइसेंस और परमिट मांगने पर आरोपी कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सके। पुलिस के अनुसार, तीनों पर जिला मजिस्ट्रेट के आदेशों की अवहेलना कर पटाखे बेचने का आरोप है।

त्योहारों पर आगजनी से निपटने को गुरुग्राम फायर विभाग मुस्तैद

एजेंसी

गुरुग्राम। दिवाली सहित अन्य त्योहारों पर संभावित आगजनी की घटनाओं से निपटने के लिए जिला फायर विभाग तैयारी कर रहा है। विभाग ने सभी कर्मचारियों की छुट्टियां रद कर दी हैं और उन्हें बारह-बारह घंटे ड्यूटी पर रहने के निर्देश दिए हैं। जिले के सात फायर स्टेशनों में उपकरणों को दुरुस्त किया जा रहा है। इससे किसी भी घटना के दौरान उपकरणों के संचालन में कोई समस्या नहीं आएगी। दिवाली त्योहार तक सभी फायरकर्मियों की बारह-बारह घंटे की ड्यूटी तय की गई है। इसका उद्देश्य आगजनी की घटनाओं के दौरान स्टाफ की कमी को रोकना है। दिवाली और धनतेरस पर बाजारों में भीड़ बढ़ने से आग लगने का खतरा बढ़ जाता है। शहर की तंग गलियों में दमकल गाड़ियों के पहुंचने में दिक्कत न हो। इसके लिए पहले से रूट योजनाएं तैयार की जा रही हैं। सात फायर स्टेशनों पर अग्निशमन वाहनों, वाटर टेंडरों और आग बुझाने वाले आधुनिक उपकरणों की जांच की जा रही है। सभी फायर स्टेशनों पर पानी की व्यवस्था भी पुख्ता की जा रही है। इससे किसी भी क्षेत्र में आग लगने पर दमकल गाड़ियों में तुरंत पानी भरा जा सकेगा। वरिष्ठ फायर अधिकारी नरेंद्र यादव ने जिलेवासियों से अपील की है। उन्होंने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचित करें।

ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश का पहला आधुनिक रोबोटिक्स और एआई पार्क 'प्रगति' बनेगा

एजेंसी

नोएडा। शहर में आधुनिक रोबोटिक्स पार्क विकसित होगा। प्रदेश सरकार ने मंगलवार को कैबिनेट बैठक में इस परियोजना को मंजूरी दे दी। इसके लिए 69.52 एकड़ भूमि चिह्नित होगी, यहां पर रोबोटिक्स कंपनियों, तकनीकी स्टार्टअप, अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों को एकीकृत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस पार्क से अर्थव्यवस्था में सलाना दो हजार करोड़ की वृद्धि का अनुमान है। ग्रेटर नोएडा में प्लेटफॉर्म फॉर रोबोटिक्स एंड एआई ग्रोथ थ्रू टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन (प्रगति) रोबोटिक्स पार्क का उद्देश्य प्रदेश में स्वदेशी रोबोटिक्स विनिर्माण को प्रोत्साहित करना, एआई आधारित तकनीकों के विकास को गति देना

और रोबोटिक्स क्षेत्र में निवेश एवं अनुसंधान के लिए अनुकूल इकोसिस्टम तैयार करना है। रोबोटिक्स पार्क दो जोन में विकसित होगा। जोन-1 के लिए आठ एकड़ भूमि निर्धारित की गई है, जिसका विकास और संचालन सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर गठित विशेष प्रयोजन कंपनी (एसपीवी) के माध्यम से किया जाएगा। इसमें ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की हिस्सेदारी 26 प्रतिशत और चयनित औद्योगिक साझीदार की हिस्सेदारी 74 प्रतिशत होगी। जोन-2 के लिए 61.52 एकड़ भूमि आरक्षित की जाएगी। क्षेत्र में निजी उद्यमों द्वारा निवेश कर औद्योगिक इकाइयों और संबंधित गतिविधियों का विकास किया जाएगा। इस जोन के विकास के लिए राज्य सरकार पर कोई पूंजीगत दायित्व नहीं होगा। परियोजना से एक लाख से अधिक रोजगार के अवसर मिलेंगे। सरकार और प्राधिकरण वित्तीय सहयोग करेंगे 1. ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की ओर से जोन-1 के विकास के लिए 21.1 करोड़ रुपये का अंशदान दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार की ओर से 30 वर्षों के लिए 126.2 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण मिलेगा। आठ एकड़ भूमि के लीज प्रीमियम के संबंध में निर्धारित व्यवस्था के अनुसार राज्य सरकार के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के माध्यम से प्राधिकरण को प्रतिपूर्ति की जाएगी। एसपीवी के पंजीकरण से 36 महीने के भीतर जोन-1 का वाणिज्यिक संचालन शुरू करने का लक्ष्य है। आवश्यकता पड़ने पर यह अवधि अधिकतम 48 महीने तक हो सकेगी। 2. जोन-2 में भूमि आवंटन विकास शुल्क से प्राप्त राजस्व का पांच प्रतिशत सेवा शुल्क एसपीवी को देय होगा, जिस पर लागू जीएसटी भी देय होगा। औद्योगिक साझीदार का चयन गुणवत्ता-आधारित चयन प्रक्रिया (क्यूबीएस) के माध्यम से किया जाएगा। इसके बाद एसपीवी का पंजीकरण, भूमि आवंटन, पट्टा विलेख का निष्पादन और निर्माण संबंधी कार्रवाई पूरी की जाएगी। परियोजना की प्रगति की निगरानी समिति द्वारा समीक्षा की जाएगी। एक परिसर में अत्याधुनिक सुविधाएं मिलेंगी रोबोटिक्स पार्क में रोबोटिक्स परीक्षण एवं प्रमाणन केंद्र, रैपिड प्रोटोटाइपिंग, एआई कंप्यूट अवसंरचना, मोशन कैप्चर और डाटा प्रयोगशालाओं जैसी साझा सुविधाएं एक ही एकीकृत परिसर में उपलब्ध कराई जाएंगी। स्टार्टअप और उद्यमियों को किफायती दरों पर अत्याधुनिक परीक्षण, प्रोटोटाइप तैयार करने और जीपीयू आधारित कंप्यूटिंग सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। इससे नए उत्पादों के विकास, तकनीकी प्रयोगों और नवाचार आधारित उद्यमों को प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही, रोबोटिक्स उत्पादों के वैश्विक मानकों के अनुरूप परीक्षण एवं सीई/यूएल प्रमाणन संबंधी क्षमताओं को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी।

नोएडा सड़क हादसे में बैंक कर्मी की मौत

एजेंसी

नोएडा। उत्तर प्रदेश के जनपद गौतमबुद्धनगर नोएडा में थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में बीती रात को हुए एक सड़क हादसे में एक बैंक कर्मी की मौत हो गई है। थाना नॉलेज पार्क के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि बलबीर कुमार पुत्र रामचंद्र ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनका बेटा राजीव कुमार (30) एक्सिस बैंक में नौकरी करता था। वह मोमनाथल स्थित अपने पैतृक मकान में रहता था। पीड़ित के अनुसार सोमवार को उनका बेटा बाइक पर सवार होकर ड्यूटी करने जा रहा था, तभी सेक्टर-150 स्थित एक सोसाइटी के पास एक ट्रक चालक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दिया। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर देर रात को उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की सहायता से ट्रक और ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

अनुपूरक बजट, आवंटियों को राहत और किसानों के मुद्दों पर होंगे फैसले

एजेंसी

नोएडा। औद्योगिक विकास प्राधिकरण (ग्रेनो प्राधिकरण) की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बोर्ड बैठक बुधवार को चेयरमैन दीपक कुमार की अध्यक्षता में आयोजित होने जा रही है। यह बैठक दोपहर बाद करीब साढ़े तीन बजे शुरू होगी। प्राधिकरण के प्रशासनिक भवन में होने वाली इस उच्चस्तरीय बैठक में शहर के विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार, वित्तीय प्रबंधन और आम नागरिकों से जुड़े कई दूरगामी और महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगने की पूरी संभावना है। वित्तीय वर्ष का अनुपूरक बजट होगा प्रस्तुत बैठक के मुख्य एजेंडे में प्राधिकरण के वित्त विभाग द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला अनुपूरक बजट शामिल है। चालू वित्तीय वर्ष के दौरान शहर की नई विकास परियोजनाओं, सड़कों के सुदृढ़ीकरण, जलापूर्ति, सीवरेज सिस्टम और मेट्रो विस्तार जैसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को गति देने के लिए अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता है। अनुपूरक बजट की मंजूरी मिलने से न केवल चल रही परियोजनाओं को वित्तीय मजबूती मिलेगी, बल्कि नई जनहित योजनाओं को भी समय पर शुरू किया जा सकेगा। आवंटियों को मिल सकती है बड़ी

राहत प्राधिकरण लंबे समय से लंबित पड़ी आवासीय, व्यावसायिक और औद्योगिक योजनाओं के आवंटियों को बड़ी राहत देने की तैयारी में है। हालांकि, राहत का सटीक स्वरूप क्या होगा और किस विशेष वर्ग या श्रेणी के आवंटियों को इसका सीधा फायदा मिलेगा, इसका अंतिम फैसला बोर्ड बैठक के दौरान विचार-विमर्श के बाद ही लिया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, किस्तों के भुगतान, पेनल्टी माफी या अधिभोग प्रमाण पत्र) से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरल बनाकर आवंटियों को सहूलियत देने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इससे क्षेत्र के हजारों फ्लैट खरीदारों और निवेशकों को सीधी राहत मिलने की उम्मीद है। किसानों के लीजबैक और आबादी भूखंड के मुद्दे ग्रेटर नोएडा के मूल निवासियों और किसानों से जुड़े लंबित मामलों को हल करना भी इस बैठक की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है। बोर्ड के समक्ष किसानों की लीजबैक प्रक्रिया में आ रही अड़चनों को दूर करने तथा आबादी भूखंड के निस्तारण से संबंधित प्रस्ताव रखे जाने की मजबूत उम्मीद है। यदि इन प्रस्तावों को बोर्ड की हरी झंडी मिल जाती है, तो वर्षों से प्राधिकरण के चक्कर काट रहे स्थानीय किसानों के भू-विवादों का स्थायी समाधान हो सकेगा और उनके साथ समन्वय बेहतर होगा। उत्तर प्रदेश भवन नियमावली में बदलाव को अपनाने का प्रस्ताव इसके अतिरिक्त, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा हाल ही में संशोधित की गई नई भवन निर्माण नियमावली को ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में लागू करने और अपनाने का प्रस्ताव भी बोर्ड के सामने प्रस्तुत किया जा सकता है। नई नियमावली के लागू होने से क्षेत्र में निर्माण मानकों, कवरेज एरिया और सुरक्षा मानकों में एकरूपता आएगी, जिससे डेवलपर्स और व्यक्तिगत निर्माणकताओं दोनों के लिए नक्शा पास कराना और निर्माण कार्य करना अधिक सुगम हो जाएगा। प्राधिकरण कार्यालय में मंगलवार को दिनभर चलीं तैयारियां बैठक के एजेंडे को अंतिम रूप देने के लिए मंगलवार को दिनभर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण कार्यालय में गहमागहमी का माहौल रहा। मुख्य कार्यपालक अधिकारी (उएड) एनजी रवि कुमार ने सभी संबंधित विभागों के प्रमुखों और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और प्रत्येक प्रस्ताव का विस्तृत अपडेट लिया। सीईओ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रस्तावों को पूरी विधिक और तकनीकी बारीकियों के साथ अंतिम रूप दिया जाए ताकि बोर्ड के समक्ष एक स्पष्ट रूपरेखा प्रस्तुत की जा सके।

प्रेमजाल में फंसी युवती ने की आत्महत्या, मुकदमा

एजेंसी

नोएडा। एक युवक ने युवती को प्रेमजाल में फंसाने के बाद शादी का झांसा दिया और उससे 3.70 लाख रुपये ठग लिए। वह कर्ज के बोझ तले दबी युवती को परेशान करने लगा। युवती ने सोमवार शाम मामूरा गांव में फंदा लगाकर जान दे दी। युवती के भाई ने फेज-3 थाने में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। मेरठ के कंकरखेड़ा निवासी इंदरप्रीत सिंह कपूर ने पुलिस को बताया कि बहन सिमरनजीत कौर कपूर नोएडा के मामूरा गांव में किराये के कमरे में रहती थी। वह एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करती थी। वह रोजाना मां से फोन पर बात करती थी। सोमवार शाम करीब सात बजे मां ने फोन पर बताया कि सिमरनजीत कौर फोन नहीं उठा रही। वह उसे देखने के लिए रात करीब 12 बजे मामूरा गांव पहुंचे। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। खिड़की से देखा तो सिमरनजीत कौर दुपट्टे के सहारे फंदे पर लटकी थी। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम की

मौजूदगी में शव को नीचे उतारा। पुलिस को मौके से दो मोबाइल फोन और एक सुसाइड नोट मिला। सुसाइड नोट में लिखा था कि उसने साहिल नामक लड़के को 3.70 लाख रुपये उधार दिए। इसके बावजूद वह उसे परेशान कर रहा है। वह उसे मनहूस और बोझ बता रहा है, इसलिए वह आत्महत्या कर रही है। नोट में सिमरन ने परिजनों से भी माफी मांगी। साथ ही, साहिल से रुपये वापस लेने की मांग की। परिजनों ने पुलिस को बताया कि सिमरन ने उन्हें साहिल के बारे में कई बार बताया था। दोनों के बीच प्रेम संबंध थे। साहिल ने शादी कर-के साथ रहने का वादा किया था। अब साहिल शादी करने से इनकार कर रहा था। साथ ही धमकी भी दे रहा था। इसके चलते सिमरन मानसिक रूप से काफी परेशान थी। परिजनों का आरोप है कि सिमरन ने साहिल पर विश्वास करके रुपये उधार दिए, लेकिन वह अब रुपये नहीं लौटा रहा था। साहिल ने सिमरन के क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करके कुछ खरीदा था, जिसकी ईएमआई सिमरन प्रतिमाह जमा कर रही थी। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बीमार मां की देखभाल के लिए रखी युवती पर गहने चुराने का आरोप

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-24 थाना क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति के घर से लाखों के गहने चोरी हो गए। पीड़ित ने अपनी बीमार मां की देखभाल के लिए रखी युवती पर चोरी का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-22 के बी ब्लॉक निवासी संदीप रखेजा ने पुलिस को बताया कि उनकी मां को ब्रेन ट्यूमर है। उनका वर्तमान में उपचार चल रहा है। घर पर देखभाल के लिए उनकी 11 अक्तूबर को युवती आरती पाल को रखा था। वह दिनभर घर में रहती

थी। वह 23 अक्तूबर को दवा लेने के लिए बाजार गए थे। घर पर बीमार मां और आरती पाल थी। कुछ देर बाद जब वह लौटे तो घर की अलमारी खुली थी। जांच करने पर पात चला कि घर से एक ट्रॉली बैग, दो साड़ी, एक गले का हार, 10 ग्राम सोने का सिक्का, दो ग्राम सोने का सिक्का, एक सोने की अंगूठी गायब है। आरती पाल गायब थी। पीड़ित का आरोप है कि आरती पाल ने ही घर में चोरी की। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

फैक्टरियों में कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा के लिए खुला पिंक बूथ

एजेंसी

नोएडा। औद्योगिक क्षेत्र में कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा और उनकी शिकायतों के निस्तारण के लिए सेंट्रल नोएडा पुलिस ने मंगलवार को सेक्टर-63 के सी ब्लॉक स्थित पुलिस चौकी में पिंक बूथ शुरू किया। डीसीपी महिला सुरक्षा सुनीति ने इसका उद्घाटन किया। यह जिले का 31वां पिंक बूथ है। यहां महिलाओं की शिकायतें सुनने के लिए महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। डीसीपी महिला सुरक्षा ने बताया कि पिंक बूथ आधुनिक सुविधाओं से लैस है। महिलाएं यहां छेड़छाड़, उत्पीड़न और अन्य सुरक्षा संबंधी समस्याओं की शिकायत दर्ज करा सकेंगी। बूथ पर महिलाएं बच्चों को स्तनपान कराने के साथ आराम भी कर सकेंगी। इससे उन्हें

अपनी समस्याएं बताने के लिए नजदीक में ही सुविधा मिलेगी और थाने तक जाने की जरूरत कम होगी। सेक्टर-63 औद्योगिक क्षेत्र में 1500 से अधिक कंपनियां और फैक्टरियां हैं। यहां रोजाना करीब दो से सवा दो लाख लोगों की आवाजाही होती है, जिनमें लगभग आधी आबादी महिलाओं की है। बड़ी संख्या में महिलाएं यहां काम करती हैं। ऐसे में कार्यस्थल तक आने-जाने के दौरान सुरक्षा संबंधी परेशानी होने पर पिंक बूथ उनके लिए मददगार साबित होगा। महिला पुलिसकर्मियों की मौजूदगी से वे सहजता से अपनी शिकायत रख सकेंगी। डीसीपी महिला सुरक्षा सुनीति ने बताया कि बीते तीन वर्षों में जिले में अलग-अलग स्थानों पर तीस पिंक बूथ बनाए गए हैं। यहां महिलाएं आसानी से अपनी शिकायतें दर्ज करा सकती हैं। सारे पिंक बूथ उन स्थानों पर स्थापित किए गए हैं जहां पर महिलाओं की संख्या या भागीदारी अधिक रहती है। आगामी महीनों में कुछ अन्य पिंक बूथ स्थापित करने की योजना चल रही है। इसके लिए जगह देखी जा रही है। सेक्टर-63 में नए बूथ की शुरूआत से औद्योगिक क्षेत्र में महिला सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उद्घाटन के दौरान एसीपी दीक्षा सिंह, सेक्टर-63 थाना प्रभारी समेत अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

33 स्कूलों के खिलाड़ियों ने अभ्युदय 1.0 में दिखाया दमखम

एजेंसी

नोएडा। गगन पब्लिक स्कूल में आयोजित दो दिवसीय इंटर स्कूल खेल प्रतियोगिता अभ्युदय 1.0 में 33 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। 23 और 24 अक्टूबर को आयोजित प्रतियोगिता में शतरंज, फुटबॉल, स्केटिंग, बैडमिंटन और योग की स्पधाएं हुईं। प्रतियोगिता में डीपीएस नोएडा एक्सटेंशन, मिलेनियम स्कूल, कैम्ब्रिज स्कूल और पैसिफिक स्कूल समेत कई विद्यालयों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। समापन समारोह में विजेताओं को ट्रॉफी और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान स्कूल के चेयरमैन एवं प्रबंधक गगन शर्मा, अध्यक्ष प्रिया भारद्वाज और प्रधानाचार्या पारुल सरदाना मौजूद रहीं। गगन शर्मा ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

ऐसे वैश्विक स्तर के संस्थान बनाएं जो अंतरराष्ट्रीय वित्तीय परिदृश्य का सामना कर सकें

शक्तिकांत ने बैंकिंग क्षेत्र के विकास के लिए पांच प्राथमिकताओं को किया रेखांकित

नई दिल्ली।

मुंबई में बीएफएसआई इनसाइट समिट में प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव-2 शक्तिकांत दास ने देश में बड़े बैंकों के निर्माण और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के और ज्यादा एकीकरण की जरुरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में हुए बैंकों के विलय से एक ठोस आधार तैयार हुआ है और अब अगला लक्ष्य ऐसे वैश्विक स्तर के संस्थान बनाना होना चाहिए जो जटिल अंतरराष्ट्रीय वित्तीय परिदृश्य का सामना कर सकें। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बैंकिंग क्षेत्र के विकास के लिए मुख्य रूप से पांच प्राथमिकताओं को रेखांकित किया है। इनमें विशालकाय संस्थानों का निर्माण, कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार को गहरा बनाना, म्युनिसिपल बॉन्ड व्यवस्था को मजबूत करना, बीमा कवरेज का विस्तार और पेंशन की पहुंच को हर नागरिक तक पहुंचाना शामिल है। जानकारों के मुताबिक बड़े बैंक बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्तपोषण और वैश्विक आर्थिक झटकों को सहने में ज्यादा सक्षम होते हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ऋण विस्तार को बढ़ावा देना, दीर्घकालिक बचत जुटाना और विनिर्माण क्षेत्र को गति प्रदान करना है। वर्तमान में भारतीय बैंकिंग प्रणाली की स्थिति काफी मजबूत है और यह पुराने फंसे कर्जों से उबर चुकी है। मार्च 2026 तक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति अनुपात घटकर कई दशकों के निचले स्तर 1.8 फीसदी पर आ गया है, जबकि शुद्ध एनपीए घटकर मात्र 0.4 फीसदी रह गया है। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला में आने वाली रुकावटों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने बेहतर स्थिरता का प्रदर्शन किया है। उद्योगों को मिलने वाले बैंक ऋण में भी सालाना आधार पर करीब 20 फीसदी की वृद्धि हुई, जो निजी कॉरपोरेट निवेश चक्र में सुधार का संकेत देती है। जानकारों का कहना है कि भारत के निजी ऋण घनत्व को बढ़ाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में ऋण की पहुंच बढ़ानी होगी। साथ ही सूक्ष्म और छोटे व्यवसायों को अधिक वित्तीय सहायता देकर आर्थिक समावेशन को मजबूत किया जाना जरुरी है।

एआई कारोबार ने बढ़ाई चीन के उद्योगपति झांग यिमिंग की संपत्ति, बने सबसे अमीर

झांग की कुल संपत्ति बढ़कर करीब 100 अरब अमरीकी डॉलर पर पहुंची

बीजिंग।

चीन में शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म टिकटॉक की मूल कंपनी बाइटडांस के संस्थापक झांग यिमिंग फिर चीन के सबसे अमीर इंसान बन गए हैं। ताज़ा रैंकिंग रिपोर्ट के मुताबिक एआई क्षेत्र में हुए अभूतपूर्व विकास के चलते झांग यिमिंग की कुल संपत्ति रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। झांग यिमिंग की कुल संपत्ति बढ़कर करीब 100 अरब अमरीकी डॉलर हो गई है। पिछले एक साल के अंदर उनकी संपत्ति में करीब 43 फीसदी का भारी उछाल आया। उनकी इस वित्तीय सफलता के पीछे बाइटडांस का तेजी से बढ़ता एआई कारोबार और उनका एआई असिस्टेंट दौबाओ मुख्य वजह है, जो वर्तमान में चीन में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाले एआई टूल्स में शामिल हो चुका है। बाइटडांस टिकटॉक के अलावा चीन के घरेलू बाजार में दोयिन नाम से बेहद लोकप्रिय प्लेटफॉर्म संचालित करती है।रिपोर्ट के मुताबिक चीन में रियल एस्टेट और पारंपरिक उद्योगों से जुड़े उद्योगपतियों की संपत्ति में गिरावट देखी जा रही है, जबकि सेमीकंडक्टर, रोबोटिक्स और एआई तकनीक से जुड़े उद्यमियों की दौलत में तेजी से इजाफा हुआ है।

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेली की कीमतों में तेजी आई है। तेल की कीमतों में ये बढ़त ईरान के हूती विद्रोहियों की ओर से सऊदी अरब पर हमले के बाद आई हैं। इससे तेल की सप्लाई पर विपरीत प्रभाव पड़ा है।वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड का वायदा भाव 1.48 डॉलर बढ़कर 115.36 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। वहीं अमेरिकी बास्केट का डब्ल्यूटीआई तेल भी 1.22 डॉलर बढ़कर 101.12 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। इससे पहले मंगलवार को तेल का भाव करीब 2 डॉलर कम हो गया था, लेकिन हमले के बाद यह फिर से बढ़ गया है। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ऐसे समया आया जब अमेरिका में क्रूड का स्टॉक बढ़ता जा रहा। एक रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर में पिछले सप्ताह क्रूड का उत्पादन 15 हजार बैरल से भी ज्यादा बढ़ा है पर ताजा हमलों ने इसके उत्पादन पर संकट के बादल दिखाए जिससे कीमतों पर फिर से दबाव बढ़ा. ओपेक और अन्य सहयोगी देशों ने दिसंबर तक अपने तेल उत्पादन को बढ़ाए रखने का अनुमान लगाया था।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 352, निफ्टी 50 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 352.64 अंक टूटकर की 73,246.03 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 भी 50.90 अंक नीचे आकर 22,698.85 पर बंद हुआ। हालांकि, यह गिरावट मुख्य रूप से बड़े पूंजीकरण वाले शेयरों तक ही सीमित रही, जबकि छोटे और मध्यम आकार के शेयरों में तेजी रही। बाजार में जहां लार्जकैप शेयरों में दबाव रहा, वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 244.80 अंक की तेजी के साथ 57,274.70 पर पहुंच गया। इसी तरह, निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स भी 166.20 अंक की बढ़त लेकर 18,634.90 पर बंद हुआ। यह दिखाता है कि बाजार में निवेशक मजबूत आधार वाली मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों में अवसरों की तलाश में हैं। सेक्टोरल इंडेक्स में, निफ्टी ऑटो, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स , निफ्टी मीडिया, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी फार्मा ने शानदार प्रदर्शन किया और वे सबसे अधिक लाभ में रहे। इनके अलावा, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी प्राइवेट बैंक के शेयरों में भी तेजी रही। दूसरी ओर कुछ प्रमुख सेक्टर्स में भारी बिकवाली दर्ज की गयी। निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी

आईटी के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट रही। निफ्टी कमोडिटीज , निफ्टी एनर्जी और निफ्टी रियल्टी में भी नकारात्मक रुझान बना रहा, जिससे इन क्षेत्रों से निवेशक दूर रहे। सेंसेक्स पैक के भीतर, एलएंडटी, ट्रेंट, एसबीआई, एक्सिस बैंक, इंडिगो, एचडीएफसी बैंक, मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस और एमएंडएम जैसे शेयरों ने निवेशकों को लाभ पहुंचाया और मजबूती के साथ बंद हुए। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, टीसीएस, भारती एयरटेल, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा जैसे प्रमुख शेयर गिरावट के साथ बंद हुए, जिससे सूचकांकों पर दबाव बना। वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 700 अंक से अधिक फिसलकर 72,800 के स्तर पर आ गया जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 22,550 के अंक तक नीचे आया।

सोने-चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली ।

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में कमी आई है। अमरीकी फेडरल रिजर्व के आगामी नीतिगत फैसलों और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के चलते निवेशक इस सप्ताह होने वाली फेड की बैठक पर सभी की नजरें बनी हुई हैं। राष्ट्रीय कमोडिटी एवं डेरिवेटिव एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध में शुरुआती कारोबार के दौरान 271 रुपये की गिरावट रही। यह 1,43,867 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर खुला, और बाद में 1,43,650 रुपये के करीब कारोबार करता नजर आया। इस साल सोने के वायदा भाव ने 1,80,779 रुपये प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ था। वहीं, चांदी के वायदा भाव में भी कमजोरी रही। एमसीएक्स पर चांदी का दिसंबर अनुबंध 617 रुपये टूटकर 1,96,010 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला और आगे चलकर 1,95,650 रुपये के स्तर के आसपास पहुंच गया। चालू वर्ष में चांदी ने 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम का रिकॉर्ड उच्च स्तर दर्ज किया था।

अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी बहुमूल्य धातुओं में कमजोरी देखी गई। यहां सोने का वायदा भाव गिरावट के साथ 4,058.70 डॉलर प्रति औंस पर, जबकि चांदी 54.15 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रही थी। बाजार जानकारों के अनुसार, मौजूदा समय में बाजार में तकनीकी रूप से शॉर्ट कवरिंग देखने को मिल रही है, जो कीमतों पर दबाव डाल रही है। तकनीकी विश्लेषण के आधार पर, सोने को 1,42,740 रुपये के स्तर पर मजबूत सपोर्ट हासिल है, जबकि इसका ऊपरी प्रतिरोध 1,44,900 रुपये पर देखा जा रहा है। यदि कीमतें इस ऊपरी स्तर को पार करने में सफल होती हैं, तो भाव 1,45,670 रुपये तक बढ़ सकते हैं।

लार्ज कैप फंड्स- सुरक्षित निवेश की अवधारणा और बाजार का यथार्थ

मुंबई ।

निवेशक अक्सर लार्ज कैप म्युचुअल फंड्स को सुरक्षित निवेश का पर्याय मानते हैं, लेकिन शेयर बाजार की बड़ी गिरावट से ये फंड भी पूरी तरह अछूते नहीं रहते है। हाल ही में सितंबर के महीने में निफ्टी 100 इंडेक्स में 5.95 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, इसके बावजूद निवेशकों ने लार्ज कैप फंड्स पर भरोसा जताकर 859 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध निवेश किया, जो उनकी निरंतर अवधारणा को दिखाता है। ये फंड्स अपनी कुल परिसंपत्ति का करीब 80 प्रतिशत बाजार की 100 सबसे बड़ी कंपनियों में निवेश करते हैं। जानकारों का मानना है कि मजबूत कारोबार वाली बड़ी कंपनियां भी आर्थिक मंदी या वैश्विक झटकों के प्रभाव से पूरी तरह बच नहीं सकतीं। यदि किसी शेयर का मूल्यांकन उसकी वास्तविक आय से कहीं अधिक हो, तब बाजार सुस्त पड़ने पर उसमें बड़ी गिरावट आ सकती है। हालांकि, स्मॉल और मिड कैप फंड्स की तुलना में इसमें उतार-चढ़ाव कम होता है। विशेषज्ञों की समीक्षा बताती है कि कई सक्रिय रूप से प्रबंधित लार्ज कैप फंड लंबी अवधि में अपने बेंचमार्क इंडेक्स को पीछे छोड़ने में विफल रहते हैं, जिससे निवेशक कम लागत वाले इंडेक्स फंड्स पर विचार कर सकते हैं। बाजार में बड़ी गिरावट के बाद शेयरों को अपने पुराने स्तर पर लौटने में काफी समय लग सकता है। उदाहरण के लिए, 2008 के आर्थिक संकट के बाद बाजार को उबरने में 5 से 6 साल का लंबा समय लगा था, जबकि 2020 की महामारी के दौरान बाजार कुछ ही महीनों में संभल गया था।

माइक्रोसॉफ्ट ने 60,000 कर्मचारियों को स्वैच्छिक बायआउट का दिया प्रस्ताव

कर्मचारियों की संख्या में कमी कर बचाए गए पैसे को एआई में करेगा निवेश

नई दिल्ली ।

दुनिया की अग्रणी टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने एक बार फिर बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की है। कंपनी ने लगभग 60,000 कर्मचारियों को स्वैच्छिक बायआउट का प्रस्ताव दिया है। यह कदम माइक्रोसॉफ्ट द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में भारी निवेश करने और अपनी वर्कफोर्स को बदलती व्यावसायिक जरूरतों के अनुरूप ढालने की रणनीति का हिस्सा है। इस प्रस्ताव के माध्यम से कंपनी अपनी वर्तमान कुल वर्कफोर्स के लगभग 27 प्रतिशत की भारी कटौती करने जा रही है। यह बायआउट ऑफर अमेरिका, कनाडा, भारत और ब्रिटेन में वाइस प्रेसिडेंट लेवल और उससे नीचे के चुनिंदा कर्मचारियों के लिए है। जानकारी के अनुसार, एआई एक्सपीरियंस, कोपायलट, फाइनेंस, ह्यूमन रिसोर्सेज, एक्सबॉक्स और विंडोज प्लस डिवाइसेस से जुड़े कर्मचारियों को इस दायरे में रखा गया है। हालांकि, डेटा सेंटर, सेल्स, मार्केटिंग, कमर्शियल बिजनेस और सिक्योरिटी जैसी महत्वपूर्ण टीमों को इस ऑफर से बाहर रखा गया है। माइक्रोसॉफ्ट की चीफ पीपल ऑफिसर एमी कोलमैन ने कर्मचारियों को भेजे गए आंतरिक मेमो में कहा है कि यह ऑफर उन कर्मचारियों को नया विकल्प देता है जो कंपनी के बाहर अपना

भविष्य तलाश रहे हैं। यह कंपनी को अपनी बदलती आवश्यकताओं के अनुसार कर्मचारियों की संख्या को समायोजित करने में भी मदद करेगा। यह इस साल माइक्रोसॉफ्ट का दूसरा बड़ा बायआउट ऑफर है, जो अप्रैल में अमेरिका में 9,000 कर्मचारियों और जुलाई में 4,800 लोगों की छंटनी के बाद आया है। दरअसल, माइक्रोसॉफ्ट एआई डेटा सेंटर्स और चिप्स पर अरबों डॉलर खर्च कर रही है। कर्मचारियों की संख्या में कमी कर बचाए गए पैसे को एआई में निवेश किया जा रहा है, जिसका अनुमान इस साल 175 अरब डॉलर है। हालांकि, निवेशक इस भारी-भरकम खर्च के बदले अपेक्षित रिटर्न पर सवाल उठा रहे हैं।

मोबाइल पीएलआई योजना की सफलता-19,000 करोड़ के प्रोत्साहन से 3.25 लाख करोड़ का राजस्व

मुंबई ।

भारत सरकार द्वारा देश में मोबाइल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए शुरू हुई महत्वाकांक्षी प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना ने अभूतपूर्व सफलता पाई है। इस योजना के तहत मोदी सरकार ने मोबाइल निर्माण क्षेत्र को केवल 19,000 करोड़ का प्रोत्साहन (सब्सिडी) दिया था, इसके बदले सरकारी खजाने में करों के रूप में 3.25 लाख करोड़ की बंपर राशि जमा हुई है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने आंकड़े पेश कर योजना की प्रभावशीलता की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस राजस्व में 25,000 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष कर और 3 लाख करोड़ रुपये माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के रूप में प्राप्त हुए हैं।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री का यह स्पष्टीकरण उन आलोचनाओं के मुंह पर तमाचा है जिसमें दावा किया गया था कि करदाताओं के पैसे से दी जाने वाली सब्सिडी की तुलना में मोबाइल कलपुर्जों के आयात पर अधिक खर्च हो रहा है। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में वर्तमान में 25 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है, जिसमें से सिर्फ मोबाइल निर्माण क्षेत्र में 12 लाख से अधिक लोग काम कर रहे हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत ने करीब 2 लाख करोड़ रुपये मूल्य के मोबाइल फोन का निर्यात किया। यह उल्लेखनीय है कि एक दशक पहले देश में कुल घरेलू मांग का 75 प्रतिशत हिस्सा मोबाइल आयात पर निर्भर था, जो अब घटकर मात्र 0.02 प्रतिशत रह गया है। इस दौरान भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स सामान का कुल उत्पादन 6 गुना बढ़कर 11.3 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जबकि मोबाइल फोन का उत्पादन बढ़कर करीब 5.5 लाख

करोड़ रुपये हो गया है। मोबाइल निर्माण में आत्मनिर्भरता को और अधिक मजबूत करने के लिए सरकार ने 62,500 करोड़ रुपये के कुल बजट वाली एक नई मोबाइल फोन विनिर्माण योजना की भी शुरुआत की है।

जियो की शेयर बाजार में धमाकेदार एंट्री, निवेशकों को 21.36फीसदी का लिस्टिंग गेन मिला

नई दिल्ली।

निवेशकों को कई दिनों से जिस पल का इंतजार था वो आज यानी बुधवार को आ ही गया। जियो प्लेटफॉर्म्स की बुधवार को शेयर बाजार में धमाकेदार एंट्री हुई है। करीब 30,200 करोड़ रुपए के आईपीओ के बाद कंपनी का शेयर सुबह 10 बजे बाजार में डेब्यू किया। जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयर 1,119 रुपए के आईपीओ इश्यू प्राइस के मुकाबले 1,358 रुपए पर लिस्ट हुए, जिससे निवेशकों को 21.36फीसदी का लिस्टिंग गेन मिला। लिस्टिंग से पहले ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म नोमुरा ने जियो प्लेटफार्म पर कवरेज शुरू करते हुए इसे 'बाय' रेटिंग दी और 1,340 रुपए प्रति शेयर का टारगेट प्राइस तय किया। ब्रोकरेज का मानना है कि जियो अब सिर्फ बाजार में बदलाव लाने वाली कंपनी नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र की अग्रणी कंपनी बन चुकी है। कारोबार के लिहाज से भी जियो प्लेटफॉर्म ने वित्त वर्ष 2025-26 में मजबूत परफॉर्म दर्ज किया। कंपनी का ऑपरेशंस से रेवेन्यू 14.6फीसदी बढ़कर 1.47 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि नेट प्रॉफिट 15.1% बढ़कर 30,049 करोड़ रुपए पहुंच गया।

टाटा समूह विवाद पर राजनीतिक घमासान तेज, राहुल के निशाने पर मोदी सरकार

मुंबई । देश के सबसे बड़े कारोबारी समूहों में से एक, टाटा समूह के भीतर चल रही खींचतान अब एक बड़े राजनीतिक विवाद का रूप ले चुकी है। टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस के बीच नेतृत्व, कंपनी को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने और कामकाज के तरीकों को लेकर उपजे विवाद पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है।

उन्होंने आरोप लगाया है कि इस प्रमुख उद्योग समूह को आपराधिक तरीके से नुकसान पहुंचाया जा रहा है और डर के माहौल के कारण देश का पूरा कारोबारी समूह खामोश है। सोशल मीडिया पर अपनी बात रखकर राहुल गांधी ने भारतीय उद्योग जगत की चुप्पी पर सवाल उठाकर कहा कि भारतीय कारोबार कोई खिलौना नहीं है और देश के शीर्ष नेतृत्व (नरेंद्र मोदी और अमित शाह) को इसतरह के मामलों में निष्पक्षता व न्याय सुनिश्चित करना चाहिए। यह पूरा विवाद तब खुलकर सामने आया जब टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस और उसकी सबसे बड़ी शेयरधारक टाटा ट्रस्ट्स (जो टाटा संस में लगभग 66 प्रतिशत हिस्सेदारी रखती है) के बीच नेतृत्व और रणनीतिक फैसलों को लेकर मतभेद सार्वजनिक हुए। विवाद की मुख्य वजह टाटा ट्रस्ट्स के अध्यक्ष नोएल टाटा द्वारा एन. चंद्रशेखरन को टाटा संस का अध्यक्ष फिर से नियुक्त करने संबंधी उस प्रस्ताव को चुनौती देना है, जो कि सितंबर में निदेशक मंडल की बैठक में पारित किया गया था। जानकारों के अनुसार, भारत के कॉर्पोरेट इतिहास में टाटा समूह का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान देखकर शीर्ष कंपनियों के बीच चल रहा यह घमासान न केवल शेयर बाजार बल्कि देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी बेहद संवेदनशील माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि कारोबारी पारदर्शिता और कॉर्पोरेट गवर्नेंस के लिहाज से इस विवाद का जल्द से जल्द समाधान आवश्यक है, ताकि देश के औद्योगिक माहौल पर इसका कोई विपरीत असर न पड़े।

आज हिमाचल प्रदेश में बैंक बंद,जाने अन्य राज्यों में क्या रहेगा हाल

मुंबई ।

अगर आप 29 अक्टूबर को बैंक जाने की सोच रहे हैं, तब यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के कैलेंडर के अनुसार, गुरुवार को कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचौथ के त्यौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुट्टी केवल हिमाचल प्रदेश तक ही सीमित है। देश के अन्य सभी राज्यों, जैसे दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, पंजाब, हरियाणा, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल सहित अधिकांश जगहों पर बैंक सामान्य रूप से खुले रहने वाले है।

इन राज्यों में करवाचौथ का उत्सव होने के बावजूद बैंकिंग सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

बता दें कि करवाचौथ हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण त्यौहार है, जिसमें विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। इस दिन सुबह सरगी से शुरुआत होती है और शाम को चंद्रमा की पूजा के बाद ही व्रत खोला जाता है।

केनरा रोबेको ला रहा है नया आर्बिट्राज फंड

मुंबई ।

म्युचुअल फंड में निवेश करने के इच्छुक लोगों के लिए जल्द ही एक नया वित्तीय विकल् बाजार में मौजूद होगा। केनरा रोबेको म्युचुअल फंड ने अपनी नई ओपन-एंडेड योजना केनरा रोबेको आर्बिट्राज फंड का ड्राफ्ट दस्तावेज बाजार नियामक सेबी के पास जमा कराया है। इस योजना के तहत निवेशक सामान्य कारोबारी दिनों में आसानी से अपना पैसा लगा सकते और जरूरत पड़ने पर वापस भी निकाल सकते है।

इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य शेयर बाजार के कैश और डेरिवेटिव सेगमेंट में प्रतिभूतियों की कीमतों के बीच मौजूद अंतर का लाभ उठाकर प्रतिफल अर्जित करना है।

जब कीमतों का अंतर कम होता है, तब फंड अपनी शेष राशि को तय नियमों के अनुसार डेट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश कर सकता है। हालांकि, इसमें किसी निश्चित रिटर्न की गारंटी नहीं दी जाती है। इस फंड के प्रदर्शन का आकलन निफ्टी 50 आर्बिट्राज इंडेक्स (टीआरआई) के आधार पर किया जाएगा।

निवेशक एकमुश्त न्यूनतम 5,000 रुपये से शुरुआत कर सकते हैं, इसके बाद 1,000 रुपये के गुणकों में अतिरिक्त निवेश संभव है। सिस्टेमेटिक इंवेंस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए मासिक आधार पर न्यूनतम 1,000 रुपये और तिमाही आधार पर 2,000 रुपये से निवेश शुरू हो सकता है।

इसके अलावा निवेशकों को एसटीपी (सिस्टेमेटिक ट्रांसफर प्लान) और एसडब्ल्यूपी (सिस्टेमैटिक विड्रॉअल प्लान) जैसी अन्य सुविधाएं भी मिलेंगी। नया फंड ऑफर (एनएफओ) करीब 3 और अधिकतम 15 कामकाजी दिनों तक खुला रहेगा। एनएफओ के दौरान प्रति यूनिट की कीमत 10 रुपये निर्धारित है, इसके बाद इसका मूल्य नेट एसेट वैल्यू के अनुसार घटेगा-बढ़ेगा। यदि कोई निवेशक अलॉटमेंट के 15 दिनों के भीतर अपना पैसा निकालता है, तब उस पर 0.25 प्रतिशत का एग्जिट लोड लागू होगा।

जानकारों के अनुसार, यह योजना उन निवेशकों के लिए एक बेहतर विकल्प हो सकती है जो कम जोखिम के साथ आर्बिट्राज रणनीति का लाभ उठाना चाहते हैं।

पेट्रोल में 20 फीसदी से ज्यादा एथेनॉल मिलाने की फिलहाल कोई योजना नहीं-पुरी

इस सीमा को बढ़ाकर 50 या 100 फीसदी करने की खबरें पूरी तरह से आधारहीन

नई दिल्ली।

पेट्रोल में एथेनॉल के मिश्रण को लेकर चल रही अटकलों और अफवाहों पर विराम लगाते हुए केंद्र सरकार ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि सरकार का पेट्रोल में 20 फीसदी से ज्यादा एथेनॉल मिलाने का फिलहाल कोई विचार या योजना नहीं है। एक कार्यक्रम में पुरी ने ई-20 ईंधन से जुड़ी खबरों पर कहा कि बायोफ्यूल के संदर्भ में 20 फीसदी एथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य रखा गया था, जिसे हासिल कर लिया गया है। इस सीमा को बढ़ाकर 50 फीसदी या 100 फीसदी किए जाने की खबरें पूरी तरह से आधारहीन हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस मुद्दे पर फैलाई जा रही भ्रामक जानकारियों पर भरोसा न करें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही ध्यान दें। बता दें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव और आपूर्ति बाधाओं के बीच भारत ने विदेशी तेल पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए एथेनॉल मिश्रण को बढ़ावा दिया था। एथेनॉल मुख्य रूप से गन्ने और अनाज के अवशेषों से तैयार किया जाने वाला एक पर्यावरण अनुकूल विकल्प है। हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर ऐसी अफवाहें तैर रही थीं कि सरकार जल्द ही उच्च स्तर का एथेनॉल मिश्रित ईंधन अनिवार्य करने जा रही है, जिससे कुछ वाहन मालिकों ने इंजनों की दक्षता पर असर पड़ने की चिंता व्यक्त की थी। सरकार की इस आधिकारिक स्पष्टता के बाद वाहन चालकों की सभी आशंकाएं दूर हो गई हैं। जानकारों के मुताबिक 20 फीसदी एथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य देश के आयात बिल को घटाने और कृषि क्षेत्र को अतिरिक्त आय प्रदान करने के उद्देश्य से सफलतापूर्वक लागू किया गया है। सरकार की प्राथमिकता फिलहाल इसी व्यवस्था को स्थिर और प्रभावी बनाए रखने की है।

व्रत से परे करवा चौथ: प्रेम, परवाह और साझेदारी का पर्व

योगेश कुमार गोयल

इस पर्व की शुरूआत एक बहुत अच्छे विचार पर आधारित थी मगर समय के साथ इस पर्व का मूल विचार और परिदृश्य बदल रहा है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस व्रत का फल तभी है, जब यह व्रत करने वाली महिला भूलवश भी झूठ, कपट, निंदा, अभिमान न करे। इस व्रत से जहां पति के प्रति पत्नी की निष्ठा एवं समर्पण भाव परिलक्षित होता है, वहीं यह पर्व दाम्पत्य जीवन में आपसी विश्वास और भरोसे को मजबूत करने तथा संबंधों में मधुरता घोलने का त्यौहार है।

भारतीय संस्कृति में नारी के प्रेम और संकल्प का महापर्व करवा चौथ...

करवा चौथ पर्व का भारत की गौरवशाली संस्कृति में विशेष महत्व है क्योंकि विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए पूरे दिन व्रत रखती हैं और रात को चांद देखकर पति के हाथ से जल पीकर व्रत खोलती हैं। भारतीय समाज में वैसे तो महिलाएं विभिन्न अवसरों पर अनेक व्रत रखती हैं लेकिन पति को परमेश्वर मानने वाली नारी के लिए इन सभी व्रतों में सबसे अहम स्थान रखता है 'करवा चौथ' व्रत, जो 29 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। पति की दीर्घायु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, ऐश्वर्य तथा सौभाग्य के साथ-साथ जीवन के हर क्षेत्र में उसकी सफलता की कामना से सुहागिन महिलाओं द्वारा कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को रखा जाने वाला यह व्रत अन्य सभी व्रतों से कठिन माना जाता है, जो सुहागिनों का सबसे बड़ा व्रत एवं त्यौहार है। महिलाएं अन्न-जल ग्रहण किए बिना अपार श्रद्धा के साथ यह व्रत रखती हैं तथा रात्रि को चन्द्रमा के दर्शन करके अर्घ्य देने के बाद ही व्रत खोलती हैं। यही वजह है कि अखण्ड सुहाग का प्रतीक यह व्रत अन्य सभी व्रतों के मुकाबले काफी कठिन माना जाता है।

कहा जाता है कि इस व्रत के समान सौभाग्यदायक अन्य कोई व्रत नहीं है और सुहागिनें यह व्रत 12-16 वर्ष तक हर साल निरन्तर करती हैं, उसके बाद वे चाहें तो इसका उद्यापन कर सकती हैं अन्यथा आजीवन भी यह व्रत कर सकती हैं। आजकल तो कुछ पुरूष भी पूरे दिन का उपवास रखकर पत्नी के इस कठिन तप में उनके सहभागी बनते हैं। दिनभर उपवास करने के बाद शाम को सुहागिनें करवा की कथा सुनती व कहती हैं तथा चन्द्रोदय के बाद चन्द्रमा को अर्घ्य देकर अपने सुहाग की दीर्घायु की कामना कर प्रण करती हैं कि वे जीवन पर्यन्त अपने पति के प्रति तन, मन, वचन एवं कर्म से समर्पित रहेंगी। पूजा-पाठ के बाद सुहागिनें अपनी सास के चरण स्पर्श कर उनसे सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद प्राप्त करती हैं।

करवा चौथ पर्व के संबंध में वैसे तो कई कथाएं प्रचलित हैं लेकिन सभी कथाओं का सार पति की दीर्घायु और सौभाग्यवृद्धि से ही जुड़ा है। विभिन्न पौराणिक कथाओं के अनुसार 'करवा चौथ' व्रत का उद्गम उस समय हुआ था, जब देवों व दानवों के बीच भयंकर युद्ध चल रहा था और युद्ध में देवता परास्त होते नजर आ रहे थे। तब देवताओं ने ब्रह्माजी से इसका कोई उपाय करने की प्रार्थना की और ब्रह्मा जी ने उन्हें सलाह दी कि अगर सभी देवों की पत्नियां सच्चे एवं पवित्र हृदय से अपने पति की जीत के लिए प्रार्थना एवं उपवास करें तो देवता दैत्यों को परास्त करने में अवश्य सफल होंगे। ब्रह्मा जी की सलाह पर समस्त देव पत्नियों ने कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को यह व्रत किया और रात्रि के समय चन्द्रोदय से पहले ही देवता दैत्यों से युद्ध जीत गए। तब चन्द्रोदय के पश्चात् दिनभर की भूखी-प्यासी देव पत्नियों ने अपना-अपना व्रत खोला। ऐसी मान्यता है कि तभी से इसी दिन करवा चौथ का व्रत किए जाने की परम्परा शुरू हुई।

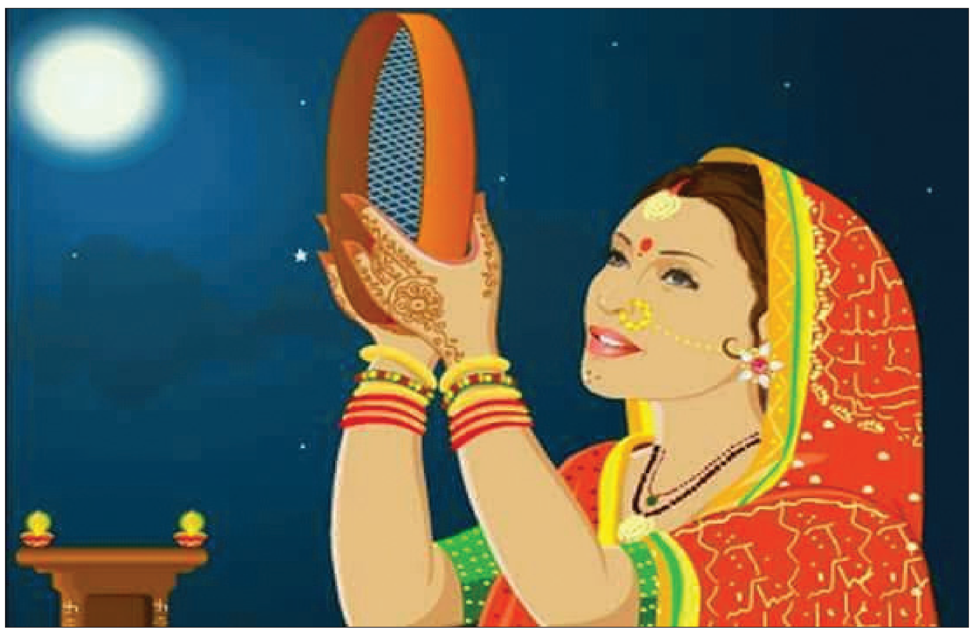

करवा चौथ के व्रत के संबंध में अनेक प्रचलित कथाओं में से एक महाभारत काल से जुड़ी है। कहा जाता है कि एक बार धनुर्धारी अर्जुन तप करने के उद्देश्य से नीलगिरी पर्वत पर गए तो द्रोपदी बहुत चिंतित हुई। उसने विचार किया कि यहां हर समय कोई न कोई संकट आता ही रहता है, इसलिए अर्जुन की अनुपस्थिति में इन संकटों से बचने के लिए क्या उपाय किया जाए? तब द्रोपदी ने भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण किया और श्रीकृष्ण को अपने मन की व्यथा बताई। द्रोपदी की बात सुनकर भगवान श्रीकृष्ण ने कहा कि पार्वती देवी ने भी एक बार भगवान शिव से बिल्कुल यही प्रश्न किया था और तब भगवान शिव ने उन्हें कहा था कि करवा चौथ का व्रत गृहस्थी में आने वाली तमाम छोटी-बड़ी बाधाओं को दूर करता है। द्रोपदी ने श्रीकृष्ण से करवा चौथ के व्रत के संबंध में विस्तार से बताने का आग्रह किया तो श्रीकृष्ण ने द्रोपदी को इस व्रत के महत्व को दर्शाती कथा सुनानी आरंभ की।

भगवान श्रीकृष्ण ने बताया कि इन्द्रप्रस्थ नगरी में वेद नामक एक धर्मपरायण ब्राह्मण के सात पुत्र व एक पुत्री थी। विवाह के बाद जब पुत्री पहली करवा चौथ पर मायके आई तो उसने मायके में ही करवा चौथ का व्रत रखा लेकिन चन्द्रोदय से पूर्व ही उसे भूख सताने लगी तो अपनी लाड़ली बहन की यह वेदना भाईयों से देखी न गई। उन्होंने बहन से व्रत खोलने का आग्रह किया पर वह इसके लिए तैयार न हुई। तब भाईयों ने मिलकर एक योजना बनाई। उन्होंने एक पीपल के वृक्ष की ओट में प्रकाश करके बहन को कहा कि देखो चन्द्रमा निकल आया है। बहन भोली थी, इसलिए भाईयों की बात पर विश्वास करके उसने उस प्रकाश को ही चन्द्रमा मानकर उसे ही अर्घ्य देकर व्रत खोल लिया लेकिन जब अगले दिन वह ससुराल पहुंची तो पति को बहुत बीमार पाया। दिन ब दिन पति की बीमारी बढ़ती गई और सारी जमा पूंजी पति की बीमारी में ही लग गई तो उसने मंदिर में जाकर गणेश जी की स्तुति करनी शुरू की। उसकी प्रार्थना पर प्रसन्न होकर गणेश ने उसके समक्ष प्रकट होकर कहा कि तुमने करवा चौथ का व्रत पूरे विधि विधान से नहीं किया, इसीलिए तुम्हारे पति की यह दशा हुई है। यदि तुम यह व्रत पूरे विधि विधान एवं निष्ठा के साथ करो तो तुम्हारा पति पूरी तरह ठीक हो जाएगा। उसके बाद उसने करवा चौथ का व्रत पूरे विधि विधान के साथ किया और इसके प्रभाव से उसका पति ठीक हो गया।

यह कथा सुनाने के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने द्रोपदी से कहा कि यदि तुम भी इसी प्रकार विधिपूर्वक सच्चे मन से करवा चौथ का व्रत करो तो तुम्हारे समस्त संकट अपने आप दूर हो जाएंगे। तब द्रोपदी ने करवा चौथ का व्रत रखा और उसके व्रत के प्रभाव से महाभारत के युद्ध में पांडवों की विजय हुई। अतः करवा चौथ के व्रत के उद्गम को इस प्रसंग से भी जोड़कर देखा जाता है और कहा जाता है कि इसी के बाद सुहागिनें 'करवा चौथ' व्रत रखने लगी। इस पर्व से संबंधित और भी कई कथाएं प्रचलित हैं, जिनमें सत्यवान और सावित्री की कहानी तथा करवा नामक एक धोबिन की कहानी भी बहुत प्रसिद्ध हैं।

इस पर्व की शुरूआत एक बहुत अच्छे विचार पर आधारित थी मगर समय के साथ इस पर्व का मूल विचार और परिदृश्य बदल रहा है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस व्रत का फल तभी है, जब यह व्रत करने वाली महिला भूलवश भी झूठ, कपट, निंदा, अभिमान न करे। इस व्रत से जहां पति के प्रति पत्नी की निष्ठा एवं समर्पण भाव परिलक्षित होता है, वहीं यह पर्व दाम्पत्य जीवन में आपसी विश्वास और भरोसे को मजबूत करने तथा संबंधों में मधुरता घोलने का त्यौहार है। सही मायने में करवा चौथ दाम्पत्य जीवन में एक-दूसरे के प्रति समर्पण का अनूठा पर्व है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

स्रोत हो सुरक्षित

पत्रकारिता के पेशे में मीडियाकर्मी का नैतिक दायित्व होता है कि वह किसी खोजपूर्ण खबर में सहायक स्रोत की सुरक्षा और विश्वास को कायम रख सके। अपने गोपनीय स्रोत की सुरक्षा का वायदा सुनिश्चित करना महज एक पेशेवर शिष्टाचार नहीं है, सही मायने में यह खोजी पत्रकारिता की बुनियाद भी है। यदि जनहित के लिए महत्वपूर्ण गोपनीय सूचना देने वाले का भरोसा खत्म होगा तो भ्रष्टाचार और जन-विरोधी कार्यों में लिप्त लोगों के गलत कार्यों का खुलासा करने वाले लोग आगे नहीं आएंगे। यानी व्हिसलब्लोअर किसी गंभीर कदाचार आदि के मुद्दे पर चुप्पी साध सकते हैं। यदि सूचना स्रोत की गोपनीयता भंग होती है, तो गलत कामों के वास्तविक तथ्य कभी भी सामने नहीं आ पाएंगे। बहुत संभव है कि किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोकतंत्र के हित में, जनता को जानने योग्य जरूरी जानकारी से वंचित होना पड़ सकता है। इस विषय के महत्व की गंभीरता के चलते ही देश के सर्वोच्च न्यायालय में देश के 'डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट' यानी डीपीडीपी को चुनौती दी गई। जिसने इस महत्वपूर्ण मुद्दे को सार्वजनिक विमर्श में ला दिया है। यही वजह है कि डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन ने चेताया है कि इस कानून के प्रावधान किसी मीडियाकर्मी के गोपनीय स्रोतों को सार्वजनिक कर सकते हैं। जो स्वतंत्र समाचार संग्रहण और इस बाबत जांच-पड़ताल में बाधक साबित हो सकते हैं। इस समस्या का चिंताजनक पहलू यह भी कि सरकार के पास नागरिकों की निजी सूचना एकत्र करने वाली संस्थाओं से जानकारी हासिल करने के अधिकार हैं। जिससे उन लोगों की पहचान उजागर हो सकती है जो भरोसे के चलते ही पत्रकारों के पास आते हैं। निश्चय ही किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसी बंदिशें लादने से मीडिया की स्वतंत्रता पर आंच आ सकती है। सुप्रीम कोर्ट में इस संदर्भ में दायर याचिका पर सुनवाई के बाद, कोर्ट ने केंद्र सरकार से इस बाबत जवाब मांगा है। उल्लेखनीय है कि कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख 17 नवंबर तय की है।

इसमें दो राय नहीं हो सकती है कि आज की तेजी से डिजिटल होती दुनिया में निजता की सुरक्षा बनाये रखना बहुत आवश्यक है। निस्संदेह, नागरिकों को उनकी निजी जानकारी का दुरुपयोग होने से बचाया जाना बेहद जरूरी है। साथ ही यह भी जरूरी है कि निजता की सुरक्षा के लिये बनाया गया कोई कानून प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सत्ताधीशों के लिये ऐसा जरिया नहीं बन जाना चाहिए, जो तथ्यों की तलाश व जांच-पड़ताल में बाधक बने। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि शासन-प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग और कॉर्पोरेट में होने वाली गड़बड़ियों की पड़ताल अकसर ऐसे लोगों पर निर्भर करती है, जो बड़े निजी जोखिम को उठाकर भी वास्तविक तथ्य देश व समाज हित में बताने को राजी होते हैं। ऐसे में यदि पर्याप्त सुरक्षा उपायों के बिना उनकी पहचान उजागर हो जाती है तो पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर इसका व्यापक प्रतिकूल असर पड़ सकता है। फिर जोखिम उठाकर सूचना देने वाले लोग, ऐसा करने से कतराने लगते हैं। इससे जुड़ा एक वास्तविक पहलू यह भी है कि अपने स्रोत की सुरक्षा का अधिकार पत्रकारों को बिना किसी जवाबदेही के काम करने की छूट नहीं देता है। लेकिन यदि कोई अपवाद सामने आता है तो उसे स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाना चाहिए। उसका सार्वजनिक होना बेहद जरूरी है। वहीं उसकी स्वतंत्र न्यायिक निगरानी होनी चाहिए। ऐसे में न्यूजरूम के रिकॉर्ड तक बिना किसी रोक-टोक के पहुंच होने से, स्रोत की सुरक्षा और जनता के जानने के अधिकार को नुकसान पहुंच सकता है। देश की शीर्ष अदालत से उम्मीद की जाती है कि बहुत सावधानी से निजता और प्रेस की आजादी के बीच संतुलन बनाया जाए। यदि वास्तविक पत्रकारिता के कार्यों के लिये स्पष्ट छूट दी जाती है, और साथ ही गोपनीय स्रोत के उजागर होने से रोकने के लिये सुरक्षा उपाय भी हों, तो इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि कानून जनहित से जुड़ी रिपोर्टिंग में बाधा न बनेगा।

चिंतन-मनन

सुखी रहना है तो ईश्वर से शिकायत न करें

इंसानों की एक सामान्य आदत है कि तकलीफ में वह भगवान को याद करता है और शिकायत भी करता है कि यह दिन उसे क्यूं देखने पड़ रहे हैं। अपने बुरे दिन के लिए इंसान सबसे ज्यादा भगवान को कोसता है। जब भगवान को कोसने के बाद भी समस्या से जल्दी राहत नहीं मिलती है तो सबसे ज्यादा तकलीफ होती है। इसका कारण यह है कि उसे लगता है कि जो उसकी मदद कर सकता है वही कान में रूई डालकर बैठा है। इसलिए महापुरूषों का कहना है कि दुख के समय भगवान को कोसने की बजाय उसका धन्यवाद करना चाहिए। इससे आप खुद को अंदर से मजबूत पाएंगे और समस्याओं से निकलने का रास्ता आप स्वयं ढूंढ लेंगे। भगवान किसी को परेशानी में नहीं डालते और न ही वह किसी को परेशानी से निकाल सकते हैं। भगवान भी अपने कर्तव्य से बंधे हुए हैं। भगवान सिर्फ एक जरिया हैं जो रास्ता दिखाते हैं चलना किधर है यह व्यक्ति को खुद ही तय करना होता है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में इस बात को खुद स्पष्ट किया है।

99वीं बार फेल कॉँग्रेस के शहजादे

विश्वास कैलाश सारंग

कांग्रेस के 56 वर्षीय युवा शहजादे राहुल गांधी चुनावी हार का शतक पूरा करने की दहलीज पर खड़े हैं। वो ऐसा कीर्तिमान स्थापित करने वाले भारतीय राजनीति के इतिहास के पहले यशस्वी एवं सफल नेता होंगे, जिनके नेतृत्व में चुनाव से पहले ही कांग्रेस पार्टी की हार सुनिश्चित हो जाती है। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस 99 चुनाव हार चुकी है, अब वे जल्द ही चुनावी मैदान में हार का शतक लगाकर एक नया कीर्तिमान स्थापित करेंगे। उनके इस ताबड़तोड़ चुनावी हारों के प्रदर्शन से रोहित शर्मा के दोहरे शतक का रिकॉर्ड भी खतरे में है। हालांकि रोहित शर्मा ने क्रिकेट के मैदान में दोहरा शतक लगाकर देश का गौरव बढ़ाया था। वहीं राहुल गांधी चुनावी हार का शतक लगाकर गांधी परिवार का गौरव बढ़ाएंगे। न भूतो न भविष्यति- जो पहले कभी नहीं हुआ और न ही भविष्य में कभी होगा ऐसी उपलब्धि हासिल करने वाले राहुल गांधी देश व दुनिया के एकमात्र नेता होंगे। वैसे भी महात्मा गांधी जी ने आज़ादी के बाद कांग्रेस को भंग करने की बात कही थी। उनके इस सपने को साकार करने के लिए कांग्रेस के शहजादे राहुल गांधी पूरी तत्परता के साथ जुटे हुए हैं।

राहुल गांधी ने चुनाव जीतने के बजाय हार के बाद सफाई देने में विशेषज्ञता हासिल कर ली है। चुनाव कैसे हारना है ये कला राहुल गांधी से सीखनी चाहिए। नतीजे चाहे जैसे भी आएं, शहजादे का आत्मविश्वास हमेशा प्रथम श्रेणी में रहता है। प्रतियोगी परीक्षाओं में असफल होने वाले विद्यार्थी भी अपनी कमियों का विश्लेषण करते हैं, अपनी तैयारी सुधारते हैं और फिर नए उत्साह के साथ परीक्षा के मैदान में उतरते हैं, लेकिन राहुल गांधी चुनाव में पराजय के बाद ईवीएम, निर्वाचन प्रक्रिया और मीडिया की भूमिका पर सवाल उठाकर अपनी नाकामी छुपाने का प्रयास करते हैं।

कांग्रेस ने हमेशा परिवारवाद की राजनीति को आगे बढ़ाया है। इसी का परिणाम है कि राहुल गाँधी के 99वीं बार फेल होने के बावजूद उनके नेतृत्व में सवाल ना उठाकर हार का ठीकरा कभी ईवीएम पर, कभी चुनाव आयोग पर, कभी मीडिया पर तो कभी कांग्रेस के छोटे कार्यकर्ताओं पर फोड़ दिया जाता है। पूरी कांग्रेस पार्टी सिर्फ एक ही परिवार के हाथों की कठपुतली बनकर रह गई है। राहुल गांधी को परिवारवाद की वजह से कुर्सी विरासत में मिल तो गई लेकिन उसे बनाए रखने के लिए जनता का विश्वास नहीं मिला है। किसी भी नेता की सबसे बड़ी ताकत उसका राजनीतिक परिवार नहीं बल्कि जनता का विश्वास होता है। परिवारवाद किसी व्यक्ति को राजनीति में प्रवेश का अवसर दे सकती है, लेकिन जनादेश हासिल करने की गारंटी नहीं दे सकती है। राहुल गांधी को लगातार मिल रही असफलताओं से यह सिद्ध होता है कि भारतीय लोकतंत्र में राजनीति कोई पुश्तैनी जागीर नहीं जिसमें परिवार का नाम ही योग्यता का प्रमाण-पत्र बन जाएगा।

राहुल गांधी के लिए चुनाव मानो एक ऐसा आयोजन बन गया है, जिसमें उम्मीदों की फसल हर बार लहलहाती दिखाई जाती है, मगर नतीजों की कटाई के समय कांग्रेस की राजनीतिक गोदाम खाली निकल आती है। इसके बावजूद राहुल गांधी के झूठे दावों की खेती बंद नहीं होती है।

राहुल गांधी के नेतृत्व में चुनाव होते हैं, हार के नतीजे आते हैं और फिर दावों की चमक फीकी पड़ जाती है। इसके बाद आरोपों की नई पटकथा तैयार कर जनादेश का अपमान और वोट चोरी का आरोप लगाकर जनता के बीच भ्रामक खबरे फैलाकर अपनी नाकामी छुपाई जाती है। राहुल गांधी की हालत उस विद्यार्थी जैसी होती जा रही है, जो हर साल परीक्षा में फेल होने के बाद नई कॉपी, नया पेन और नया बैग तो खरीद लेता है, लेकिन किताब खोलने की जहमत नहीं उठाता है। फिर परिणाम आने पर कहता है कि परीक्षा का माहौल ठीक नहीं था, प्रश्नपत्र कठिन था और मूल्यांकन में गड़बड़ी हुई होगी। ऐसे विद्यार्थी राहुल गांधी को समझाना होगा कि जनादेश की परीक्षा में केवल परीक्षा केंद्र बदलने और झूठे आरोपों से परिणाम नहीं बदलते हैं।

मैं तो कहता हूं कि कांग्रेस को अब एक नया विभाग खोल लेना चाहिए 'चुनावी पराजय प्रबंधन विभाग' और विभाग का आदर्श वाक्य होना चाहिए कि ÷हार से घबराना नहीं है और अपना हौसला गंवाना नहीं है।÷ इस विभाग का काम होगा हर हार के बाद एक नई सफाई तैयार करना, पुराने आरोपों को नए शब्दों में पेश करना और अगली बार जीत की नई भविष्यवाणी कर जनता को गुमराह करना। इस विभाग में अनुभव की कोई कमी नहीं होगी, क्योंकि विगत कई वर्षों से चुनावी हारों के नतीजों के बाद सफाई देने का पर्याप्त व्यावहारिक अनुभव जमा हो चुका है। कांग्रेस के 56 वर्षीय युवा शहजादे राहुल गांधी को चुनावी हार का शतक पूरा करने हेतु अग्रिम शुभकानाएं देता हूं।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

त्योहारों के बीच सियासी टकराव: व्यापारी क्यों बन रहे हैं आंदोलन के मोहरे?

सौरभ वार्ष्णेय

देश में त्योहारों का मौसम बाजारों में रौनक, कारोबार में तेजी और आम लोगों के चेहरों पर खुशियां लेकर आता है। दीपावली और अन्य त्योहारों के दौरान व्यापारी वर्ग पूरे साल की कमाई के एक बड़े हिस्से की उम्मीद करता है। दुकानदारों से लेकर छोटे कारोबारियों, रेहड़ी-पटरी वालों और कर्मचारियों तक, लाखों लोगों की आजीविका इन दिनों के कारोबार पर निर्भर रहती है। ऐसे समय में यदि राजनीतिक आंदोलन, चुनावी रैलियां और विरोध-प्रदर्शन बाजारों तथा व्यापारिक गतिविधियों को प्रभावित करने लगें, तो स्वाभाविक रूप से सवाल उठता है कि आखिर इस टकराव की कीमत व्यापारी वर्ग ही क्यों चुकाए?

एक नवंबर को प्रस्तावित चुनावी रैली और राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रहे राजनीतिक विरोध के बीच व्यापारिक संगठनों की ओर से त्योहारों के मद्देनजर उठाई जा रही मांगों ने राजनीतिक और सामाजिक बहस को नई दिशा दे दी है। एक तरफ विपक्ष चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और चुनाव आयोग की जवाबदेही का सवाल उठा रहा है, तो दूसरी तरफ व्यापारी वर्ग चाहता है कि त्योहारों के समय उसका कारोबार बाधित न हो। इस परिस्थिति में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या राजनीतिक दलों को अपने आंदोलन की रणनीति तय करते समय आम नागरिकों और व्यापारियों के हितों को प्राथमिकता नहीं देनी चाहिए?

लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन करना विपक्ष का अधिकार है। सरकार से सवाल पूछना, चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग करना और संवैधानिक संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आवाज उठाना लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा है। यदि विपक्ष को चुनाव आयोग के कामकाज पर आपत्ति है, तो उसे तथ्य, दस्तावेज और संवैधानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। लेकिन किसी भी आंदोलन की सफलता केवल भीड़ जुटाने या राजनीतिक संदेश देने से नहीं मापी जानी चाहिए। यह भी देखना आवश्यक है कि उस आंदोलन का आम जनता पर क्या प्रभाव पड़ रहा है। त्योहारों के दौरान बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही, माल की आपूर्ति, यातायात और दुकानों के संचालन में व्यवधान छोटे व्यापारियों के लिए गंभीर आर्थिक नुकसान का कारण बन सकता है।

बड़े कारोबारी कुछ समय का नुकसान सहन कर सकते हैं, लेकिन छोटे दुकानदार, दैनिक आय पर निर्भर विक्रेता और सीमित पूंजी से कारोबार करने वाले व्यापारी हर दिन की कमाई पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में व्यापारिक संगठनों की मांग को केवल राजनीतिक विरोध के चश्मे से देखना उचित नहीं होगा। इस पूरे घटनाक्रम में सरकार की भूमिका पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। यदि आंदोलन को लेकर राजनीतिक गतिरोध बढ़ रहा है, तो सरकार और संबंधित संस्थाओं को संवाद का रास्ता तलाशना चाहिए। हालांकि, यह निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त प्रमाण आवश्यक हैं कि सरकार ने जानबूझकर ऐसा राजनीतिक पेच खड़ा किया है, जिससे आंदोलन समाप्त हो जाए या विपक्ष दबाव में आ जाए। राजनीति में आरोप प्रत्यारोप आम हैं, लेकिन लोकतंत्र में किसी भी आरोप की विश्वसनीयता तथ्यों से तय होती है। सरकार को चाहिए कि वह विपक्ष की शिकायतों का जवाब दे, चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठने वाली आशंकाओं को दूर करे और यह सुनिश्चित करे कि किसी भी राजनीतिक गतिविधि के कारण आम नागरिकों के अधिकारों तथा आजीविका पर अनावश्यक असर न पड़े।

इसी तरह विपक्ष को भी यह स्पष्ट करना चाहिए कि उसका आंदोलन किन ठोस मांगों पर आधारित है, उसकी समय-सीमा क्या है और आम लोगों को कम से कम परेशानी पहुंचाते हुए उसे कैसे आगे बढ़ाया जा सकता है।

चुनाव आयोग के शीर्ष पदाधिकारी की जवाबदेही तय होनी चाहिए और उनकी मांग पूरी होने पर आंदोलन समाप्त हो सकता है, राजनीतिक बहस का महत्वपूर्ण विषय है। यदि विपक्ष का दावा है कि चुनावी प्रक्रिया में अनियमितताएं हुई हैं, तो उसे अपने आरोपों के समर्थन में ठोस प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए। वहीं, चुनाव आयोग को भी अपनी संवैधानिक स्वतंत्रता, निष्पक्षता और पारदर्शिता के प्रति जनता का विश्वास बनाए रखना चाहिए। लेकिन किसी संवैधानिक पदाधिकारी का इस्तीफा मांगना और उसे तत्काल स्वीकार कराना दो अलग अलग बातें हैं। चुनाव आयोग के प्रमुख का पद किसी राजनीतिक दल की इच्छा से संचालित नहीं हो सकता। उनकी नियुक्ति, कार्यकाल और पद से हटाने की प्रक्रिया कानून तथा संविधान के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित होती है। इसलिए यह कहना कि केवल इस्तीफा होते ही तीस सेकंड में आंदोलन समाप्त हो जाएगा, राजनीतिक वक्तव्य तो हो सकता है, लेकिन इसे समस्या के समाधान की गारंटी नहीं माना जा सकता। यदि वास्तविक उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया में विश्वास बहाल करना है, तो समाधान पारदर्शी जांच, तथ्यों के सार्वजनिक स्पष्टीकरण और संवैधानिक प्रक्रियाओं के पालन में तलाशना होगा। केवल इस्तीफे की मांग पर अड़े रहना या बिना जवाब दिए मांग को खारिज कर देना, दोनों ही स्थितियां राजनीतिक गतिरोध को बढ़ा सकती हैं। व्यापारी किसी राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं हैं। वे देश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार हैं। बाजारों में काम करने वाले लाखों लोगों के सामने किराया, बिजली बिल, कर्मचारियों का वेतन, माल की खरीद और बैंक की किस्तों जैसी जिम्मेदारियां होती हैं। त्योहारों के समय बिक्री प्रभावित होने का नुकसान केवल दुकान के मालिक को नहीं, बल्कि उससे जुड़े पूरे परिवार और कर्मचारियों को भी उठाना पड़ता है।इसलिए व्यापारिक संगठनों की मांगों को गंभीरता से सुनना सरकार और विपक्ष, दोनों की जिम्मेदारी है। यदि रैली या आंदोलन के लिए स्थान, समय और मार्ग में बदलाव करके व्यापारिक गतिविधियों को सुरक्षित रखा जा सकता है, तो ऐसा करने में किसी पक्ष को राजनीतिक हार नहीं माननी चाहिए।सरकार को कानून-व्यवस्था और नागरिक

सुविधाओं का संतुलन बनाए रखना चाहिए। विपक्ष को शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार इस्तेमाल करते हुए यह ध्यान रखना चाहिए कि उसकी रणनीति से आम लोगों को अनावश्यक परेशानी न हो। प्रशासन को भी निष्पक्ष भूमिका निभाते हुए यातायात, सुरक्षा और बाजारों के संचालन के लिए स्पष्ट व्यवस्था करनी चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि राजनीतिक दल व्यापारियों को अपने पक्ष में खड़ा करने के बजाय उनकी समस्याओं का समाधान करें। व्यापारिक संगठनों को भी अपनी मांगें स्पष्ट रूप से सामने रखनी चाहिए और राजनीतिक विवादों में किसी एक पक्ष का औजार बनने से बचना चाहिए। एक नवंबर की रैली और आंदोलन को लेकर यदि कोई विवाद है, तो संबंधित पक्षों के बीच तत्काल बातचीत होनी चाहिए। रैली के समय और स्थान का ऐसा निर्धारण किया जा सकता है, जिससे विरोध का लोकतांत्रिक अधिकार भी सुरक्षित रहे और त्योहारों का कारोबार भी प्रभावित न हो। इसके साथ ही चुनाव आयोग से जुड़े सवालों पर तथ्यों के आधार पर सार्वजनिक संवाद होना चाहिए। लोकतंत्र में सरकार की जवाबदेही जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी विपक्ष का जिम्मेदार आचरण भी है। विरोध करना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन जनता के हितों की रक्षा करना उसकी राजनीतिक जिम्मेदारी भी है। इसी प्रकार सरकार को भी आलोचना को दबाने के बजाय उसका उत्तर देना चाहिए। लोकतंत्र की असली परीक्षा यही है कि राजनीतिक संघर्ष के बीच भी जनता के हित सर्वोपरि रहें।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

संक्षिप्त समाचार

ब्राजील के चुनाव नतीजों पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की टिप्पणी

वाशिंगटन, एजेंसी। ब्राजील में चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने कहा कि लूला की चुनावी जीत 'धांधली' वाली लग रही है। ट्रंप ने बिना किसी सबूत के यह टिप्पणी ऐसे में की है जब उनका समर्थन करने वाले प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी फ्लेवियो बोल्सोनारो को हार का सामना करना पड़ा।

बीमार पेड़ उखाड़ फेंको... चुनाव से पहले भ्रष्ट अफसरों को हटाने का शी का संदेश

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 2027 में संभावित चौथे कार्यकाल की तैयारी के बीच सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के अफसरों पर अविश्वास जताते हुए भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता के खिलाफ और सख्त कार्रवाई के संकेत दिए हैं। उन्होंने भ्रष्ट अधिकारियों की तुलना बीमार पेड़ों से करते हुए कहा, इन्हें उखाड़ना या काटना जरूरी है, ताकि हटाया जा सके। इससे संकेत मिलते हैं कि शी और सख्त होंगे। शी का जोर इस बात पर है कि अधिकारी पार्टी के आदेशों का ईमानदारी से पालन करें। उन्होंने कहा, कुछ अधिकारी सामने से वफादारी दिखाते हैं, लेकिन भीतर से पार्टी नियमों और मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध नहीं हैं। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति की बैठक बीजिंग में जारी है। इसमें अगले साल पार्टी महासम्मेलन की तैयारियों की दिशा तय हो सकती है।

फ्रांस में छात्र आक्रोश, अब बदलेंगे एडमिशन के नियम

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस सरकार ने सोमवार को घोषणा की कि वह 2028 तक अपनी राष्ट्रीय ऑनलाइन विश्वविद्यालय प्रवेश प्रणाली को बदल देगी। यह निर्णय शिक्षा और जीवन यापन की लागतों को लेकर हफ्तों से चल रहे छात्रों के विरोध प्रदर्शनों को शांत करने के लिए लिया गया है। उच्च शिक्षा मंत्री फिलिप बैप्टिस्ट ने 2027 के लिए इस मंच में 'पर्याप्त बदलाव' की घोषणा की। छात्र इसकी अस्पष्ट चयन मानदंडों और पसंदीदा पाठ्यक्रमों तक असमान पहुंच की आलोचना कर रहे थे। 17 अक्तूबर को स्कूल फंडिंग और बढ़ती लागतों पर प्रदर्शनों के कारण देश में दंगे और लूटपाट हुई थी। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने छात्रों की मांगों को पूरा करने के लिए 'ठोस उपायों' का वादा किया है। सरकार ने 8 अक्तूबर को 3,000 अतिरिक्त शिक्षक तैनात करने की बात भी कही थी। फ्रांस रिकॉर्ड गरीबी और सार्वजनिक ऋण से जूझ रहा है।

रूस-यूक्रेन युद्ध: मेलानिया ट्रंप की पहल पर ओलेश्की में स्थानीय संघर्षविराम लागू, 2000 लोगों तक पहुंचेगी मदद

वाशिंगटन, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच मंगलवार तड़के स्थानीय स्तर पर संघर्षविराम लागू हो गया। यह कदम अमेरिकी प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप के नेतृत्व में चलाए जा रहे मानवीय सहायता अभियान से पहले उठाया गया है। यूक्रेन के समयानुसार संघर्षविराम सुबह तीन बजे शुरू हुआ। इसका उद्देश्य इस सप्ताह के अंत में दक्षिणी यूक्रेन के रूस के कब्जे वाले ओलेश्की शहर में राहत सामग्री पहुंचाने का रास्ता तैयार करना है। मेलानिया ट्रंप के कार्यालय के मुताबिक, संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों से मुलाकात के बाद उन्होंने रूस और यूक्रेन के नागरिक वार्ताकारों के साथ बातचीत का नेतृत्व किया। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने उन्हें शहर के हालात की जानकारी दी थी। संघर्षविराम शनिवार तक जारी रहने की उम्मीद है। जरूरत पड़ने पर इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। हालांकि, रूस और यूक्रेन के बीच गहरे अविश्वास के कारण पहले भी संघर्षविराम की कोशिशें सफल नहीं हो सकी हैं। ओलेश्की में फंसे करीब 2000 लोग संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, ओलेश्की में करीब 2000 लोग फंसे हुए हैं। वहां भोजन और दवाओं का भंडार लगातार कम हो रहा है। इलाके में बारूदी सुरंगों और ड्रोन हमलों के खतरे के कारण लोग शहर छोड़कर नहीं जा पा रहे हैं। राहत अभियान से जुड़े वार्ताकारों ने बताया कि लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए गलियारे खोलने से पहले ओलेश्की में डॉक्टरों, दवाओं, भोजन और पानी की आपूर्ति पहुंचाई जाएगी। ओलेश्की आंशिक रूप से रूस के कब्जे वाले खेरसॉन क्षेत्र में स्थित है। यह यूक्रेन की राजधानी कीव से करीब 550 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में है। यहां नीपर नदी रूस और यूक्रेन की सेनाओं के बीच सीमा का काम करती है। रूस की सेना ने 2022 में यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला शुरू करने के पहले ही दिन ओलेश्की पर कब्जा कर लिया था।

भारत ने यूएनएससी में 'डी फैक्टो वीटो' पर उठाए सवाल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में वीटो को लेकर अपना मत स्पष्ट किया है। भारतीय प्रतिनिधि ने 'डी फैक्टो वीटो' की आलोचना करते हुए कहा कि वीटो अधिकार का नहीं बल्कि जिम्मेदारी का एहसास कराता है। सोमवार को महासभा में पांच स्थायी सदस्यों (पी5) के वीटो अधिकारों पर हुई बहस के दौरान, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने बताया कि सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए 'इंटरगवर्नमेंटल नेगोशिएशन्स' (आईजीएन) के तहत यह एक अहम मुद्दा था, लेकिन कुछ देशों ने 'अप्रत्यक्ष वीटो' का इस्तेमाल किया जिससे ये प्रक्रिया अटक गई है। उन्होंने कहा, 'आईजीएन प्रक्रिया में भी 'आम सहमति' की दलील का इस्तेमाल एक डी फैक्टो वीटो (छिपे हुए) के रूप में किया जा रहा है।'

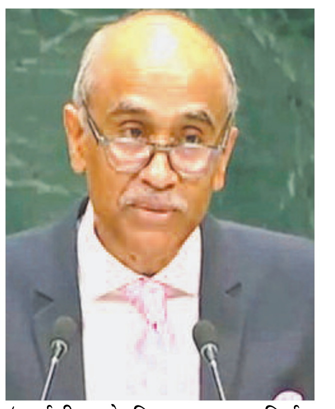

भारत के अनुसार, वीटो पावर का विशेषाधिकार किसी संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ को साधने का साधन नहीं बनना चाहिए। 'यूनाइटिंग फॉर कंसेंसस' नाम के देशों के एक छोटे समूह ने प्रक्रिया संबंधी पैंतरों का इस्तेमाल करके आईजीएन को बातचीत के लिए कोई मसौदा अपनाने से रोक दिया है। इस समूह का नेतृत्व इटली कर रहा है और इसमें पाकिस्तान भी शामिल है। हरीश ने कहा कि 2008 का महासभा प्रस्ताव, जो 'आईजीएन के लिए आधारभूत निर्णय है, बिल्कुल स्पष्ट है: इसका मुख्य सिद्धांत 'अधिकतम राजनीतिक स्वीकृति' है, न कि 'आम सहमति'। उन्होंने बताया कि बातचीत के 17 दौर पूरे होने के बाद भी, 'हमारे पास दिखाने के लिए कोई नतीजा नहीं है।' इसका कारण वह 'व्यावहारिक वीटो' है, जिसका आईजीएन को बनाने वाले प्रस्ताव में कोई आधार नहीं है। उन्होंने कहा कि व्यापक सुधारों की शुरुआत के लिए 'स्पष्ट समय-सीमा और लक्ष्यों के साथ, मसौदे पर आधारित बातचीत को जल्द शुरू करना' जरूरी है। इसके अलावा कुछ ऐसे गुप्त वीटो भी हैं जिन्हें संयुक्त राष्ट्र चार्टर में मान्यता नहीं मिली है, फिर भी कुछ अहम मामलों में गैर-स्थायी सदस्यों को भी इनका इस्तेमाल करने दिया जाता है। इस ओर इशारा करते हुए हरीश ने कहा, 'वीटो सिर्फ वह नहीं है जिसका इस्तेमाल खुले तौर पर किया जाता है। इसके अलावा एक डी फैक्टो वीटो भी होता है, जो सुरक्षा परिषद के हर सदस्य–चाहे वह चुना गया हो या नहीं–के पास होता है। इसका इस्तेमाल वे अध्यक्षीय बयानों, प्रेस बयानों और प्रतिबंध समितियों के फैसलों पर कर सकते हैं।' ऐसा इसलिए है क्योंकि 'आम सहमति के 'अलिखित नियम' के तहत, कोई भी एक सदस्य किसी प्रस्ताव को रोक सकता है, और अक्सर इसके लिए उसे कोई कारण भी नहीं बताना पड़ता।' चीन ने कई बार प्रतिबंध समिति की गुप्त बैठकों में पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों - जैसे लश्कर-ए-तैयबा के जकी-उर-रहमान लखवी और शाहिद महमूद, तथा जैश-ए-मोहम्मद के साजिद मीर और मसूद अजहर - पर प्रतिबंध लगाने के प्रयासों को रोका है।

हरीश ने व्यापक सुधारों की वकालत करते हुए कहा, 'सुरक्षा परिषद की विश्वसनीयता, वैधता और प्रभावशीलता से जुड़े सवालों का जवाब सिर्फ वीटो को मैनेज करने से नहीं मिलेगा। इन सुधारों में परिषद का विस्तार करना और नए स्थायी सदस्य शामिल करना भी शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'इन सवालों का जवाब एक ऐसी परिषद से मिलेगा जो अपने उद्देश्य के लिए पूरी तरह उपयुक्त हो, जिसकी संरचना आज की वास्तविकताओं को दर्शाती हो, न कि आठ दशक पहले हुए युद्ध के नतीजों को। हरीश ने बताया कि भारत ने एक 'सिद्धांत-आधारित रुख' अपनाया है, जिसके अनुसार सुधारों के जरिए स्थायी सदस्य के रूप में शामिल होने वाले किसी भी देश के पास वीटो का अधिकार भी होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हम फिर दोहराते हैं कि जब तक वीटो का प्रावधान मौजूद है, तब तक एक सुधारी गई परिषद के सभी स्थायी सदस्यों के पास यह अधिकार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 'निष्पक्षता और न्याय की यही मांग है। 'हरीश ने सुरक्षा परिषद के सदस्यों की नई 'दूसरे दर्जे' (सेकंड क्लास) की श्रेणियां बनाने के विचार को भी खारिज कर दिया - जैसे कि लंबे कार्यकाल वाले सदस्य या बिना वीटो अधिकार वाले स्थायी सदस्य। उन्होंने कहा कि 'इससे सुधारों पर चल रही पहले से ही कठिन चर्चा और अधिक जटिल हो जाएगी, और यह उस असमानता को और गहरा कर देगा जिसे हम दूर करना चाहते हैं। हरीश इस विचार को लेकर भी संशय में थे कि सुरक्षा परिषद में वीटो का इस्तेमाल करने वाले देशों को महासभा के सामने आकर अपने कदम के बारे में स्पष्टीकरण देना चाहिए।

रूसी डीजल आयात पर अमेरिकी लॉमेकर्स की चेतावनी, बैंकों और कंपनियों को कानूनी कार्रवाई का डर

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के दोनों प्रमुख दलों (डेमोक्रेट और रिपब्लिकन) के लॉमेकर्स के एक समूह ने देश के बड़े बैंकों, बंदरगाह प्राधिकरणों और ईंधन वितरक कंपनियों को चेतावनी दी है कि यदि वे रूसी डीजल का आयात करते हैं, तो उन्हें आपराधिक और दीवानी (सिविल) कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के साथ अपनी ऊर्जा नीति का बचाव किया है। ये पत्र शनिवार को सीनेट की विदेश संबंध समिति के वरिष्ठ सदस्यों जीन शाहीन, रॉन वाइडन, शेल्डन व्हाइटहाउस, क्रिस कून्स, एलिजाबेथ वॉरेन और रिपब्लिकन सीनेटर थॉम टिलिस तथा प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के वरिष्ठ सदस्य ग्रेगरी डब्ल्यू. मीक्स की ओर से भेजे गए थे। समिति ने सोमवार को इन पत्रों को सार्वजनिक किया। लॉमेकर्स ने अपने पत्र में लिखा कि अमेरिका में रूसी डीजल का कोई भी आयात गंभीर कानूनी सवाल खड़े करता है और इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई या संसदीय जांच हो सकती है। उन्होंने कहा, 'जो कंपनियां अमेरिकी कानून का उल्लंघन करते हुए उत्पाद आयात करती हैं, वे खुद को आपराधिक और दीवानी दोनों तरह की कानूनी जिम्मेदारियों के जोखिम में डाल सकती हैं। ये पत्र जेपी मॉर्गन चेय, बैंक ऑफ अमेरिका, सिटीग्रुप, वेल्स फार्गो बैंक, गोल्डमैन सैक्स और मॉर्गन स्टेनली के मुख्य अधिकारियों को भेजे गए। इसके अलावा टेक्सास के ह्यूस्टन, कॉर्पस क्रिस्टी और ब्यूमोंट बंदरगाहों तथा न्यूयॉर्क/न्यू जर्सी पोर्ट अथॉरिटी के प्रमुखों को भी पत्र भेजे गए। सांसदों ने राष्ट्रपति ट्रंप की 9 अक्टूबर की घोषणा और अमेरिकी वित्त मंत्रालय के जनरल लाइसेंस 135 का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 2022 के 'एंडिंग इम्पोर्टेशन ऑफ रशियन ऑयल एक्ट' के तहत आम तौर पर रूसी ऊर्जा उत्पादों के आयात पर रोक है, जब तक कि राष्ट्रपति कांग्रेस को यह प्रमाणित न करें कि रूस ने यूक्रेन में अपनी सैन्य कार्रवाई बंद कर दी है। पत्र में कहा गया, 'रूस को वैश्विक बाजार में खुलकर डीजल बेचने की अनुमति देना अमेरिका के सुरक्षा हितों को नुकसान पहुंचाता है और यूक्रेन के लोगों के साथ विश्वासघात है।' सांसदों के अनुसार, सार्वजनिक रिपोर्टों और जहाजों की ट्रैकिंग से पता चलता है कि रूसी डीजल लेकर आने वाले जहाज इस महीने के अंत तक ब्यूमोंट और न्यूयॉर्क/न्यू जर्सी के बंदरगाहों तक पहुंच सकते हैं। उन्होंने संबंधित कंपनियों से कहा कि वे इस मामले से जुड़े सभी रिकॉर्ड सुरक्षित रखें और 28 अक्टूबर तक जवाब दें। इस बीच, प्रतिनिधि सभा की न्यायपालिका समिति के वरिष्ठ सदस्य जेमी रास्किन ने भी तेल उद्योग को पत्र लिखकर इस व्यवस्था के खिलाफ चेतावनी दी है।

माइक्रोसॉफ्ट का 60 हजार कर्मचारियों को नौकरी छोड़ने का ऑफर

वॉशिंगटन, एजेंसी। माइक्रोसॉफ्ट ने करीब 60 हजार कर्मचारियों को खुद नौकरी छोड़ने का ऑफर दिया है। इसके बदले उन्हें एक साथ अच्छा-खासा पैसा दिया जाएगा। यह ऑफर भारत, अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन के उन कर्मचारियों के लिए है जो लेवल 70 या उससे नीचे के पदों पर हैं।

कंपनी में कुल 2.23 लाख कर्मचारी हैं, जिनमें से 23 हजार भारत में हैं। इनमें से कितनों को ऑफर मिलेगा, यह स्पष्ट नहीं है। जो कर्मचारी इस ऑफर के लिए एलिजिबल हैं, उन्हें अगले कुछ घंटों में ईमेल आ जाएगा। उसमें दिए लिंक से वे अपने एग्जिट ऑफर की पूरी डिटेल देख सकेंगे। पात्र कर्मचारियों को 1 दिसंबर तक फैसला करना होगा। कंपनी ऐसा इसलिए कर रही है क्योंकि वह ढ्ढ की नई तकनीक और सिस्टम बनाने में बहुत ज्यादा पैसा खर्च कर रही है। इसकी भरपाई करने के लिए कंपनी ऐसा कर रही है। लेवल 70 या उससे नीचे के एम्प्लॉइज को मिला ऑफर माइक्रोसॉफ्ट में शुरुआती पद लेवल 59 से शुरू होते हैं और सीनियर पद 70 से ऊपर होते हैं। यह कंपनी के जूनियर, मिड-लेवल और सीनियर स्तर के कर्मचारियों का कैडर होता है। इसमें सीनियर डायरेक्टर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर, सीनियर इंजीनियर, प्रोजेक्ट मैनेजर, टीम लीडर और मिड-लेवल मैनेजर्स शामिल होते हैं। सर्विस के सालों के हिसाब से लेवल 67 और उससे नीचे के लोगों को 6 से 12 महीने तक शेयर्स का फायदा मिलता रहेगा। नौकरी छोड़ने के बाद भी तय समय तक मेडिकल इंश्योरेंस मिलेगा। जो लोग ऑफर नहीं लेंगे, वे अपनी मौजूदा भूमिकाओं में काम करते रहेंगे या कंपनी उन्हें किसी दूसरे प्रोजेक्ट/टीम में री-असाइन कर सकती है। यदि कंपनी वॉलेंटरी ऑफर से अपना खर्च घटाने का लक्ष्य पूरा नहीं कर पाती है, तो आने वाले समय में वह जबरन छंटनी का कदम उठा सकती है। उस स्थिति में नौकरी जाने पर कर्मचारियों को वॉलेंटरी एग्जिट जितना अच्छा फाइनेंशियल पैकेज नहीं मिलता है।

वोटर धोखाधड़ी की जानकारी देने वालों को एक मिलियन डॉलर इनाम देंगे ट्रंप

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों से कुछ दिन पहले एक मिलियन डॉलर देने की अनोखी घोषणा की है। उनके अनुसार, जो व्यक्ति वोटर धोखाधड़ी की ऐसी जानकारी देगा, जिसके आधार पर किसी की गिरफ्तारी और सजा होगी, उसे यह इनाम दिया जाएगा। सोमवार को एयरफोर्स वन में सवार होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, 'मैं एक मिलियन डॉलर का बोनस या इनाम देने जा रहा हूं। जो भी व्यक्ति वोटर धोखाधड़ी की जानकारी देगा और उसकी वजह से किसी की गिरफ्तारी तथा सजा होगी, उसे एक मिलियन डॉलर दिए जाएंगे।' बातचीत के दौरान एक पत्रकार ने ट्रंप से कहा कि उन्होंने पहले स्पष्ट रूप से कहा था कि यदि कोई गैर-अमेरिकी नागरिक मतदान करता है, तो उसे स्वतः निर्वासित (डिपोर्ट) कर दिया जाएगा। पत्रकार ने पूछा कि क्या इससे चुनावी व्यवस्था

बेहतर होगी और क्या इस संदेश को उनकी सभी चुनावी रैलियों में दोहराया जाना चाहिए। इस पर ट्रंप ने जवाब दिया, 'मुझे लगता है कि हां, हम ऐसा कर रहे हैं और हमने उस प्रक्रिया की शुरुआत भी कर दी है।' हालांकि, व्हाइट हाउस ने अभी तक यह नहीं बताया है कि इनाम की राशि किस तरह दी जाएगी, कौन सी एजेंसी इसका संचालन करेगी या इसके लिए कानूनी आधार क्या होगा। अमेरिका में संघीय चुनावों में गैर-नागरिकों की ओर से मतदान करना पहले से ही एक संघीय अपराध है। मौजूदा कानून के तहत ऐसा करने पर जुर्माना, जेल और देश से निष्कासन जैसी सजा हो सकती है। ट्रंप की यह टिप्पणी अमेरिका में रहने वाले प्रवासी समुदायों का ध्यान खींच सकती है, जिनमें बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग भी शामिल हैं। ग्रीन कार्ड धारक और अस्थायी कार्य वीजा पर रहने वाले भारतीय नागरिक संघीय चुनावों में मतदान करने के पात्र नहीं होते। कुछ सामुदायिक संगठनों ने पहले चिंता जताई है कि मतदाता सूची की सख्त जांच के दौरान कहीं प्राकृतिक रूप से नागरिकता हासिल कर चुके वैध अमेरिकी नागरिकों को गलती से संदिग्ध न मान लिया जाए। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब ट्रंप मध्यावधि चुनावों से पहले अपने चुनाव प्रचार को तेज कर रहे हैं। मंगलवार को उनकी टेक्सास के कॉर्पस क्रिस्टी और लुबॉक में रैलियां निर्धारित हैं जबकि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस मिशिगन के हॉवेल में चुनाव प्रचार करेंगे। ट्रंप लंबे समय से अमेरिकी चुनावों की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर सवाल उठाते रहे हैं। सोमवार की बातचीत के दौरान उन्होंने विदेशों में हुए चुनावों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ब्राजील में वोटों की गिनती 'ठीक नहीं दिखी'। वहीं इजरायल के चुनावों में दो उम्मीदवारों का समर्थन करने के अपने फैसले का भी उन्होंने बचाव किया। दूसरी ओर, डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं ने प्रशासन पर आरोप लगाया है कि वह चुनाव से पहले मतदाताओं को डराने के लिए कानून-प्रवर्तन एजेंसियों का इस्तेमाल कर रहा है। कई राज्यों के चुनाव अधिकारियों का कहना है कि गैर-नागरिकों की ओर से मतदान के मामले बेहद कम सामने आते हैं। तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों में हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट की एक-तिहाई सीटों का भविष्य तय होगा। देशभर में कई भारतीय-अमेरिकी उम्मीदवार भी इन चुनावों में मैदान में हैं।

सूडान में अकाल का खतरा, अमेरिका और उसके सहयोगियों ने जताई चिंता

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका, कनाडा समेत कई देशों ने सूडान में अकाल की चेतावनी जारी की है। देश के लगभग 2 करोड़ लोग पर्याप्त भोजन पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सभी ने देश के युद्धरत पक्षों से मांग की है कि वे उन सभी प्रतिबंधों को तुरंत हटाएं जो आम नागरिकों तक मानवीय सहायता पहुंचने में बाधा डाल रहे हैं। सोमवार को अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा जारी एक संयुक्त बयान में, उसके साझेदारों ने बताया कि सूडान की 41 प्रतिशत आबादी, यानी 1.95 करोड़ लोग, गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। इनमें से 50 लाख लोग आपातकालीन स्थितियों से जूझ रहे हैं। 23 अक्टूबर को जारी की गई इस चेतावनी का समर्थन यूरोपीय सरकारों, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय आयोग ने किया है। बयान पर हस्ताक्षर

करने वालों ने चेतावनी दी है कि अगर आने वाले महीनों में जरूरतमंद समुदायों तक अंतरराष्ट्रीय सहायता नहीं पहुंची, तो स्थिति और भी खराब हो सकती है। संयुक्त बयान में कहा गया, 'लोगों की जान बचाने और अकाल रोकने के लिए अब एक पल भी बर्बाद करने का समय नहीं है।' सरकारों ने चेतावनी दी है कि अगर हालात और बिगड़ते हैं, तो गंभीर कुपोषण से जूझ रहे बच्चों की संख्या अनुमानित 8,25,000 के आंकड़े को भी पार कर सकती है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे इलाकों की संख्या, जिसका शुरुआती अनुमान 14 था, दोगुनी हो सकती है। ये आंकड़े अंतरराष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा आकलन से लिए गए हैं, जिनका जिक्र बयान पर हस्ताक्षर करने वालों ने किया है। बयान में सूडान में चल रहे सशस्त्र संघर्ष को वहां के खाद्य संकट का मुख्य कारण बताया गया है। इसके कारण लाखों लोग विस्थापित हुए हैं, जरूरी बुनियादी ढांचा नष्ट हो गया है, और स्वास्थ्य सेवा, कृषि उत्पादन, खाद्य वितरण नेटवर्क तथा स्थानीय बाजारों पर बुरा असर पड़ा है। सरकारों ने कहा कि मानवीय सहायता पर लगी पाबंदियों और खराब मौसम के कारण स्थिति और भी गंभीर हो गई है। उन्होंने 'अल नीनो' प्रभावों का जिक्र किया, जिसके कारण देश के आधे से अधिक हिस्से में बारिश कम हुई है जिससे सूखे के हालात बने हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय साझेदारों ने सूडान के संघर्ष में शामिल पक्षों से अपील की है कि वे मानवीय संगठनों को अग्रिम मोर्चों और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार सुरक्षित रूप से काम करने की अनुमति दें।

ट्रंप प्रशासन का बड़ा फैसला, नॉर्दर्न मरियाना आइलैंड में चीनी पर्यटकों की वीजा-फ्री यात्रा सस्पेंड

वाशिंगटन , एजेंसी। ट्रंप प्रशासन एक ऐसे कार्यक्रम को निलंबित कर रहा है, जिसके तहत पहले से जांचे-परखे चीनी नागरिकों को बिना वीजा के नॉर्दर्न मारियाना आइलैंड्स जाने की अनुमति थी। प्रशासन ने इसके पीछे अमेरिकी सैन्य ठिकानों के पास जासूसी के जोखिम, गुआम की ओर अवैध यात्रा और 'बर्थ टूरिज्म' जैसे कारणों का हवाला दिया है। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के इस नोटिस पर होमलैंड सिक्योरिटी सचिव मार्कवेन मुलिन के हस्ताक्षर हैं। इसके मुताबिक, 'कॉमनवेल्थ ऑफ द नॉर्दर्न मारियाना आइलैंड्स' (सीएनएमआई) के 'इकोनॉमिक वाइटैलिटी एंड सिक्योरिटी ट्रैवल ऑथराइजेशन प्रोग्राम' (ईवीएस-टीएपी) को 30 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे (ईडीटी) से निलंबित कर दिया गया है।

यह नए आवेदकों और 'पहले से स्वीकृत उन यात्रियों, जिनके पास मौजूदा ईवीएस-टीएपी ट्रैवल ऑथराइजेशन है,' दोनों पर लागू होता है। इस कार्यक्रम के तहत पहले से ही सीएनएमआई में मौजूद चीनी नागरिक अपनी स्वीकृत अवधि तक वहां रह सकते हैं, लेकिन 'भविष्य की किसी भी यात्रा के लिए उन्हें वीजा लेना होगा। नोटिस में कहा गया है कि वित्तीय वर्ष 2025 में, '3,000 से अधिक पीआरसी (चीन) नागरिकों ने सीएनएमआई में प्रवेश करने के लिए ईवीएस-टीएपी का उपयोग किया'। इन यात्रियों की जांच 'विदेश विभाग के कांसुलर अधिकारी' के बजाय

'यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन' द्वारा की गई थी। नोटिस में कहा गया है कि 'डीएचएस का मानना है कि पीआरसी नागरिक ईवीएस-टीएपी का दुरुपयोग कर रहे हैं'। इसमें आगे कहा गया है कि बिना वीजा के प्रवेश करने वालों की इतनी बड़ी संख्या 'सुरक्षा और कानून प्रवर्तन के लिए अस्वीकार्य जोखिम' पैदा करती है। विभाग ने कहा कि इस कार्यक्रम का 'उपयोग पीआरसी की जासूसी और खुफिया जानकारी जुटाने के लिए किया जा सकता है, जो इस क्षेत्र में अमेरिका के संवेदनशील रक्षा बुनियादी ढांचे को निशाना बना सकता है'। इसमें बताया गया है कि रक्षा विभाग 'टिनियन एयर बेस' को फिर से तैयार कर रहा है, जबकि पास के गुआम में कई ऐसे सैन्य ठिकाने हैं जो 'अमेरिका की सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण' हैं। हालांकि ईवीएस-टीएपी के तहत चीनी आगंतुकों को सीएनएमआई से आगे जाने की अनुमति नहीं थी, लेकिन नोटिस में कहा गया है कि 'तस्करी वाले जहाजों पर सवार होकर सीएनएमआई से गुआम तक अवैध रूप से यात्रा करने की क्षमता है'। इसमें मार्च 2024 और फरवरी 2025 के दो मामलों का हवाला दिया गया है।

चुनाव से पहले एंटी-ट्रंप समूह का इंस्टाग्राम अकाउंट निलंबित होने पर विवाद, मेटा पर उठे सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में तीन नवंबर को होने वाले कांग्रेस चुनावों से ठीक पहले मेटा को विपक्षी नेताओं और राज्य के अटॉर्नी जनरल्स के सवालों का सामना करना पड़ रहा है। मामला एंटी-ट्रंप संगठन 'नो किंग्स कोएलिशन' के इंस्टाग्राम अकाउंट को अस्थायी रूप से निलंबित किए जाने से जुड़ा है। इससे राजनीतिक अभिव्यक्ति और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की भूमिका को लेकर नई बहस शुरू हो गई है। सोमवार को 14 राज्यों के अटॉर्नी जनरल्स के एक समूह ने मेटा से पूछा कि 17 अक्टूबर को देशभर में चल रहे विरोध प्रदर्शनों के दौरान 'नो किंग्स कोएलिशन' का इंस्टाग्राम अकाउंट क्यों बंद किया गया था और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कंपनी ने क्या कदम उठाए हैं। इससे पहले 22 अक्टूबर को पांच डेमोक्रेटिक सीनेटरों ने मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग को पत्र लिखकर कंपनी की स्वचालित कंटेंट मॉडरेशन प्रणाली के बारे में सवाल पूछे थे। उन्होंने चिंता जताई थी कि कहीं राजनीतिक संगठनों को गलती से निशाना तो नहीं बनाया जा रहा।

मेटा ने स्वीकार किया है कि अकाउंट का निलंबन एक गलती थी। कंपनी के अनुसार, अकाउंट पर अचानक बहुत ज्यादा गतिविधि होने लगी थी, जिसे उसके सिस्टम ने संदिग्ध या स्वचालित गतिविधि समझ लिया। 'नो किंग्स कोएलिशन' के अनुसार, 17 अक्टूबर को दोपहर करीब 1:30 बजे (ईस्टर्न टाइम) उनका इंस्टाग्राम अकाउंट बंद कर दिया गया था, जबकि उसी समय पूरे देश में प्रदर्शन चल रहे थे।

करीब 90 मिनट बाद अकाउंट फिर से सार्वजनिक रूप से दिखाई देने लगा, लेकिन उसके संचालक कई घंटों तक लॉग-इन नहीं कर पाए। पूरी तरह से पहुंच बहाल होने में चार घंटे से भी अधिक समय लगा। इस व्यवधान के कारण संगठन प्रदर्शन के दौरान अपने समर्थकों तक संदेश नहीं पहुंचा सका और जरूरी जानकारी साझा करने में उसे कठिनाई हुई। अटॉर्नी जनरल्स के अनुसार, मेटा ने बताया कि अकाउंट पर असामान्य रूप से बढ़ी गतिविधि उसके सिस्टम को बॉट्स (स्वचालित अकाउंट) जैसी लगी, इसलिए यह कार्रवाई हुई। हालांकि, ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है कि कंपनी ने समूह को उसकी राजनीतिक विचारधारा की वजह से जानबूझकर निशाना बनाया हो। कनेक्टिकट के अटॉर्नी जनरल विलियम टोंग ने इस गठबंधन का नेतृत्व किया। इसमें कैलिफोर्निया, मैरीलैंड, न्यूयॉर्क, मैसाचुसेट्स और वॉशिंगटन सहित कई राज्यों के अटॉर्नी जनरल शामिल थे। इन अधिकारियों ने मेटा से पूछा कि कंपनी को इस निलंबन की जानकारी कब मिली, यह फैसला कैसे लिया गया और अकाउंट को बहाल करने के लिए क्या कदम उठाए गए। उन्होंने यह भी जानकारी मांगी कि क्या इस प्रक्रिया में मानव समीक्षकों (ह्यूमन रिव्यूअर्स) की कोई भूमिका थी और क्या चुनाव से जुड़े अन्य वैध अकाउंट भी इसी तरह प्रभावित हुए थे। कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोंटा ने कहा कि सोशल मीडिया आज राजनीतिक संवाद का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा, 'कैलिफोर्निया के लाखों लोग संगठित होने, खबरें पढ़ने और आने वाले चुनावों से जुड़ी जानकारी पाने के लिए सोशल मीडिया पर निर्भर हैं।' बोंटा के अनुसार, यह निलंबन ऐसे समय हुआ जब 'नो किंग्स कोएलिशन' लोगों को अग्रिम मतदान (अर्ली वोटिंग) के लिए प्रेरित करने का अभियान चला रही थी। अटॉर्नी जनरल्स ने मेटा से 29 अक्टूबर तक जवाब देने को कहा है, जो कांग्रेस चुनावों से पांच दिन पहले की तारीख है। राज्य अधिकारियों की इस कार्रवाई से पहले डेमोक्रेटिक सीनेटर क्रिस वैन होलेन, रॉन वायडन, जेफ मर्कली, रिचर्ड ब्लूमेंथल और क्रिस मर्फी भी मेटा को पत्र लिख चुके थे।

जानकारी

सर्वाइकल के दर्द से छुटकारे के लिए योग बेहतर उपाय

रीढ़ की हड्डी के कमजोर होने के कारण गर्दन और कंधों में दर्द होता है, जिसे सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस की समस्या कहा जाता है। आम भाषा में लोग इसे सर्वाइकल का दर्द कहते हैं। सर्वाइकल की समस्या महिलाओं में अधिक पाई जाती है, क्योंकि ज्यादातर महिलाओं में कैल्शियम की कमी पाई जाती है, जिसके कारण हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। आमतौर पर ये समस्या उम्र बढ़ने पर हड्डियों में आने वाली कमजोरी सो होती है।

इन दिनों लोगों में सर्वाइकल की समस्या काफी बढ़ गई है, क्योंकि बैठने वाली जॉब के कारण लोगों की रीढ़ की हड्डी और गर्दन पर दबाव काफी बढ़ गया है। सर्वाइकल के दर्द के कारण व्यक्ति को बैठने, लेटने, सोने और रोजमर्रा के कामों में बहुत परेशानी होती है। भारत की बात करें तो एक मैगजीन में छपी एक खबर के मुताबिक 53 में से 1 भारतीय महिलाएं सर्वाइकल से पीड़ित हैं और लगभग 17 महिलाओं की इससे मौत हो जाती है। सर्वाइकल के दर्द से राहत पाने के लिए योगासन बहुत मददगार हो सकते हैं।

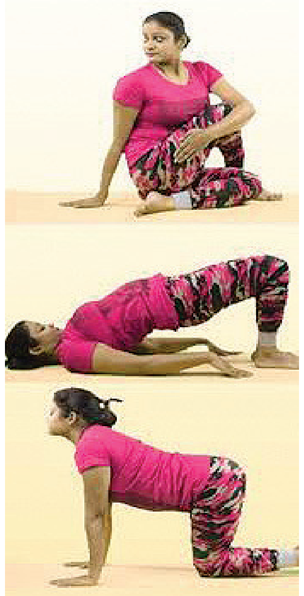

शरीर को फुर्तीला बनाने के लिए योग एक अच्छा विकल्प है। ऐसे ही कई बार जब हमें झुकना पड़ता है, तब हमारी पीठ और गर्दन में दर्द होने लगता है। इस दर्द का सिर्फ एक कारण है, वो है हमारी रीढ़ की हड्डी कमजोर और इसमें लचीलापन न होना। अगर हमारी रीढ़ की हड्डी में लचीलापन होगा तो हमारा शरीर अधिक सक्रिय होने लगेगा। इसलिए रीढ़ की हड्डी में लचीलापन होना आवश्यक है। अगर आप रीढ़ की हड्डी में लचीलापन लाना चाहते हैं तो आपको मर्जरासन करना चाहिए। रीढ़ की हड्डी में लचीलापन लाने के लिए मर्जरासन बेहद फायदेमंद है।

मर्जरासन करने का तरीका: मर्जरासन करने के लिए अपने घुटने जमीन पर टिका लें। इसके बाद अपने हाथों की मदद से नितंब को ऊपर की ओर उठा लें। इस अवस्था में गहरी सांस लें और अपनी क्षमतानुसार इस अवस्था में बने रहें। इस आसन के नियमित अभ्यास से आपकी रीढ़ की हड्डी लचीली हो जाएगी।

मर्जरासन के लाभ: मर्जरासन करने से पाचन क्रिया दुरुस्त होती है। इस आसन को करने से रीढ़ की हड्डी में लचीलापन आने लगता है। मर्जरासन कब्ज की समस्या का रामबाण इलाज है।

रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी से होता है एनीमिया, जानें इससे होने वाले नुकसान, लक्षण और बचाव। चूंकि देश में 55 प्रतिशत महिलाएं एनीमिया यानी रक्ताल्पता की समस्या से ग्रस्त हैं, जो उनकी सेहत के लिए बहुत नुकसानदेह है। क्यों होती है ऐसी समस्या और कैसे करें इससे बचाव, आइए जानते हैं।

रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी से होता है एनीमिया

जानें इससे होने वाले नुकसान, लक्षण और बचाव

अगर किसी महिला के रक्त में हीमोग्लोबिन का लेवल 12 और पुरुष में 13 ग्राम से कम हो, तो उसे एनीमिया से ग्रस्त माना जाता है। वैसे तो पुरुषों में भी एनीमिया के लक्षण पाए जाते हैं पर स्त्रियों को यह समस्या ज्यादा परेशान करती है। दरअसल मासिक चक्र के दौरान अधिक रक्तस्राव इसकी प्रमुख वजह है। इसके अलावा पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण अधिकतर स्त्रियां अपनी सेहत और खानपान पर ध्यान नहीं देतीं, जिसकी वजह से उनके शरीर में खून की कमी हो जाती है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जागरूकता के अभाव में आज भी कुछ लोग बेटियों के पोषण पर ध्यान नहीं देते, जिससे स्कूली छात्राओं के शरीर में खून की कमी हो जाती है। एनीमिया को अकसर लोग निर्धनता से जोड़कर देखते हैं, जबकि कई बार शहरों में रहने वाली शिक्षित स्त्रियां भी रक्ताल्पता से ग्रस्त होती हैं। एक सर्वे के मुतबिक, अगर बात करें तो भारत में 58.6 प्रतिशत बच्चे, 53.2 प्रतिशत गैर-गर्भवती महिलाएं और 50.4 प्रतिशत गर्भवती महिलाएं एनीमिक पाई गईं। भारत 50 वर्षों से एनीमिया नियंत्रण कार्यक्रम होने के बावजूद बीमारी का सबसे अधिक बोझ वहन करता है।

यह समस्या किसी स्त्री के जीवन को किस तरह प्रभावित करती है?

एनीमिया के कारण लड़कियों का शारीरिक और बौद्धिक विकास सही ढंग से नहीं हो पाता। इससे उनमें ध्यान केंद्रित करने की क्षमता कमजोर हो जाती है, जिसका परीक्षा के रिजल्ट पर बुरा असर पड़ता है। इसी वजह से जरूरतमंद वर्ग की लड़कियां हाई स्कूल में ही पढ़ाई अधूरी छोड़ देती हैं। जागरूकता के अभाव में अभिभावक और शिक्षक समस्या की असली वजह समझे बिना बच्चियों को मंदबुद्धि और पढ़ाई के मामले में लापरवाह समझने लगते हैं। शरीर में खून की कमी होने के कारण स्त्रियों के व्यवहार में चिड़चिड़ापन बढ़ जाता है।

गर्भावस्था के दौरान शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर कितना होना चाहिए?

प्रेग्नेंसी के दौरान स्त्री के यूट्रस और उसके आसपास हिस्सों का तेजी से वॉल्यूम एक्सपेंशन हो रहा होता है। इसके साथ ही गर्भस्थ शिशु को भी मां के शरीर से ही आहार मिलता है। इसीलिए प्रेग्नेंसी के तीसरे चरण में स्त्री के हीमोग्लोबिन के स्तर में 1-2 ग्राम की गिरावट आ जाती है। इसीलिए कंसीव करने से पहले स्त्री के शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर 12 ग्राम से अधिक होना चाहिए और सभी स्त्रियों को शादी के बाद हर तीन महीने के अंतराल पर सीबीसी यानी टोटल ब्लड काउंट टेस्ट जरूर करवाना चाहिए।

एनीमिया की वजह से गर्भावस्था में क्या दिक्कतें हो सकती हैं?

इससे मिसकैरेज की आशंका बढ़ जाती है। गर्भस्थ शिशु का ब्रेन सहित पूरे शरीर का विकास सही ढंग से नहीं हो पाता, प्रीमैच्योर डिलीवरी या जन्म के समय शिशु के मौत आशंका बढ़ जाती है।

शरीर को सही ढंग से आयरन का प्रदान करने के लिए क्या खाएं?

शरीर में आयरन का अवशोषण सही हो इसके लिए आयरन युक्त खाद्य पदार्थों के साथ संतरा, नींबू, चकोतरा और मौसमी जैसे फलों का सेवन करना चाहिए। आयरन के साथ कैल्शियम का इस्तेमाल न करें। इससे ये दोनों ही तत्व शरीर को पर्याप्त पोषण नहीं दे पाते। आयरनयुक्त फलों या सब्जियों के साथ किसी भी मिल्क प्रोडक्ट का सेवन नहीं करना चाहिए। फल या हरी पत्तेदार सब्जियां खाने के दो घंटे पहले या बाद में दूध-दही जैसे पदार्थों का सेवन किया जाए।

एनीमिया के लक्षणों की पहचान कैसे करें?

अकसर थकान, कमज़ोरी, आंखों के आगे अंधेरा छाना, चक्कर आना, निस्तेज त्वचा, हमेशा नींद आना, आंखों का भीतरी हिस्सा ज्यादा सफेद नज़र आना आदि। सामान्य स्वस्थ व्यक्ति की हथेलियों, तलवों और नाखूनों में हल्?का गुलाबीपन होता है लेकिन एनीमिया होने पर इन हिस्सों की रंगत बिलकुल सफेद पड़ जाती है।

एनीमिया से बचाव के लिए क्या करना चाहिए?

अपनी डाइट में केला, सेब, अनार, खजूर, गुड़, मूंगफली, बादाम, चना, गाजर, चुकंदर के अलावा हरी पत्तेदार सब्जियों को प्रमुखता से शामिल करें। हमेशा लोहे की कड़ाही में सब्ज़ियां पकाएं, इससे भोजन में आयरन की मात्रा बढ़ जाती है। हरी सब्जियों को काटने के बाद न धोएं, इससे उससे पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं।

डायबिटीज में आयरन कैसे प्राप्त करें?

ऐसी स्थिति में सीमित मात्रा में खट्टे फल अपनी डाइट में शामिल करें। खजूर व गुड़ न खाएं, लेकिन चना, राजमा, बादाम, मूंगफली, रागी के अलावा सभी हरी पत्तेदार सब्जियां आयरन और प्रोटीन से भरपूर होती हैं। इनका सेवन दोनों समस्याओं को नियंत्रित करता है।

इसका उपचार कैसे होता है?

ऐसी स्थिति में आमतौर पर डॉक्टर आयरन सप्लीमेंट लेने की सलाह देते हैं। गंभीर स्थिति में आईवी (इंट्रावेनस) मेडिसिन के जरिए भी आयरन का डोज दिया जाता है, जिससे हीमोग्लोबिन का स्तर सामान्य हो जाता है, लेकिन एक्सपर्ट की सलाह के बगैर आयरन सप्लीमेंट का सेवन न करें।

सेहत

स्ट्रांग दिखाने के चक्कर में डिप्रेशन में आ रहे लड़के

एक आम जुमला है कि मर्द को दर्द नहीं होता। 1985 में अमिताभ बच्चन की फिल्म 'मर्द' से यह डायलॉग ज्यादा लोकप्रिय हुआ। समाज में पुरुषों की ऐसी छवि गढ़ी गई है कि मर्द रोता नहीं, क्योंकि रोना तो लड़कियों का काम है। अपने आपको 'मर्द' साबित करने के चक्कर में पूरी दुनिया में पुरुष खुद को इस छवि से बाहर नहीं निकाल पा रहे हैं और भयानक अवसाद के शिकार हैं। शारीरिक रूप से मजबूत दिखने के लिए स्टेरायड लेने की प्रवृत्ति भी युवा लड़कों में बढ़ी है। ऐसे पुरुषों को विश्व स्वास्थ्य संगठन की दो टूक सलाह है - रो लेंगे तो अच्छे से जी लेंगे।

देश में 26 फीसदी पुरुष खुदकुशी करते हैं, जबकि महिलाएं 16.4 प्रतिशत

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मानसिक स्वास्थ्य पर एक रिपोर्ट जारी की। इसके हिसाब से भारत में हर दस हजार लोगों में से 25.8 प्रतिशत यानी 2580 पुरुष आत्महत्या करते हैं। इनका आयु वर्ग 15 से 29 साल है। प्रति 10 हजार में महिलाओं के खुदकुशी करने का प्रतिशत 16.4 है। इस रिपोर्ट में भारत को ऐसे देशों की श्रेणी में 22वां स्थान दिया गया है, जहां पुरुष अन्य के मुकाबले ज्यादा आत्महत्या करते हैं।

दुनिया में भी जान देने वालों में पुरुष अधिक : विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, हर 40 सेकंड में एक आत्महत्या होती है। पूरी दुनिया में हर साल 8 लाख लोग आत्महत्या करते हैं, जिसमें पुरुषों की संख्या महिलाओं से अधिक है।

भावनाएं जाहिर नहीं करने से कई तरह के मर्ज : भावनाएं साझा न करने से पुरुषों में मानसिक अवसाद, सीजोफ्रेनिया, डिमेंशिया, अति सक्रियता जैसी बीमारियां हो जाती हैं। नई दिल्ली के इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एंड एप्लाइड साइंसेज (इहबास) ने अध्ययन में पाया कि सीजोफ्रेनिया के 25 प्रतिशत मरीजों के खुदखुशी कर लेने का खतरा होता है।

बेरोजगारी बढ़ने पर ज्यादा खुदकुशी : ब्रिटेन में पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य पर काम कर रही संस्था सीएएलएम का कहना है कि पुरुषों में बेरोजगारी बढ़ने पर आत्महत्या दर बढ़ती है। इस संस्था ने 2015 में किए अध्ययन में पाया कि हर एक प्रतिशत बेरोजगारी दर बढ़ने पर आत्महत्या करने की दर में 0.79 प्रतिशत वृद्धि होती है। अमेरिकी जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ कहता है कि खुदकुशी के लिए पुरुष बंदूक और फांसी जैसे तरीके अपनाते हैं,वहीं महिलाएं जहर खाने, नस काटने या नदी में डूबने जैसे तरीके अपनाती हैं।

क्या कहता है अध्ययन

एक अध्ययन में माना गया है कि दुनियाभर का पितृसत्तात्मक समाज लड़कों या पुरुषों को 'मजबूत' बनाने के लिए अनुकूलित करता है। बचपन से ही लड़कों को यह बताया जाता है कि उन्हें लड़कियों की तरह रोना नहीं है, इतना ही नहीं उन्हें अपने संघर्ष और दुख जाहिर नहीं करने हैं। जेंडर अध्ययन कहता है कि महिला और पुरुष को खास तरीके में ढालने की सामाजिक संरचना के कारण ही पुरुष आज मानसिक अवसाद में हैं।

महिलाएं 64 तो पुरुष मात्र 17 बार रोये

हॉलैंड के टिलबर्ग विश्वविद्यालय ने 37 देशों के पांच हजार लोगों के भावनात्मक रवैए पर अध्ययन किया। पाया गया कि सालभर में महिला 30 से 64 बार रोईं, जबकि पुरुषों के रोने के अवसर 6 से 17 ही थे। इसके साथ ही पुरुषों के रोने की अवधि और आंसुओं की मात्रा भी महिलाओं से कम थी। शोध में निष्कर्ष निकला कि पुरुषों के रोने की आदत देशों के सामाजिक-आर्थिक पालन पोषण के तरीकों पर निर्भर थीं। यह भी पाया गया कि अमीर देशों में पुरुष खुलकर रोते हैं।

भारत, आस्ट्रेलिया और ब्रिटेन ने उठाए विशेष कदम

- **भारत में 2017 में पहला कानून बना:** मानसिक अवसाद की स्थिति की गंभीरता को देखते हुए 2017 में भारत सरकार ने मानसिक स्वास्थ्य कानून लागू किया। अभी इस ओर और अधिक जागरूकता लाए जाने की जरूरत है।
- **ऑस्ट्रेलिया में विशेष सहायता केंद्र:** यहां हर दस हजार में 12.6 फीसदी पुरुष आत्महत्या कर रहे थे। इसके समाधान के लिए यहां आर यू ओके प्रोग्राम चलाया गया। इसके लिए अवसाद ग्रस्त पुरुषों की काउंसलिंग के लिए 24 घंटे क्राइसिस सेंटर खुले।
- **ब्रिटेन ने आत्महत्या रोधी मंत्रालय खोला :** 2018 में ब्रिटेन ने आत्महत्या के मामलों की गंभीरता को देखते हुए देश में आत्महत्या रोधी मंत्री नियुक्त किया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-3-5-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। स्वास्थ्य नरम होगा। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-6-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-1-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। कर्ज देने से बचें। शुभांक-4-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। एकाकी वृत्ति त्यागें। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। धार्मिक यात्रा का योग। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-4-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 2661

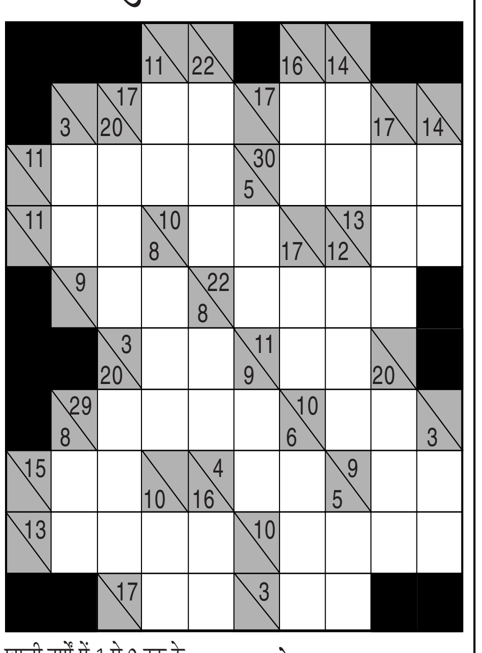

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

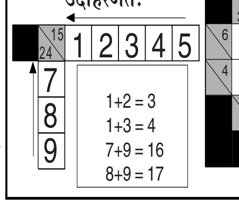

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2660 का हल

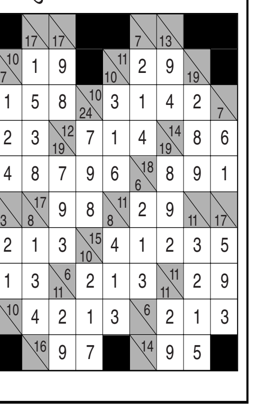

हंसी के फूव्वारें

'यार, एक बात समझ में नहीं आई,तुमने अपनी फर्म के लिए विकलॉंग खजांची का चुनाव क्यों किया?' पहले मित्र ने जानना चाहा.

'ताकि फरार होने पर वह जल्द से जल्द पकड़ा जा सके.'दूसरे मित्र ने कारण बताया.

□ □ □

द्वार पर बहुत देर तक दस्तक पड़ने के कारण पति महोदय की नींद खुली,तो पत्नी को जगाते हुए बोली,'सुनती हो, बहुत देर से कोई हमारे द्वार पर दस्तक दे रहा है.'

'ओह ! तो तुम घर पर ही हो.' पत्नी उनींदे स्वर में बोली,'मैं तो यह सोचकर निश्चित थी कि द्वार पर तुम खड़े चिल्ला रहे हो.'

□ □ □

'मेरी घरवाली मेरे सिवा किसी और मर्द की ओर देखना तक पसंद नहीं करती.' पहले दोस्त ने बताया.

'पर यह बात आपको कैसे मालूम हुई ?'दूसरे दोस्त ने जानना चाहा.

'ऐसे कि कल जब मेरी घरवाली का एक परिचित घर आया, तो वह उसे देखती ही बोली, दफा हो जाओ मेरी नजरों से हमेशा के लिए. अब मैं तुम्हारा चेहरा तक देखना पसंद नहीं करती.' पहला मित्र बोला.

फिल्म वर्ग पहेली- 2661

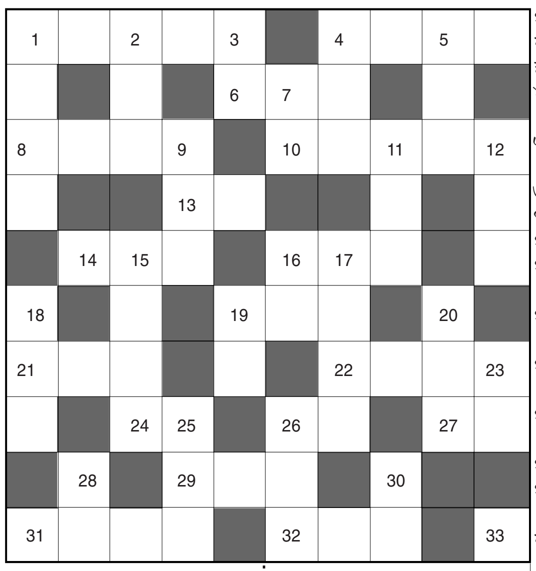

बायें से दायें:-

१. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ऐ मेरी आँखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
६. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
८. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
१०. जीतेंद्र, आदित्य, संगीता की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता की फिल्म-३
१६. शाहरूख, पूजा भट्ट, रम्या की फिल्म-३
१९. विवाह से पूर्व टीना अंबानी का सरनेम क्या था-३
२१. अमोल, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'सरकाय लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२६. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल की तू' गीतवाली फिल्म-२
२९. 'मैं लव तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके ब्रजबाला' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ ऐसी कोई बात' गीत वाली फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरो गाम काथा पारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-२
४. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'रूठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
५. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-२
९. 'मेरे चेहरे पे' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१२. अमोल, राखी की 'जो राह चुनी तूने राही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुशांत, रंजना, गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार कर इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, अमीषा की फिल्म-४
१८. अक्षय कमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लल्ला लल्ला लोरी दूध की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेई, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सस्पेंस फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2660

क्या	क	ह	ना		जं	ग		मि	
	सू		रा	जा	जी		हे	ल	न
अ	र	बा	ज		र	ह	मा	न	
भि		गी		अ		व			चा
मा	ला		दे	व		स	सु	रा	ल
न		डॉ		ता	ल		हा		बा
	जा	न	व	र		र	ग	बा	ज
दि	ल		र		गैं	ग		जी	
ल		अं	दा	ज			सं	ग	म
गी	त		न		कां	टे		र	

सूडोकु -2661

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2660 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

शब्द पहेली - 2661

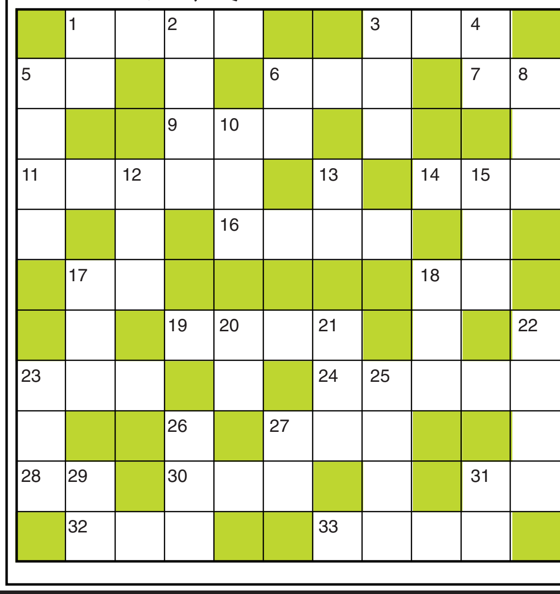

बाएँ से दाएँ

1.असभ्यता,मूर्खता-4
3.निर्भय,बहादुर-3
5.प्याला-2
6.सहारा,शरण-3
7.मां का भाई-2
9.साठ वर्ष की अवधि-3
11.परतंत्रता,गुलामी-5
14.दानव,दैत्य-3
16.लूटपाट-4
17.वाद्य यंत्र-2
18.परछाई,छाया-2
19.आदत,स्वभाव(उर्दू-4)
23.जंगल,वन-3
24.सेंधमार-5
27.गजल लिखने वाला-3
28.मोटा आटा,सूजी-2
30.गुलिस्तां,बाग-3
31.एक ग्रह,शनिश्चर-2
32.दबाना,कुचलना-3
33.रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे

1.मंत्रों का पाठ-2
2.उद्देश्यहीन-4
3.अनूठा,अनोखा-3
4.लक्ष्मी,कमला-2
5.खीजना,रोना-4
6.एक पौधा,अकुवा, आकड़ा-2
8.दक्ष,होशियार-3
10.जमीकंद,एक सब्जी-3
12.धैर्य,संयम-3
13.अस्थमा-2
15.एक गायिका-3
17.वर्षा ऋतु-3
18.महोदय-3
20.पैंदा,तला-2
21.पुत्र,बेटा-3
22.अवमानना-4
23.नास्तिक (उर्दू-3)
25.करामात-4
26.प्रतिज्ञा-3
27.ठाठ-बाट-2
29.अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31.तीर,बाण-2

शब्द पहेली -2660 का हल

	अ	स	ह	यो	ग		अ	दा	व	त
र	क्स		रा		ग	रु	ड़		न	र
ख		स	ना	त	न		ना	म		क
र	फ्ता	र			चुं	गी		त	म	स
खा		मा		चा	बी		सी		ही	
व	ल	या	का	र		प	रा	या	प	न
	क		या		का	ल		द		क
द	वा	त		भ	ला			गा	य	ब
र		र	ज		बा	जी	ग	र		ज
क	र		ल	ह	जा		र्ज		खा	न
ना	जा	य	ज		र	घु	ना	य	क	

संक्षिप्त डायरी

दुबई से लौटते ही स्मैक तस्करी में जुटा आकिब, मुर्गा फार्म हाउस में छिपा रखी थी 3 करोड़ की खेप

एजेंसी

पटना 3 करोड़ की स्मैक के साथ मुर्गा फार्म हाउस से एक तस्कर गिरफ्तार. पुलिस विदेशी संपर्कों और तस्करी के नेटवर्क की जांच कर रही है. जानिए पूरी कहानी. पटना. फुलवारीशरीफ में स्मैक तस्करी के आरोप में गिरफ्तार आकिब खान से पूछताछ में पुलिस को नशे के कारोबार से जुड़े कई अहम सुराग मिले हैं. पुलिस के अनुसार, गिरोह दूसरे राज्यों से स्मैक की खेप लाकर पटना में कॉलेजों, लॉज और होटलों के आसपास खपाता था. पुलिस की नजरों से बचने के लिए आकिब ने ग्यास नगर में लीज पर मुर्गा फार्म हाउस ले रखा था, जहां स्मैक छिपाकर रखी जाती थी. आकिब काम के सिलसिले में दुबई भी जा चुका है और इसी साल भारत लौटा है. अब पुलिस उसके विदेशी संपर्कों और तस्करी के नेटवर्क की जांच कर रही है. वहीं, फरार साथी और गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है. मुर्गा फार्म हाउस से 1.776 किलो स्मैक बरामद एसपी सेंट्रल चंद्र प्रकाश ने बताया कि 26 अक्टूबर को पुलिस को सूचना मिली थी कि फुलवारीशरीफ की मिल्लत कॉलोनी में कुछ लोग स्मैक की तस्करी कर रहे हैं. इसके बाद एसडीपीओ फुलवारीशरीफ-1 के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापेमारी कर नया पठान टोली निवासी आकिब खान उर्फ मोहम्मद साकिब खान को गिरफ्तार किया. आरोपित की निशानदेही पर ग्यास नगर स्थित मुर्गा फार्म हाउस की तलाशी ली गयी. वहां से 1.776 किलोग्राम स्मैक, एक देसी पिस्टल, दो मैगजीन, दो एयर गन और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया. पुलिस के अनुसार, बरामद स्मैक की कीमत करीब दो से तीन करोड़ रुपये आंकी गयी है. हालांकि, छापेमारी के दौरान उसका एक साथी फरार हो गया. दो साल से चल रहा था नशे का कारोबार पुलिस की छानबीन में सामने आया है कि गिरोह करीब दो साल से स्मैक की तस्करी कर रहा था. तस्कर ट्रेन और निजी वाहनों से पश्चिम भारत के राज्यों से स्मैक की खेप पटना लाते थे. इसके बाद स्मैक की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर कॉलेजों, लॉज और होटलों के आसपास बेची जाती थी. पुलिस के अनुसार, आकिब के फरार साथी के खिलाफ तस्करी समेत अन्य मामलों में पहले से पांच केस दर्ज हैं. पुलिस अब गिरोह के दूसरे सदस्यों की पहचान करने और नशे के कारोबार से जुड़े अन्य ठिकानों का पता लगाने में जुटी है. दुबई में संपर्कों की भी होगी जांच आकिब काम के सिलसिले में दुबई जा चुका है और इसी साल भारत लौटा है. पुलिस उसके मोबाइल फोन की जांच कर रही है, ताकि तस्करी के नेटवर्क और उसके संपर्कों के बारे में जानकारी मिल सके. जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि दुबई में रहने के दौरान उसके संपर्क में कौन-कौन लोग आये थे और क्या इन संपर्कों का नशे के कारोबार से कोई संबंध है. इसके अलावा पुलिस बरामद देसी पिस्टल और मैगजीन के स्रोत का पता लगा रही है. एयर गन रखने के उद्देश्य की भी जांच की जा रही है. फरार आरोपित और गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है

मसौढ़ी में दो फ्लैटों में चोरी, एक से 2 लाख नकद समेत 40 लाख के जेवरात ले उड

एजेंसी

पटना मसौढ़ी में दिनदहाड़े हुई चोरी की घटना ने सनसनी फैला दी है. चोरों ने दो फ्लैटों के ताले तोड़कर लाखों के जेवर और नकदी पर हाथ साफ कर दिया. मसौढ़ी. नगर के अनुमंडल अस्पताल रोड स्थित आदर्शनगर में मंगलवार की दोपहर चोरों ने दिनदहाड़े एक मकान के दो फ्लैटों का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया. एक फ्लैट से 2.11 लाख रुपये नकद और करीब 40 लाख रुपये के जेवरात चोरी होने की बात सामने आयी है. वहीं, इसी मकान में स्थित दूसरे फ्लैट का ताला भी टूटा मिला. वहां से एक कान की बाली चोरी होने की सूचना है. दिनदहाड़े हुई इस वारदात से इलाके में हड़कंप मच गया. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया. किरायेदार के फोन से मिली चोरी की जानकारी जानकारी के अनुसार, धनरूआ प्रखंड के दमड़ीचक गांव निवासी स्वर्गीय भोला सिंह के पुत्र अजीत कुमार का मकान मसौढ़ी कोर्ट हॉल्ट के सामने स्थित है. मंगलवार को वह अपने गांव दमड़ीचक गये हुए थे. इसी दौरान दोपहर करीब एक बजे उनके किरायेदार ने फोन कर फ्लैट का ताला टूटे होने की सूचना दी. सूचना मिलते ही अजीत कुमार मकान पर पहुंचे. अंदर जाने पर उन्होंने देखा कि घर का सामान बिखरा पड़ा था और गोदरेज तथा अलमारियां टूटी हुई थीं. उनके अनुसार, बदमाश घर से 2.11 लाख रुपये नकद और करीब 40 लाख रुपये के जेवरात चोरी कर ले गये. इसके बाद उन्होंने पुलिस को घटना की जानकारी दी. होमगार्ड जवान के फ्लैट का भी ताला टूटा इसी मकान में होमगार्ड जवान पूनम कुमारी का भी फ्लैट है. वह मसौढ़ी कोर्ट के हाजत में ड्यूटी करती हैं. चोरों ने उनके फ्लैट का ताला भी तोड़ दिया था. पूनम कुमारी की ओर से वहां से एक कान की बाली चोरी होने की सूचना दी गयी है. एक ही मकान के दो फ्लैटों को निशाना बनाये जाने से स्थानीय लोगों में दहशत है. एसडीपीओ पहुंचे, एफएसएल टीम ने जुटाये साक्ष्य घटना की सूचना मिलने पर एसडीपीओ राघव दयाल, सब इंस्पेक्टर मुकेश कुमार और पुलिस बल मौके पर पहुंचे. पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर छानबीन शुरू की. मामले की वैज्ञानिक जांच के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया, जिसने मौके से साक्ष्य जुटाये. एसडीपीओ राघव दयाल ने बताया कि चोरी की घटना की जांच की जा रही है. पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वारदात में कौन-कौन शामिल थे और चोर किस रास्ते से आये तथा फरार हुए.

पुटा चुनाव में सात पदों के सभी 34 उम्मीदवार वैध, एक प्रत्याशी का नामांकन रद्द, जानें वजह

एजेंसी

पटना पुटा चुनाव के लिए 34 उम्मीदवारों के दस्तावेज वैध पाए गए. अध्यक्ष पद के लिए 4, उपाध्यक्ष 6, महासचिव 6 और संयुक्त सचिव के लिए 12 उम्मीदवार मैदान में हैं. जानें कौन-कौन हैं प्रमुख दावेदार. पटना विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (पुटा) चुनाव के लिए मंगलवार को नामांकन पत्रों और संबंधित दस्तावेजों की जांच की गई. स्क्रूटनी में पदाधिकारी के सात पदों के लिए नामांकन करने वाले सभी 34 उम्मीदवारों के दस्तावेज वैध पाए गए. इसके बाद इन पदों के उम्मीदवारों की उम्मीदवारी पर मुहर लग गई है. एग्जिक्यूटिव मेंबर के लिए एक उम्मीदवार का पर्चा रद्द एग्जिक्यूटिव मेंबर के 19 पदों के लिए कुल 24 उम्मीदवारों ने नामांकन किया था. जांच के दौरान पटना साइंस कॉलेज यूनिट से उम्मीदवार दिनेश कुमार के दस्तावेज अवैध पाए गए. उनके प्रस्तावक और सह-प्रस्तावक दोनों दूसरे यूनिट के थे. इसी आधार पर उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी गई. अब एग्जिक्यूटिव मेंबर के 19 पदों के लिए 23 उम्मीदवार मैदान में रहेंगे. अध्यक्ष पद के लिए चार उम्मीदवार मैदान में पुटा चुनाव में अध्यक्ष के एक पद के लिए चार उम्मीदवारों ने नामांकन किया है. इनमें डॉ शंकर कुमार, डॉ शिवसागर प्रसाद, डॉ सुप्रिया कृष्णन और डॉ कुमार सत्येंद्र यादव शामिल हैं. अध्यक्ष पद के लिए इन उम्मीदवारों के बीच मुकाबला होगा. किया है. इनमें डॉ सुप्रिया कृष्णन, डॉ अर्चना जायसवाल, डॉ हरिष दास, डॉ सलिम जावेद, डॉ बीरेंद्र कुमार पासवान और डॉ सुपन प्रसाद सिंह शामिल हैं. महासचिव पद के लिए भी छह उम्मीदवार महासचिव के एक पद के लिए छह उम्मीदवारों ने दावेदारी पेश की है. इनमें डॉ बीरेंद्र कुमार पासवान, डॉ दीप नारायण, डॉ आशुतोष कुमार, डॉ कुमार सत्येंद्र यादव, डॉ आशुतोष पांडेय और डॉ शेखर शामिल हैं. संयुक्त सचिव के दो पदों के लिए 12 उम्मीदवार संयुक्त सचिव के दो पदों के लिए सबसे अधिक 12 उम्मीदवारों ने नामांकन किया है. वहीं, एग्जिक्यूटिव मेंबर के 19 पदों के लिए 23 उम्मीदवार चुनाव मैदान में रहेंगे. इन पदों पर उम्मीदवारों की संख्या को देखते हुए चुनावी मुकाबला दिलचस्प होने की संभावना है. बुधवार तक नाम वापस ले सकेंगे उम्मीदवार पुटा के मुख्य चुनाव पदाधिकारी प्रो. एनके झा ने बताया कि उम्मीदवार बुधवार तक अपना नाम वापस ले सकते हैं. नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनाव मैदान में बचे उम्मीदवारों की अंतिम स्थिति स्पष्ट होगी.

31 अक्तूबर तक कहां-कहां आंधी-बारिश का अलर्ट, पटना में कब-कैसा रहेगा मौसम

एजेंसी

पटना। बिहार में अगले चार दिनों तक मौसम का मिजाज बदला रह सकता है। मौसम विभाग ने आज से ही कई जिलों में बारिश की संभावना जताई है। कई जिलों में तेज हवा, मेघगर्जन और वज्रपात का अलर्ट जारी किया गया है। अधिकतम तापमान दो से चार डिग्री तक गिर सकता है। जानिए पटना समेत किस जिले में 31 नवंबर तक कैसा रहेगा मौसम? बिहार में चक्रवाती तूफान ह्यअर्नबह्ल के प्रभाव से आज से मौसम बदलने वाला है। सुबह से कई जिलों में धूप-छांव का खेल जारी है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 28 अक्तूबर से एक नवंबर तक राज्य में बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी। इस दौरान अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश, जबकि कुछ जगहों पर भारी से अति भारी बारिश हो सकती है। कई जिलों में मेघगर्जन, वज्रपात और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवा चलने की आशंका है। मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। आज पटना समेत किन जिलों में बारिश का अलर्ट? मौसम विभाग के अनुसार, 28 अक्तूबर को पटना, जहानाबाद, गया, नालंदा, नवादा, शेखपुरा, बेगूसराय, लखीसराय, जमुई, मुंगेर, खगड़िया, बांका और भागलपुर में तेज हवा के साथ बारिश होने की संभावना है। इन जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। लोगों को खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। 29 अक्टूबर को किन जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट 29 अक्तूबर को राज्य के सभी हिस्सों में बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, अरवल, भोजपुर और बक्सर में आंधी, बारिश और वज्रपात को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, पटना, जहानाबाद, गया, नालंदा, नवादा, शेखपुरा, लखीसराय, जमुई, बांका, मुंगेर, भागलपुर, कटिहार, पूर्णिया, अररिया, किशनगंज, मधेपुरा, सहरसा, सुपौल, बेगूसराय, दरभंगा, मधुबनी, वैशाली, सारण, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, शिवहर, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज और सिवान में बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। 30 और 31 अक्तूबर को कैसा रहेगा मौसम मौसम विभाग के अनुसार, 30 और 31 अक्तूबर को भी पटना समेत बिहार के कई जिलों में बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। इस दौरान राज्य के कई हिस्सों में बारिश, मेघगर्जन और वज्रपात हो सकता है। लगातार बारिश के कारण निचले इलाकों में जलजमाव और सड़कों पर पानी भरने की आशंका है। इससे यातायात और परिवहन व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। तेज हवा से कमजोर और असुरक्षित संरचनाओं को नुकसान पहुंचने की भी आशंका है। मौसम विभाग ने किसानों को क्या चेतावनी दी? मौसम विभाग ने किसानों को चेतावनी दी है कि भारी बारिश और तेज हवा से खड़ी फसलों, बागानों और फलोद्यानों को नुकसान हो सकता है। केले, पपीते, सहजन और आम जैसे पेड़ों पर भी इसका असर पड़ने की आशंका है। किसानों को अपनी फसलों और बागानों की सुरक्षा के लिए जरूरी सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। चक्रवाती तूफान ह्यअर्नब' को लेकर अलर्ट, 28 से 31 तक बारिश-वज्रपात की चेतावनी, प्रशासन की एडवाइजरी जारी अगले तीन दिनों में कितना गिरेगा तापमान? मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान बिहार में मौसम शुष्क रहा। राज्य में अधिकतम तापमान 29.8 से 35.4 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। सुपौल और भभुआ (कैमूर) में सर्वाधिक 35.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। वहीं, किशनगंज के अर्राबरी में न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री सेल्सियस रहा। अगले दो दिनों तक अधिकतम तापमान में विशेष बदलाव की संभावना नहीं है। इसके बाद अगले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है। अगले पांच दिनों तक न्यूनतम तापमान में विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय है चक्रवाती तूफान मौसम विभाग के मुताबिक, अति प्रचंड चक्रवाती तूफान ह्यअर्नबह्ल 27 अक्टूबर की सुबह पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में सक्रिय था। यह विशाखापत्तनम से लगभग 220 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व और काकीनाडा से 240 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व में स्थित था। इसके 28 अक्टूबर की पूर्वाह्न तक बापटला और विशाखापत्तनम के बीच यानम के निकट आंध्र प्रदेश के तट को पार करने की संभावना जताई गई थी। इस दौरान हवा की अधिकतम निरंतर गति 125 से 135 किलोमीटर प्रति घंटे और झोंकों की गति 150 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान था। मौसम विभाग ने आम लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है

सरकारी स्कूलों के अतिथि शिक्षकों को अनुभव का लाभ नहीं मिलेगा, पटना हाईकोर्ट का अहम फैसला

एजेंसी

पटना। पटना हाईकोर्ट ने बिहार के सरकारी स्कूलों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों को स्थायी शिक्षक भर्ती में अनुभव के आधार पर अतिरिक्त अंक देने की मांग खारिज कर दी। न्यायमूर्ति हरीश कुमार की एकलपीठ ने स्पष्ट किया कि सभी अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम अर्हता अंक प्राप्त करना अनिवार्य है और भर्ती नियमों में छूट नहीं दी जा सकती। पटना उच्च न्यायालय ने राज्य के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों को स्थायी शिक्षक भर्ती में अनुभव के आधार पर अतिरिक्त अंक देने की मांग पूरी तरह खारिज कर दी है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया में न्यूनतम अर्हता अंक प्राप्त करना सभी अभ्यर्थियों के लिए अनिवार्य है। अनुभव का लाभ लेने से पहले अभ्यर्थियों को अपनी विषयगत योग्यता साबित करनी होगी। भर्ती प्रक्रिया में वेटेज देने से इन्कार न्यायाधीश हरीश कुमार की एकलपीठ ने अभिषेक कुमार सिंह तथा 29 अन्य अभ्यर्थियों की ओर से दायर रिट याचिका पर सुनवाई के उपरांत यह निर्णय सुनाया। याचियों ने विज्ञापन संख्या 22/2024 के तहत आयोजित शिक्षक भर्ती में प्रत्येक कार्य वर्ष के लिए पांच अंक और अधिकतम 25 अंक तक अनुभव वेटेज देने का अनुरोध किया था। याचियों की दलील थी कि वे बिहार के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में विभिन्न विषयों के अतिथि शिक्षक के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। अभ्यर्थियों का कहना था कि अनुभव के अंक जुड़ने से वे तय कटऑफ से अधिक अंक प्राप्त करके चयन सूची में स्थान पा सकते थे। न्यूनतम अर्हता अंक हासिल करना अनिवार्य मामले की सुनवाई के दौरान बिहार लोक सेवा आयोग ने अपना पक्ष रखते हुए स्पष्ट किया कि भर्ती विज्ञापन की कंडिका 4 में न्यूनतम अर्हता अंकों की शर्त पूरी तरह साफ है। आयोग ने अपने तर्क के समर्थन में कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के 6 जुलाई 2007 के संकल्प संख्या 2374 तथा 1 अक्तूबर 2008 के पत्र संख्या 6706 का संदर्भ दिया। आयोग का कहना था कि किसी भी अभ्यर्थी के लिए भर्ती परीक्षा में आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम उत्तीर्ण अंक हासिल करना वैधानिक रूप से अनिवार्य है। इस शर्त में किसी भी प्रकार की छूट देना भर्ती नियमों के सर्वथा प्रतिकूल होगा।

ई-चालान न भरने पर बिहार में गाड़ियां होंगी ब्लैकलिस्ट, रुकेंगी ऑनलाइन सेवाएं

एजेंसी

पटना। बिहार में बकाया ई-चालान का भुगतान नहीं करने वाले वाहन मालिकों पर परिवहन विभाग सख्ती करेगा। ऐसे वाहनों को पोर्टल पर ब्लैकलिस्ट कर नवीनीकरण, फिटनेस, प्रदूषण प्रमाण-पत्र और स्वामित्व हस्तांतरण जैसी सेवाएं रोकी जा सकती हैं। बार-बार नियम तोड़ने वालों के लाइसेंस पर कार्रवाई और जांच के दौरान वाहन जब्ती का भी प्रावधान है। यातायात नियमों के उल्लंघन पर जारी होने वाले ई-चालान का समय पर भुगतान न करने वाले वाहन स्वामियों के खिलाफ बिहार परिवहन विभाग अब कड़ा रुख अपनाने जा रहा है। बकाया जुमार्ना न भरने वाली गाड़ियों को परिवहन विभाग के पोर्टल पर ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा और उनकी सभी ऑनलाइन सेवाएं रोक दी जाएंगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जब तक लंबित जुमार्ने का पूरा भुगतान नहीं होगा, तब तक वाहनों से संबंधित किसी भी प्रशासनिक या ऑनलाइन प्रक्रिया की अनुमति नहीं दी जाएगी। ऑनलाइन सेवाओं पर लगेगी पूर्ण रोक सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित हालिया आदेश के बाद राज्य परिवहन आयुक्त आरिफ अहसन ने इस संबंध में सभी क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार के सचिवों और जिला परिवहन अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। विभागीय निदेशों के अनुसार, बकाया यातायात जुमार्ने की राशि रखने वाले वाहनों के निबंधन प्रमाण-पत्र के नवीकरण, निबंधन प्रमाण-पत्र की द्वितीयक प्रति जारी करने और वाहन स्वामी के पत्राचार पते में बदलाव जैसी सेवाओं को पूरी तरह रोक दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, बकाया जुमार्ने का पूर्ण भुगतान होने तक वाहन का अद्यतन दुरुस्ती प्रमाण-पत्र अर्थात फिटनेस प्रमाण-पत्र और प्रदूषण प्रमाण-पत्र भी निर्गत नहीं किया जाएगा। लाइसेंस निलंबन और वाहन जब्ती का प्रावधान परिवहन विभाग ने लंबित जुमार्ने वाले वाहनों को पोर्टल पर ब्लैकलिस्ट करने के साथ-साथ उनके स्वामित्व हस्तांतरण की प्रक्रिया पर भी रोक लगाने का निर्देश दिया है। इससे बकाया राशि का भुगतान किए बिना वाहन की खरीद-बिक्री या हस्तांतरण संभव नहीं हो सकेगा। बार-बार नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों पर शिकंजा कसते हुए उनके ड्राइविंग लाइसेंस के नवीकरण पर रोक लगाने तथा नियमानुसार लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा सड़कों पर वाहनों की रैंडम जांच की जाएगी। जांच के दौरान यदि किसी वाहन पर ई-चालान का भुगतान लंबित मिलता है, तो अधिकारी उस वाहन को मौके पर जब्त करने की कार्रवाई करेंगे।

लोकतंत्र बचाने के लिए सड़क पर उतरे भाजपा नेता, सीएम सम्राट ने संभाला मोर्चा

एजेंसी

पटना। राजधानी पटना में भाजपा ने विपक्ष के खिलाफ मोर्चा खोला है। ह्यलोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओह्ल अभियान के तहत निकाली जा रही पदयात्रा में सीएम सम्राट चौधरी शामिल हुए। भाजपा ने विपक्ष पर अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। पटना में भाजपा की ओर से बुधवार को ह्यलोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओह्ल अभियान के तहत पदयात्रा निकाली जा रही है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे हैं। पदयात्रा शुरू होने से पहले वह मंच से पार्टी कार्यकताओं को संबोधित कर रहे हैं। कार्यक्रम के लिए गांधी मैदान स्थित कारगिल चौक पर कार्यकताओं का जुटना शुरू हो गया है। पदयात्रा कारगिल चौक से शुरू होकर मौर्या होटल के पास स्थित लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा तक जाएगी। भाजपा ने इस आयोजन के जरिए लोकतंत्र, संवैधानिक संस्थाओं और मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों को लेकर जनता के बीच अपना पक्ष रखने की तैयारी की है। विपक्ष पर बरसे मंत्री दिलीप जायसवाल कार्यक्रम के दौरान मंत्री दिलीप जायसवाल ने विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कुछ दिनों में विपक्ष की ओर से देश में अराजकता का माहौल बनाने की कोशिश की गई है। जायसवाल ने कहा कि सत्ता पाने की बेचैनी में विपक्ष मानसिक दिवालियापन की स्थिति में पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि इन्हीं परिस्थितियों के विरोध में भाजपा ने लोकतंत्र बचाओ पदयात्रा आयोजित की है। भाजपा का कहना है कि अभियान का उद्देश्य लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों का विश्वास मजबूत करना और संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। पार्टी इस कार्यक्रम के माध्यम से विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे राजनीतिक मुद्दों पर भी जनता के सामने अपना पक्ष रखना चाहती है।

परीक्षा शुरू होने के बाद पूर्णिया से लीक हुआ प्रश्नपत्र, केंद्राधीक्षक और कर्मी की मिलीभगत

एजेंसी

पटना। बिहार दरोगा भर्ती परीक्षा में धांधली की जांच के दौरान आर्थिक अपराध इकाई ने पूर्णिया के परीक्षा केंद्र से प्रश्नपुस्तिकाएं बाहर भेजे जाने का खुलासा किया है। रिपोर्ट में केंद्राधीक्षक और कार्यालय कर्मी की कथित मिलीभगत सामने आई। दो अभ्यर्थियों को अनुचित लाभ मिलने की बात भी सामने आई है। मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग द्वारा आयोजित दरोगा भर्ती की प्रारंभिक परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक करने और सॉल्वर गिरोह से हल कराने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। आर्थिक अपराध इकाई की विशेष जांच टीम ने पाया है कि परीक्षा शुरू होने के बाद पूर्णिया के एक केंद्र से अनधिकृत रूप से प्रश्नपुस्तिकाएं बाहर भेजी गईं। इन प्रश्नपत्रों के उत्तर तैयार करा अभ्यर्थियों तक पहुंचाए गए, जिससे वे परीक्षा में सफल भी हो गए। प्राथमिकी दर्ज और जांच प्रक्रिया इस मामले में आर्थिक अपराध इकाई ने मंगलवार को भारतीय न्याय संहिता, 2023 और बिहार लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) अधिनियम, 2024 की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। जांच रिपोर्ट के अनुसार, 18 जनवरी 2026 को आयोजित प्रारंभिक परीक्षा के दौरान प्रथम पाली में प्रश्नपुस्तिका संख्या 51212241 और द्वितीय पाली में प्रश्नपुस्तिका संख्या 52212038 को परीक्षा केंद्र से अनधिकृत रूप से बाहर भेजा गया। यह धांधली पूर्णिया सिटी स्थित 2 आरपीसी हाई स्कूल केंद्र पर परीक्षा संचालन से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से अंजाम दी गई। केंद्राधीक्षक और कर्मी की मिलीभगत विशेष जांच टीम ने पड़ताल में केंद्राधीक्षक मो. मुज्जफर आलम और उनके सहयोगी कार्यालय कर्मी विवेक कुमार की संलिप्तता पाई है। धांधली को अंजाम देने के लिए वास्तविक सीटिंग प्लान से छेड़छाड़ कर नया सीटिंग प्लान तैयार किया गया था। इसके साथ ही साक्ष्य छिपाने और आयोग को गलत प्रतिवेदन भेजने के प्रमाण मिले हैं। केंद्र पर निर्धारित नियमों की अनदेखी कर अभ्यर्थियों को गलत तरीके से बैठाया गया, वीक्षकों की मनमाने ढंग से नियुक्ति की गई और ड्यूटी चार्ट पर गलत हस्ताक्षर कराए गए। इसके अलावा सीसीटीवी फुटेज, अभिलेखों और वीक्षकों के लिखित बयानों की गहन जांच से इस पूरे मामले की पुष्टि हुई है। परीक्षा शुरू होने के बाद हुआ लीक जांच में यह बात स्पष्ट हुई है कि परीक्षा शुरू होने से पहले प्रश्नपत्रों की सुरक्षा श्रृंखला टूटने का कोई साक्ष्य नहीं मिला है। दोनों प्रश्नपुस्तिकाएं परीक्षा आरंभ होने के उपरांत ही केंद्र से बाहर निकाली गई थीं। इस धांधली से अनुचित लाभ उठाने वाले अभ्यर्थी रूपेश कुमार और नरेश कुमार प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुए थे, जिनमें से रूपेश ने मुख्य परीक्षा भी पास कर ली थी। दोनों अभ्यर्थियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई के लिए आयोग को अनुशंसा भेजी जा रही है। गौरतलब है कि 2 सितंबर को गठित एसआईटी की रिपोर्ट के आधार पर आयोग द्वारा मुख्य परीक्षा को पहले ही रद्द किया जा चुका है।

अनंत सिंह का एलान- जन सुराज प्रत्याशी हार गए; जदयू में वापसी और नीरज से दुश्मनी पर क्या बोले

एजेंसी

पटना। बिहार विधान परिषद चुनाव में चार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के परिणाम घोषित हो गए हैं। पटना शिक्षक सीट पर राजद के डॉ. संजीव ने भाजपा के नवल किशोर यादव को 1,057 मतों से हराया। तिरहुत शिक्षक सीट पर भाजपा के नरेंद्र सिंह ने 600 मतों से जीत दर्ज की, जबकि सारण शिक्षक सीट पर निर्दलीय राहुल राज 1,815 मतों से विजयी हुए। बिहार विधान परिषद की आठ सीटों पर हुए चुनाव की मतगणना के बीच चार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के परिणाम घोषित हो चुके हैं। पटना शिक्षक सीट पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के डॉ. संजीव ने भाजपा के नवल किशोर यादव को 1,057 मतों से हराकर जीत दर्ज की। इस नतीजे के साथ पटना शिक्षक सीट पर भाजपा को करीब तीन दशक बाद हार का सामना करना पड़ा है। वहीं, तिरहुत शिक्षक सीट पर भाजपा के नरेंद्र सिंह, सारण शिक्षक सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी राहुल राज और दरभंगा शिक्षक सीट पर जन सुराज के सुरेश प्रसाद राय ने जीत हासिल की है। दूसरी ओर, स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में मतगणना जारी है। इसी बीच मोकामा के विधायक अनंत सिंह ने नीरज कुमार को बधाई देने से इनकार करते हुए अपनी नाराजगी की वजह भी बताई। पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में राजद के डॉ. संजीव ने भाजपा प्रत्याशी नवल किशोर यादव को 1,057 मतों से पराजित किया। इस जीत के साथ पटना शिक्षक सीट पर भाजपा का करीब तीन दशक पुराना कब्जा समाप्त हो गया। चुनाव परिणाम को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा है। तिरहुत शिक्षक सीट पर भाजपा के नरेंद्र सिंह जीते तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी नरेंद्र सिंह ने जीत दर्ज की। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 600 मतों के अंतर से हराया। सारण शिक्षक सीट पर निर्दलीय राहुल राज की जीत सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा से अलग होकर निर्दलीय चुनाव लड़ रहे राहुल राज ने जीत हासिल की। उन्होंने 1,815 मतों के अंतर से मुकाबला अपने नाम किया। दरभंगा शिक्षक सीट से जन सुराज के सुरेश प्रसाद राय निर्वाचित दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से जन सुराज के प्रत्याशी सुरेश प्रसाद राय ने जीत दर्ज की है। इसके साथ ही चार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के परिणाम सामने आ चुके हैं।

रैगिंग पर बड़ी कार्रवाई, 146 छात्र निलंबित, छात्रावास खाली करने के निर्देश

एजेंसी

पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज में रैगिंग के आरोपों पर प्रशासन ने वर्ष 2025 बैच के 146 विद्यार्थियों को तीन महीने के लिए निलंबित कर छात्रावास खाली करने का निर्देश दिया है। 2023 और 2024 बैच की छात्राओं पर भी कार्रवाई हुई। मामले के साक्ष्य साइबर सेल को जांच के लिए सौंपे गए हैं। नालंदा मेडिकल कॉलेज में नए दाखिला लेने वाले विद्यार्थि के साथ रैगिंग के मामले में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। संस्थान की प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. उषा कुमारी ने वर्ष 2025 बैच के सभी 146 विद्यार्थियों को तीन महीने के लिए कक्षाओं से निलंबित कर दिया है। इन आरोपित विद्यार्थियों की कक्षाएं जनवरी 2027 तक निलंबित रहेंगी। कॉलेज प्रशासन ने इन सभी छात्रों को 24 घंटे के भीतर छात्रावास खाली करके परिसर छोड़ने का कड़ा निर्देश जारी किया है। नालंदा मेडिकल कॉलेज में हाल ही में एमबीबीएस की सीटें 150 से बढ़ाकर 200 की गई थीं। बढ़ी हुई सीटों पर वर्ष 2026 में दाखिला लेने वाले छात्र-छात्राओं के साथ वर्ष 2025 बैच के विद्यार्थियों ने विभिन्न तरीकों से रैगिंग की घटना को अंजाम दिया। कॉलेज प्रशासन ने आधी रात को छात्रावास की छत पर नवनामांकित छात्राओं को ले जाकर रैगिंग करने के आरोप में वर्ष 2023 और वर्ष 2024 बैच की सभी छात्राओं पर भी कठोर कदम उठाया है। इन वरिष्ठ छात्राओं को अगले आदेश तक के लिए कक्षाओं से निलंबित करते हुए तत्काल प्रभाव से छात्रावास खाली करने का आदेश दिया गया है। इन छात्राओं पर नए सत्र की छात्राओं को रोककर उनका नाम और पता पूछने तथा आधी रात में छत पर ले जाकर परेशान करने के गंभीर आरोप लगे हैं।

कोच गौतम गंभीर की दूरदृष्टि...टीम इंडिया छू रही सफलता के नए आयाम

नई दिल्ली। गौतम गंभीर का टी20 क्रिकेट के लिए दृष्टिकोण एक अलग विचार पर आधारित है। भारत को एक ऐसी टीम बनना होगा जो असफलता से न डरे, पूरी तरह से व्यक्तिगत नायकों पर निर्भर न हो, और जब कोई खिलाड़ी आउट हो जाए तो विश्वास करना न छोड़े। टी20 क्रिकेट के प्रति उनके दृष्टिकोण में व्यक्तिगत उपलब्धियों के बजाय सुनियोजित आक्रामकता, लचीली बल्लेबाजी व्यवस्था और प्रभाव डालने पर जोर दिया गया। तिलक बल्लेबाजी में लचीलापन और मैच की विभिन्न परिस्थितियों के अनुसार ढलने की क्षमता रखते हैं। शुरुआती विकेट गिरने के बाद पारी को संभालने में वे मददगार साबित हो सकते हैं या टीम को तेजी से रन बनाने की जरूरत पड़ने पर अपनी गति बढ़ा सकते हैं। नमन धीर मध्य क्रम में आक्रामक विकल्प प्रदान करते हैं, जिनमें गेंदबाजों पर आक्रमण करने और दबाव वाली परिस्थितियों में महत्वपूर्ण रन बनाने की क्षमता है। नीतीश कुमार रेड्डी अपनी बल्लेबाजी की ताकत और तेज गेंदबाजी से टीम को एक नया आयाम देते हैं, जिससे प्रबंधन को प्लेइंग इलेवन बनाने में अधिक लचीलापन मिलता है। वे एक जैसे खिलाड़ी नहीं हैं, और उनमें से किसी को भी हार्दिक पांड्या बनने की जरूरत नहीं है। उनका महत्व उन अलग-अलग गुणों में निहित है जो वे टीम में ला सकते हैं। सिद्धांत सरल हैः केवल खिलाड़ी को नहीं, बल्कि भूमिका को ही बदलें। अगर तिलक स्थिरता प्रदान करें, नमन आक्रामक बल्लेबाजी करें और नीतीश एक ऑलराउंडर के रूप में योगदान दें, तो हार्दिक पर पड़ने वाली कुछ जिम्मेदारियों को टीम में बाँटा जा सकता है। सही संतुलन परिस्थितियों, विरोधी टीम और खिलाड़ियों के फॉर्म पर निर्भर करेगा, लेकिन मूल सिद्धांत वही रहेगाः एक ऐसा संयोजन तैयार करें जिसमें कई खिलाड़ी समग्र योजना में योगदान दें।

व्यक्तिगत जिम्मेदारी से सामूहिक जिम्मेदारी की ओर

लंबे समय तक भारतीय क्रिकेट की कहानी अक्सर इसके सबसे बड़े सितारों के इर्द-गिर्द घूमती रही। प्रशंसक किसी खास बल्लेबाज से पारी को संभालने की उम्मीद रखते थे या किसी खास गेंदबाज से निर्णायक विकेट लेने की। ऐसे खिलाड़ी आज भी अमूल्य हैं, लेकिन आधुनिक टी20 क्रिकेट में व्यक्तिगत प्रतिभा से कहीं अधिक की आवश्यकता है। इसके लिए एक ऐसी टीम की आवश्यकता होती है जिसमें छठा बल्लेबाज योगदान दे सके, निचले क्रम के बल्लेबाज मैच का रुख बदल सकें, एक ऑलराउंडर रणनीतिक लचीलापन प्रदान कर सके और अनुपस्थित स्टार खिलाड़ी के स्थान पर खेलने वाला खिलाड़ी एक स्पष्ट रूप से परिभाषित भूमिका निभा सके।

हार्दिक पांड्या का विकल्प खोजना

हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ी की अनुपलब्धता में किसी भी टीम प्रबंधन के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक सही संयोजन खोजना होता है । हार्दिक टी20 क्रिकेट में एक दुर्लभ खिलाड़ी हैं जो विस्फोटक बल्लेबाजी, फिनिशिंग क्षमता और तेज गेंदबाजी से टीम में योगदान दे सकते हैं। उनकी जगह किसी और खिलाड़ी को चुनना और उनसे समान परिणाम की उम्मीद करना मात्र नहीं है। इसके लिए सोचने का एक अलग तरीका चाहिए। हार्दिक की तरह ही टीम के लिए सब कुछ करने वाले एक ही खिलाड़ी की तलाश करने के बजाय, भारत इन जिम्मेदारियों को कई खिलाड़ियों में बांट सकता है।

अभिषेक शर्मा बने फिर नंबर- 1

आईसीसी रैंकिंग....टेस्ट ऑलराउंडर में जडेजा की बादशाहत खत्म, गेंदबाजी में मार्को यानसेन शीर्ष स्थान पर

दुबई, एजेंसी। आईसीसी की ताजा पुरुष खिलाड़ी रैंकिंग में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में फिर से नंबर-एक बल्लेबाज का स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर मार्को यानसेन ने एक साथ टेस्ट गेंदबाज और टेस्ट ऑलराउंडर की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर इतिहास रच दिया। यानसेन ने टेस्ट ऑलराउंडरों की सूची में भारत के रवींद्र जडेजा को पीछे छोड़ दिया, जो चार साल से अधिक समय से इस स्थान पर काबिज थे। ताजा रैंकिंग में टेस्ट बल्लेबाजों और गेंदबाजों के साथ वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की सूची में भी कई बदलाव हुए हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में तूफानी शतक लगाने का फायदा अभिषेक शर्मा को आईसीसी रैंकिंग में मिला है। भारतीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने ईशान किशन को पीछे छोड़कर टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान फिर से हासिल कर लिया।

वेलिंगटन में खेले गए मुकाबले में अभिषेक ने केवल 35 गेंदों में अपना शतक पूरा किया था। उन्होंने 38 गेंदों में 113 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसकी बदौलत भारत ने 199 रन का लक्ष्य 13.2 ओवर में चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। भारत ने यह मुकाबला छह विकेट से जीता और पांच मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली।

ईशान किशन ने इस साल जुलाई में आयरलैंड के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन के बाद अभिषेक से नंबर-1 का स्थान हासिल किया था। अभिषेक पहली बार जुलाई 2025 में टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे थे, जब उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड को पीछे छोड़ा था।

टी20 और वनडे रैंकिंग में भी हुए बदलाव : टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में भारत के संजू सैमसन छह स्थान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर पहुंच गए। न्यूजीलैंड के फिन एलन ने भी तीन स्थान की छलांग लगाकर 25वां स्थान हासिल किया। टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में न्यूजीलैंड के मिचेल सैंटनर सात स्थान ऊपर चढ़कर सातवें और भारत के अर्शदीप सिंह छह स्थान की छलांग लगाकर 15वें स्थान पर पहुंच गए। वनडे रैंकिंग में भी कई खिलाड़ियों को फायदा हुआ है। पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी दो स्थान ऊपर चढ़कर गेंदबाजों की सूची में छठे स्थान पर पहुंच गए। अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज अजमतुल्लाह उमरजई ने 13 स्थान की छलांग लगाकर सातवां स्थान हासिल किया, जबकि नामीबिया के बर्नार्ड शॉल्ट्ज नौ स्थान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर पहुंच गए। वनडे ऑलराउंडरों की सूची में अफगानिस्तान के अनुभवी मोहम्मद नबी पांच स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए।

मार्को यानसेन ने जडेजा से छीना नंबर-1 का स्थान

दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसेन के लिए ताजा रैंकिंग बेहद खास रही। उन्होंने पहली बार अपने करियर में टेस्ट गेंदबाज और टेस्ट ऑलराउंडर की रैंकिंग में नंबर-1 का स्थान हासिल किया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गकेबरहा में खेले गए दूसरे टेस्ट में यानसेन ने शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने बल्ले से 85 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में पांच विकेट लेकर मैच का रुख बदलने में अहम भूमिका निभाई। दक्षिण अफ्रीका ने यह मुकाबला बड़े अंतर से जीता। इस प्रदर्शन के बाद यानसेन टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में 13 स्थान ऊपर चढ़कर 56वें स्थान पर पहुंच गए। टेस्ट गेंदबाजों की सूची में उन्होंने पांच स्थान की छलांग लगाकर ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क को पीछे छोड़ा। वहीं, टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर पहुंचकर उन्होंने रवींद्र जडेजा का लंबे समय से चला आ रहा शीर्ष स्थान छीन लिया। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज डेल स्टेन हाल ही में यानसेन को 'दुनिया का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर' बता चुके हैं।

बावुमा और हार्मर को भी फायदा

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने भी टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में चार स्थान की छलांग लगाई है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 179 रन बनाने वाले बावुमा अब दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे आगे इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक हैं। टेस्ट गेंदबाजों की सूची में ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलैंड तीन स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गए। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर साइमन हार्मर टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में 15 स्थान की छलांग लगाकर आठवें स्थान पर आ गए।

अभिषेक ने वैभव की जमकर की तारीफ

नई दिल्ली। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बताया कि युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 से पहले नेट सेशन के दौरान बॉलीवुड फिल्म 'भाग मिल्खा भाग' का एक मशहूर डायलॉग दोहराया था। इसके बाद उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और भारत को सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई। सूर्यवंशी ने अभिषेक से कहा कि वह फिल्म के मशहूर डायलॉग - 'भैया, खेलूंगा भी वैसे ही' - से प्रेरित होकर बिल्कुल निडर होकर बल्लेबाजी करेंगे। 15 साल के वैभव ने अपनी बात को सच साबित करते हुए सिर्फ 19 गेंदों पर 45 रनों की आक्रामक पारी खेली। इससे अभिषेक को भी खुलकर खेलने का मौका मिला और उन्होंने 38 गेंदों पर शानदार 113 रन बनाए। भारत ने न्यूजीलैंड के 199 रनों के लक्ष्य को महज 13.2 ओवर में हासिल कर लिया और मंगलवार को हेनरी स्टेडियम में तीसरा टी20 6 विकेट से जीता। मैच के बाद बीसीसीआई द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में अभिषेक ने सूर्यवंशी के साथ हुई अपनी बातचीत को याद किया और इस युवा खिलाड़ी की आक्रामक सोच की तारीफ की। अभिषेक ने कहा, 'कल नेट्स में वैभव ने मुझसे कहा था कि वह 'भाग मिल्खा भाग' फिल्म के डायलॉग 'भैया, खेलूंगा भी वैसे ही' की तरह ही बल्लेबाजी करेंगे।' बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक ने यह भी बताया कि कैसे ओपनिंग ओवर में सूर्यवंशी के निडर रवैये ने दूसरे छोर पर खड़े बल्लेबाज का आत्मविश्वास बढ़ाया, खासकर तब जब वह न्यूजीलैंड के मुख्य तेज गेंदबाज का सामना कर रहे थे। अभिषेक ने कहा, 'जब टीम 190-200 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा कर रही होती है और सामने विपक्ष का मुख्य तेज गेंदबाज गेंदबाजी कर रहा हो, तब ओपनर को आक्रामक खेल दिखाना पड़ता है। मैं दूसरे छोर पर था और मैंने वैभव को बल्लेबाजी करते देखा। इससे नॉन-स्ट्राइकर बल्लेबाज का जोश बढ़ जाता है। मैं खास तौर पर वैभव की तारीफ करना चाहूंगा। इस मुकाबले में उन्होंने जो प्रदर्शन किया, वह टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा। इस जीत का काफी श्रेय उन्हें जाता है। ' ओपनिंग जोड़ी ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाई। पावरप्ले में भारत ने बिना कोई विकेट खोए 118 रन बनाए, जो पुरुषों के टी20 इंटरनेशनल में पहले छह ओवरों में किसी भी टीम का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। भारत ने सिर्फ 2.2 ओवर में ही 50 रन पूरे कर लिए, जो इस फॉर्मेट में सबसे तेज टीम फिफ्टी की बराबरी है। इसके बाद पांच ओवर में ही टीम 100 रन के पार पहुंच गई। अभिषेक ने टीम की निस्वार्थ सोच की भी तारीफ की।

3 बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टेन वावरिंका ने टेनिस को कहा 'अलविदा'

बेसल। स्विट्जरलैंड के स्टेन वावरिंका ने टेनिस को अलविदा कह दिया है। 41 साल के इस दिग्गज ने घरेलू टूर्नामेंट, स्विस इंडोर्स बेसल में जिरी लेहेका से हार के बाद टेनिस को गुड बाय कहा। स्टेन वावरिंका एक हाथ के बैकहैंड के लिए मशहूर रहे। उनके नाम तीन ग्रैंड स्लैम सिंगल खिताब, ओलंपिक गोल्ड और डेविस कप खिताब है। उन्होंने 590 टूर-लेवल जीत हासिल कीं। वावरिंका 2014 में एटीपी रैंकिंग में करियर के सबसे ऊंचे नंबर 3 पर पहुंचे और 16 टूर-लेवल टाइटल हासिल किए। वावरिंका ने अपने करियर के तीनों ग्रैंड स्लैम खिताब उस समय के दुनिया के नंबर एक खिलाड़ियों को हराकर जीता था। 2014 में वावरिंका ने स्पेन के राफेल नडाल को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। इसके बाद 2015 में नोवाक जोकोविच को हराकर उन्होंने फ्रेंच ओपन और 2016 में नोवाक जोकोविच को ही हराकर यूएस ओपन का खिताब जीता था। रोजर फेडरर, नडाल और जोकोविच वाले 'बिग थ्री' दौर का हिस्सा रहे वावरिंका ने अपना करियर 590 टूर-लेवल मैच जीतकर खत्म किया। 2014 में मोंटे-कार्लो में अपना अकेला एटीपी मास्टर्स 1000 क्राउन वावरिंका ने हमवतन और दिग्गज रोजर फेडरर को हराकर जीता था। वावरिंका ओलंपिक में अपने देश के लिए गोल्ड जीत चुके हैं। 2008 में चीन के बीजिंग में आयोजित ओलंपिक में उन्होंने पुरुष डबल्स में रोजर फेडरर के साथ जोड़ी बनाकर गोल्ड मेडल जीता था। इसके बाद दोनों ने 2014 में स्विट्जरलैंड के लिए पहला डेविस कप जीता था। वावरिंका ने एटीपी टूर डॉट कॉम को बताया, 'पिछले 20 सालों में एक खिलाड़ी के तौर पर मेरे बारे में अलग-अलग सोच रही है। मैं अपने करियर में बस इतना चाहता था कि अपना शत प्रतिशत दूं, हमेशा लड़ूं, कोई पछतावा न हो। अपने लिए, विरोधी के लिए, टूर्नामेंट के लिए, फैंस के लिए, सबके लिए सम्मान के साथ रहूं। 20 से ज्यादा वर्षों तक यही हमेशा सबसे जरूरी चीज रही है, और यही एकमात्र तरीका है जिससे आप खेल बिना किसी पछतावे के छोड़ सकते हैं।'

हारिस रऊफ ने फिर की घटिया हरकत, लगा भारी जुर्माना

नई दिल्ली। लाहौर के मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ एक विकेट की रोमांचक जीत के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने जमकर जश्न मनाया। एक तरफ जहां टीम जश्न में डूबी थी, वहीं टीम के स्टार तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने अपनी घटिया हरकत से एक बार फिर सुर्खियां बटोरने का काम किया। मैदान पर खेल भावना की धज्जियां उड़ाने और अंपायर से उलझने के जुर्म में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने हारिस रऊफ को कड़ी फटकार लगाई है। इस हरकत के लिए आईसीसी ने रऊफ पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना ठोक दिया है। यह पूरा ड्रामा पाकिस्तानी पारी के 46वें ओवर के खत्म होने पर देखने को मिला। नॉन-स्ट्राइकर एंड पर खड़े हारिस रऊफ पहले तो अंपायर से वाइड गेंद मांगने लगे। फिर इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स से फालतू में बहसबाजी करने लगे। अंपायर शरफुद्दौला इब्ने शाहिद के मना करने के बावजूद रऊफ का गुस्सा शांत नहीं हुआ। उन्होंने हवा में बल्ला उठाया, अंपायर को अनदेखा करके उनसे टकराते हुए निकले और इंग्लिश खिलाड़ी की तरफ बदतमीजी से बढ़ते रहे।रऊफ की हरकत के अलावा इस मैच में स्लो ओवर रेट के लिए इंग्लैंड टीम पर भी गाज गिरी है। तय समय सीमा में 3 ओवर कम फेंकने की वजह से आईसीसी मैच रेफरी जेफ क्रो ने इंग्लिश कप्तान हैरी ब्रुक और पूरी टीम पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगा दिया। दोनों ही पक्षों ने अपनी-अपनी गलतियों और सजा को बिना किसी बहस के स्वीकार कर लिया है।

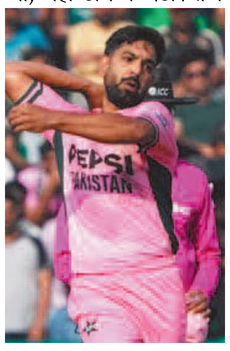

यास्तिका डब्ल्यूबीबीएल में करेंगी वापसी

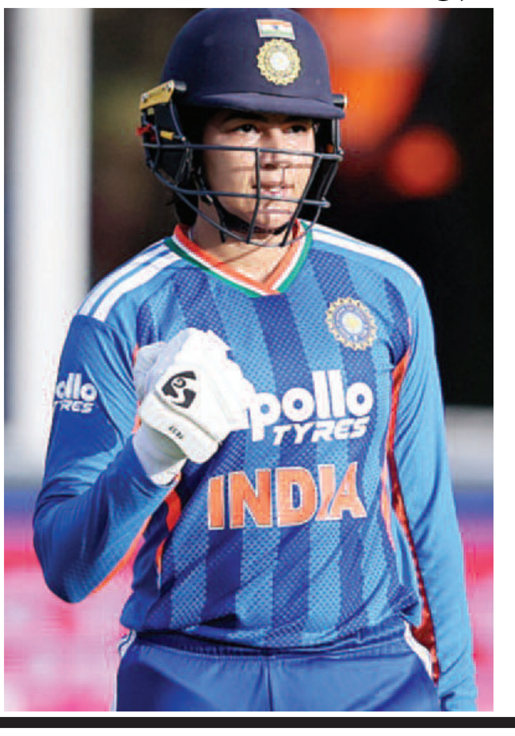

ब्रिस्बेन। भारत की विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ऑस्ट्रेलिया की महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में वापसी करेंगी। ब्रिस्बेन हीट ने उन्हें चोटिल जेस जोनासेन की जगह साइन किया है। यास्तिका, जिन्होंने डब्ल्यूबीबीएल 10 के दौरान मेलबर्न स्टार्स का प्रतिनिधित्व किया था, डब्ल्यूबीबीएल 12 के लिए ब्रिस्बेन की तीसरी विदेशी साइनिंग और इस साल के कॉम्पिटिशन में एकमात्र भारतीय क्रिकेटर बनीं। 25 साल की इस खिलाड़ी के रविवार को ड्रमॉयन ओवल में सिडनी थंडर के खिलाफ अपने दूसरे मैच से पहले टीम से जुड़ने की उम्मीद है और वह बाकी टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध रहेंगी। वह इस कैंपेन के लिए ब्रिस्बेन की विदेशी टीम में इंग्लैंड की स्पिनर सारा ग्लेन और आयरलैंड की ऑल-राउंडर ओर्ला प्रेंडरगैस्ट के साथ शामिल होंगी।ब्रिस्बेन की सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली खिलाड़ी और पूर्व कप्तान जोनासेन कूल्हे की चोट के कारण बाहर हैं, जिससे फ्रेंचाइजी को अतिरिक्त बैटिंग गहराई के लिए भाटिया की ओर रुख करना पड़ा। भारतीय बल्लेबाज ने लीग में छह मैच खेले हैं और तीनों फॉर्मेट में इंटरनेशनल अनुभव लेकर आई हैं। हीट के हेड कोच मार्क सोरेल ने कहा यास्तिका के टीम से जुड़ने पर कहा, 'टूर्नामेंट के इतने करीब इतने अच्छे, अनुभवी इंटरनेशनल खिलाड़ी को साइन कर पाना हमारे लिए बहुत बड़ी बात है। हम बेशक जेस जोनासेन को मिस करेंगे, लेकिन अपनी बैटिंग लाइन-अप में एक और मजबूत स्कोरिंग लेफ्ट-हैंडर को लाना सुकून देने वाला है। यास्तिका को ऑस्ट्रेलिया और एलन बॉर्डर फील्ड में खेलने का अच्छा अनुभव है।

प्रोड्यूसर बनने के बाद कहानी को देखने का बदला नजरिया

एक्ट्रेस श्वेता त्रिपाठी इन दिनों अपनी फिल्म 'मुझे जान ना कहो मेरी जान' को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल और मार्केट तक ले जा रही हैं। इस साल की शुरुआत में बर्लिन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल से सफर शुरू करने वाली उनकी बतौर प्रोड्यूसर पहली फीचर फिल्म अब टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) 2026 तक पहुंच गई है।

श्वेता का कहना है कि प्रोड्यूसर बनने के बाद कहानी को देखने का उनका नजरिया बदल गया है। अब वह सिर्फ फिल्म बनाने की प्रक्रिया तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि यह भी सोचती हैं कि फिल्म किन लोगों तक पहुंचेगी और इसके जरिए किस तरह की बातचीत शुरू हो सकती है। श्वेता ने कहा, ' 'आप जिस फिल्म पर भरोसा करते हैं, उसे किसी इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म तक ले जाना अपने आप में खास होता है। खासकर तब, जब बतौर प्रोड्यूसर यह आपकी पहली फीचर फिल्म हो। बर्लिन से टोरंटो तक का सफर मेरे लिए बेहद खास रहा है, क्योंकि इस दौरान मुझे 'मुझे जान ना कहो मेरी जान' को एक अलग तरीके से पेश करने का मौका मिला।''

उन्होंने आगे कहा, ' 'जब आप फिल्म को बनाने की प्रक्रिया से आगे बढ़कर देखते हैं, तो आपके मन में यह सवाल आने लगते हैं कि फिल्म किन लोगों तक पहुंचेगी, इसके जरिए किस तरह की बातचीत शुरू हो सकती है और आगे इसके लिए क्या-क्या संभावनाएं हैं। यह मेरे लिए सीखने का शानदार अनुभव रहा है और मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि इस सफर का फिल्म के लिए क्या मतलब निकलता है।'' श्वेता त्रिपाठी ने बताया कि बतौर प्रोड्यूसर काम करने से उन्हें कहानी कहने के तरीके को एक नए नजरिए से समझने का मौका मिला है। उन्होंने कहा, ' 'प्रोड्यूसर बनने के बाद कहानी कहने को लेकर मेरा नजरिया बदल गया है। एक एक्टर के तौर पर आप किसी किरदार और कहानी को पर्दे पर जीवंत करने में पूरी तरह जुटे रहते हैं।''

उन्होंने कहा, ' 'प्रोड्यूसर के तौर पर आपको यह भी देखना होता है कि फिल्म बनने के बाद उसका सफर कैसा होगा, कौन लोग इससे जुड़ सकते हैं और आप फिल्म को उसके दर्शकों तक पहुंचाने के लिए किस तरह मौके बना सकते हैं। इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल और मार्केट ऐसे लोगों को एक साथ लाते हैं, जो इन संभावनाओं को हकीकत में बदलने में मदद कर सकते हैं। अपनी पहली प्रोडक्शन को इन प्लेटफॉर्म पर पेश कर पाना मेरे लिए एक अहम कदम रहा है।''

नेशनल अवॉर्ड जीत चुके फिल्ममेकर संजय नाग के निर्देशन में बनी 'मुझे जान ना कहो मेरी जान' में तिलोत्तमा शोम और श्वेता त्रिपाठी नजर आएंगी। यह एक क्वीर लव स्टोरी है, जिसमें प्यार और इंसानी रिश्तों को ईमानदारी और बारीकी से दिखाने की कोशिश की गई है। बतौर प्रोड्यूसर श्वेता का सफर थिएटर से शुरू हुआ था। साल 2010 में उन्होंने अपनी थिएटर प्रोडक्शन कंपनी 'ऑलमाइटी' की शुरुआत की थी। इसकी पहली प्रस्तुतियों में ब्रिटिश नाटककार माइक बार्टलेट का क्वीर ड्रामा 'कॉक' शामिल था। माइक बार्टलेट ओलिवियर अवॉर्ड जीत चुके हैं।

एकता कपूर ने की प्रियंका चाहर चौधरी की तारीफ

अभिनेत्री प्रियंका चाहर चौधरी रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' सीजन 2 में प्रोड्यूसर एकता कपूर द्वारा उनके गेम की तारीफ किए जाने के बाद इमोशनल नजर आईं। दरअसल, शो के टावर के अंदर साथी कंटेस्टेंट्स के साथ झगड़े के बाद माहौल गरम होने के बीच, प्रियंका को एकता, अभिषेक मल्हान और ईशा सिंह की तरफ से सपोर्ट मैसेज मिले। प्रियंका की परफॉर्मेंस की तारीफ करते हुए एकता ने कहा कि वह शो में उनकी जर्नी फॉलो कर रही हैं और उन्होंने जिस तरह से अलग-अलग हालात को हैंडल किया है, वह वाकई सराहनीय है।

एकता ने कहा, 'मैं आपको 'राइज एंड फॉल' में देख रही हूं और मैं कहना चाहती हूं, आप बहुत अच्छा खेल रही हो। शो में आप कभी-कभी शांत और संयमित रहती हो और कभी-कभी लोगों को उनकी असली जगह दिखा देती हो।' प्रियंका को 'असली हीरोइन' बताते हुए प्रोड्यूसर ने कहा कि वह पूरे देश में मौजूद उनके सपोर्टर्स के साथ उनके लिए दुआ कर रही हैं। एकता ने प्रियंका के साथ जुड़े 'नागिन' टैग पर भी बात की और इसे हौसला बढ़ाने वाला मैसेज बताया।

उन्होंने कहा, 'सबसे अच्छी बात, अगर कोई आपको नागिन कहे, तो उन्हें ये बात याद हो कि नागिन का डसा पानी भी नहीं मांगता और आप सिर्फ बुरे लोगों को डसती हो। तो, खेलती रहो और जीतो। मेरे और पूरे इंडिया के लिए, आप असली हीरोइन हो, लोगों के दिल की, बालाजी की, मेरी और इंडियन टेलीविजन की। जीतो, क्योंकि मुझे नहीं पता, या आपको नहीं पता कि हारना कैसे है।' अभिषेक मल्हान और ईशा सिंह ने भी प्रियंका को अपना सपोर्ट दिया, जिसके बाद टावर के अंदर चल रही राइवलरी के बीच हौसला बढ़ाने वाले शब्द सुनकर प्रियंका चौधरी इमोशनल हो गईं। बनिजय एशिया द्वारा प्रोड्यूस 'राइज एंड फॉल' सीजन 2 के होस्ट पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग हैं। यह शो प्राइम वीडियो पर फ्री में एक्सक्लूसिव तौर पर स्ट्रीम हो रहा है, जिसके नए एपिसोड रोज दोपहर 12 बजे रिलीज होते हैं।

साई पल्लवी ने 'रावण' की भूमिका निभाने के यश के फैसले की तारीफ की

निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' को रिलीज होने में अब बस कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में मेकर्स और फिल्म की कास्ट भारत के अलग-अलग शहरों में जाकर जोर-शोर से इसका प्रमोशन कर रहे हैं। हाल ही में हैदराबाद में हुए एक इवेंट में फिल्म में 'सीता' का किरदार निभा रहीं साई पल्लवी ने फिल्म में 'रावण' की भूमिका निभाने के यश के फैसले की तारीफ की।

साई पल्लवी ने कहा कि यश ने इस किरदार को पूरी तरह अपना लिया और लोगों की नफरत के बजाय उनका प्यार हासिल किया। साई पल्लवी ने कहा, 'कोई भी रावण का किरदार नहीं निभाना चाहता, क्योंकि इस किरदार के साथ नफरत जुड़ी होती है, लेकिन यश ने यह किरदार निभाया और इसके बदले सभी का प्यार जीता।'

क्यों यश ने निभाया 'रावण' का किरदार

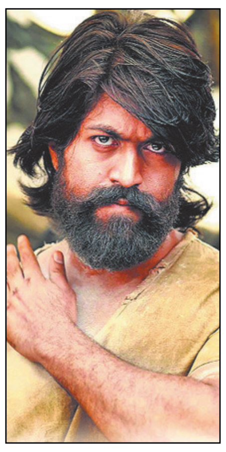

इससे पहले एक बातचीत में यश ने बताया था कि फिल्म के सह-निर्माताओं में से एक होने के बावजूद उन्होंने भगवान राम के बजाय रावण का किरदार निभाने का फैसला क्यों किया। यश ने कहा था, 'राम की भलाई दिखाने के लिए रावण की बुराई भी तो चाहिए।' अपनी एक्टिंग पर भरोसा जताते हुए यश ने कहा, 'मुझसे अच्छी बुराई कोई दिखा नहीं सकता।' फिर जब अभिनेता से पूछा गया कि तो क्या आपने पर्दे पर बुरा आदमी बनने की जिम्मेदारी ले ली है? इसके जवाब में यश ने कहा, 'जब मैं अच्छा किरदार भी करूंगा ना, मुझसे अच्छा कोई भी नहीं होगा।' यश ने आगे कहा, 'रावण को देखकर लगना चाहिए कि इसको कैसे मारा जाए? हम सभी ने अपने अहंकार को एक तरफ रख दिया है। रामायण में बात मेरे स्टारडम या एक स्टार के तौर पर मेरी पहचान की नहीं है। इस प्रोजेक्ट पर सबसे अच्छे लोग काम कर रहे हैं।'

क्या अक्षय कुमार के बेटे आरव को डेट कर रहीं हैं अनन्या पांडे

हाल ही में अभिनेत्री अनन्या पांडे भी एकेडमी म्यूजियम गाला 2026 में शामिल हुईं, जहां ने अपने लुक से छा गईं थीं। अब अनन्या ने एक और तस्वीर शेयर की है, जिसके बाद एक बार एक्ट्रेस सुर्खियों में आ गई हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने फैंस को अपनी छुट्टियों की एक झलक दिखाई है। उन्होंने अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना के बेटे आरव भाटिया के साथ एक तस्वीर शेयर की है। अनन्या ने यह तस्वीर अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट की, जिसमें दोनों घर पर बनी कुछ खाने की चीजों के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। यह तस्वीर सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच रही है। इसकी एक वजह यह भी है कि बॉलीवुड के मशहूर परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद आरव भाटिया लाइमलाइट से दूर रहते हैं।

डायरेक्टर श्री कार्तिक की अगली फिल्म में नजर आएंगी रुक्मिणी वसंत

फिल्म 'कांतारा: चैप्टर 1' में अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों का ध्यान खींचने वाली एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत जल्द ही एक नई फिल्म में नजर आएंगी। शुक्रवार को फिल्म के मेकर्स ने रुक्मिणी का अपनी टीम में स्वागत करते हुए उनके किरदार की जानकारी दी। वह डायरेक्टर श्री कार्तिक की अगली फिल्म में थारा का किरदार निभाएंगी। अभी फिल्म के नाम का ऐलान नहीं किया गया है। इस फिल्म में रुक्मिणी लीड रोल में होंगी और उनके साथ देव रामनाथ और विनायक वैथियानाथन भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। डायरेक्टर श्री कार्तिक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ' 'ईश्वर के आशीर्वाद से बेहद टैलेंटेड कलाकार रुक्मिणी के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं। एक मजेदार, रोमांचक और दिल को छू लेने वाली फिल्म आने वाली है। 'ओके ओका जीवितम' की तरह यह फिल्म भी हमेशा आपके दिलों में रहेगी।''

उन्होंने पोस्ट में रुक्मिणी को टैग करते हुए फिल्म को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया। यह पहली बार होगा जब रुक्मिणी वसंत और डायरेक्टर श्री कार्तिक किसी फिल्म में साथ काम करेंगे। फिल्म का निर्माण मैडबॉयज एंटरटेनमेंट और सिरुनी सिने कॉर्पोरेशन मिलकर कर रहे हैं, जबकि साईकृष्णा गडवाल इसके को-प्रोड्यूसर हैं। इससे पहले श्री कार्तिक फिल्म 'कानम' के जरिए चर्चा में आए थे। इस फिल्म में टाइम ट्रैवल जैसे अनोखे कॉन्सेप्ट को मां और बेटे के भावनात्मक रिश्ते के साथ जोड़ा गया था। अब वह एक नए प्रोजेक्ट के साथ लौट रहे हैं, जिसमें अलग-अलग कलाकारों और क्रिएटिव टीम के साथ एक नई कहानी पेश करने की तैयारी है। मेकर्स ने रुक्मिणी के किरदार थारा का परिचय एक अनाउंसमेंट वीडियो के जरिए कराया। इस वीडियो में श्री कार्तिक, देव रामनाथ और विनायक वैथियानाथन थारा के किरदार को फाइनल करने की कोशिश करते नजर आते हैं। इसी बीच अचानक एक नोटिफिकेशन आता है, जो तीनों को चौंका देता है। इसके बाद रुक्मिणी वसंत की एंट्री होती है और दर्शकों को उनके किरदार की पहली झलक देखने को मिलती है।

शिल्पा राव को मिला 'ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन' का साथ

सिंगर शिल्पा राव का कॉन्सर्ट विवाद बढ़ता जा रहा है। अब इस मामले में 'ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन' की एंट्री हुई है। एसोसिएशन ने एक बयान जारी किया है। इसमें 'बॉलीवुड म्यूजिक प्रोजेक्ट' (बीएमपी) के दौरान शिल्पा राव की परफॉरमेंस को अचानक रोके जाने का जिक्र करते हुए इसे पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया गया है। शनिवार को मुंबई में 'बॉलीवुड म्यूजिक प्रोजेक्ट' के इवेंट में शिल्पा राव मंच पर लाइव परफॉर्म कर रही थीं, तभी आयोजकों ने जबरन उनका माइक्रोफोन और लाइटें बंद कर दीं। वह कुछ देर तक मंच पर ही रहीं। माइक बंद होने के बाद, उनकी जगह 'कुतले खान प्रोजेक्ट' के कलाकार कुतले खान को गाने का मौका दे दिया गया। उन्होंने शिल्पा राव के कुछ कहने के दौरान ही गाना शुरू कर दिया।

क्या बोला एसोसिएशन

इस मामले पर एसोसिएशन ने कहा 'किसी कलाकार की परफॉरमेंस के बीच में ही जबरन साउंड और लाइट बंद कर देना और फिर मंच किसी और को सौंप देना, पूरी तरह से अस्वीकार्य है। शिल्पा राव एक राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता हैं और भारतीय संगीत जगत की सबसे सम्मानित आवाजों में से एक हैं। उनके गानों को पूरे देश में बहुत पसंद किया गया है।'ढ्ढ 'बॉलीवुड म्यूजिक प्रोजेक्ट' की तरफ से राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिल्पा राव को मंच पर लाइव परफॉर्म करते समय अपमानित किए जाने की कड़े शब्दों में निंदा करता है। किसी कलाकार के साथ ऐसा बर्ताव कभी बर्दाशत नहीं किया जाएगा।'

एसोसिएशन ने सिंगर का समर्थन करने की कहा

एसोसिएशन ने आगे कहा एआईसीडब्ल्यूए पूरी मजबूती से शिल्पा राव के साथ खड़ा है। अगर वह 'बॉलीवुड म्यूजिक प्रोजेक्ट' के खिलाफ कोई कदम उठाना चाहती हैं, तो एसोसिएशन हर कानूनी रास्ते से उनका समर्थन करेगा। भविष्य में अगर किसी कलाकार के साथ बुरा बर्ताव किया जाता है, तो एसोसिएशन कानून के अनुसार जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा। किसी कलाकार का अपमान बर्दाशत नहीं किया जाएगा।'

आयोजकों ने मांगी माफी

इससे पहले 'बॉलीवुड म्यूजिक प्रोजेक्ट' (बीएमपी) के आयोजकों ने सिंगर शिल्पा राव के माइक बंद वाले मामले पर माफी मांगी थी। 24 अक्तूबर को मुंबई में हुए फेस्टिवल में गायिका शिल्पा राव की परफॉरमेंस को अचानक बीच में ही रोक दिया गया था। इस घटना की फेस्टिवल में आए फैंस ने आलोचना की। सोशल मीडिया पर जस्टिस फॉर शिल्पा राव ट्रेंड करने लगा।

ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें।

कॅरियर के लिए अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है ड्राइविंग

ड्राइविंग एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कॅरियर बनाने के बारे में शायद ही कोई युवा सोचता हो। यकीनन यह कोई फुल टाइम प्रोफेशन नहीं है लेकिन फिर भी अगर आप इसे एक कॅरियर या व्यवसाय के रूप में देखते हैं तो इसमें भी आपके विकास की अपार संभावनाएं मौजूद है। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन साबित हो सकता है, जो बहुत अधिक पढ़े-लिखे नहीं है, लेकिन फिर भी अच्छी आमदनी करके एक बेहतर जिन्दगी जीना चाहते हैं। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाकर आप किस तरह अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं–

ऐसे बनाएं कॅरियर

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें। इसके अलावा अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो इस स्थिति में आप कुछ ओला व उबर आदि में बतौर कार चालक अपने कॅरियर की शुरूआत कर सकते हैं।

योग्यता

यह एक ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए किसी खास प्रोफेशनल डिग्री की आवश्यकता हो। आपको बस एक वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता है और फिर कई ड्राइविंग स्कूल हैं जो आपको अपने आसपास के क्षेत्र में मिलेंगे। आप वहां से ड्राइविंग का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

अगर आप सच में अपने कॅरियर को ग्रोथ देना चाहते हैं तो इसके लिए आपमें कुछ स्किल्स का होना बेहद आवश्यक है। सबसे पहले तो आपको बेहद अच्छी तरह से कार ड्राइव करनी आनी चाहिए। यह आपके कॅरियर के लिए सबसे पहली और जरूरी शर्त है। इसके अलावा आप जिस शहर में हैं, वहां की सड़कों की आपको अच्छी जानकारी होनी चाहिए। वैसे इन दिनों जीपीएस के जरिए भी रास्तों के बारे में पता लगाया जा सकता है। वहीं आपमें बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होना भी बेहद आवश्यक है। सारा दिन आपकी गाड़ी में कई कस्टमर आएंगे, आपका उनके प्रति व्यवहार कैसा होगा, इस पर काफी कुछ निर्भर करता है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में कॅरियर ग्रोथ काफी अच्छी है। सबसे पहले तो आप ओला व उबर के अलावा कई ड्राइविंग कंपनियों में बतौर ड्राइवर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो ड्राइविंग इंस्टीट्यूट में बतौर टेनर भी काम कर सकते हैं और दूसरे लोगों को कार चलाना सिखा सकते हैं। इसके अलावा कुछ लोगों को पर्सनल कार ड्राइवर की जरूरत होती है, आप उनके लिए भी काम कर सकते हैं। वहीं खुद भी कार या टैक्सी लेकर उसे ड्राइव कर सकते हैं। इस तरह आप खुद ही मालिक बन सकते हैं।

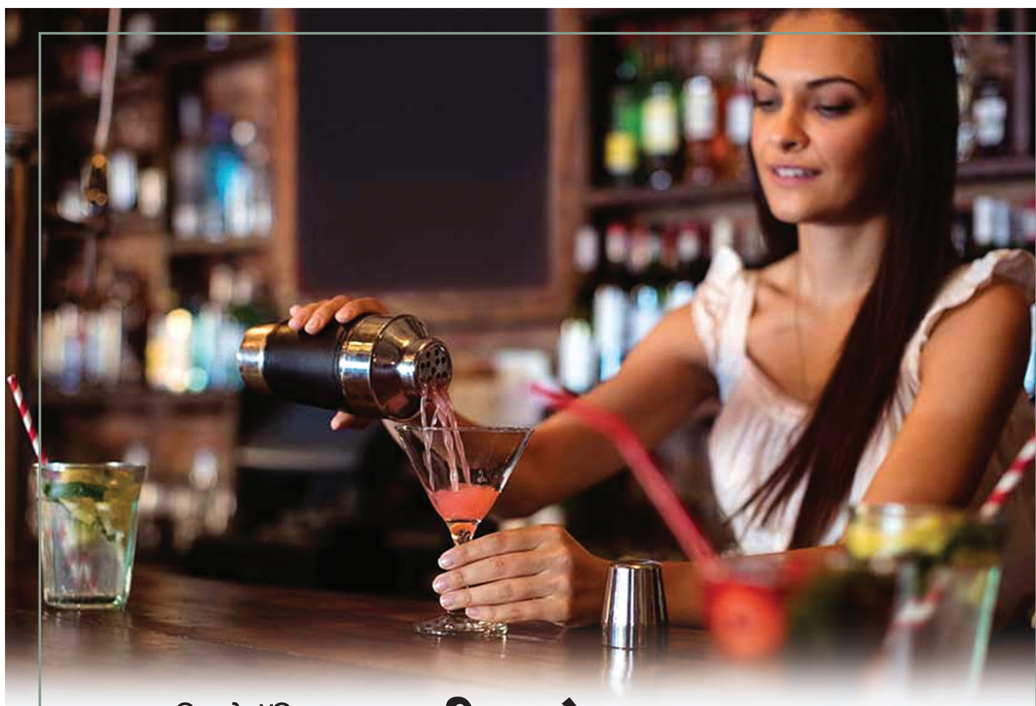

लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो मिक्सोलॉजी में देख सकते हैं अपना कॅरियर

एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

अगर आप उनमें से हैं, जिन्हें नौ से पांच की जॉब करना अच्छा नहीं लगता। आप अपनी लाइफ में लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो ऐसे में मिक्सोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर देख सकते हैं। यह एक बेहद ही डिफरेंट कॅरियर ऑप्शन है। एक मिक्सोलॉजिस्ट एक व्यक्ति है जो कॉकटेल और मिश्रित पेय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के मादक पेय और अन्य सामग्री को मिलाता है। आमतौर पर लोग मिक्सोलॉजिस्ट को बारटेंडर ही समझते हैं, लेकिन इनमें अंतर है। बारटेंडर केवल बार में होते हैं और केवल पहले से मौजूद ड्रिंक्स को ही बनाते हैं। जबकि मिक्सोलॉजिस्ट कई नए तरह के कॉकटेल बनाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस कॅरियर के बारे में बता रहे हैं–

क्या होता है काम

एक मिक्सोलॉजिस्ट का काम बारटेंडर की तुलना में अधिक विस्तृत होता है। वे कई तरह की ड्रिंक्स को मिक्स करके एक नया पेय पदार्थ बनाने के अलावा, बार को आर्गेनाइज करना, कस्टमर्स को नए ड्रिंक्स के बारे में बताना और उन्हें एंटरटेन करना, नए पेय पदार्थों का सुझाव देना और मेन्यू में कुछ नए पेय पदार्थों को शामिल करना होता है। यह एक ऐसी जॉब है, जिसमें आप हर दिन कुछ नए एक्सपेरिमेंट करते हैं और खुद को एक्सप्लोर करते हैं। हालांकि यहां पर काम के कोई निश्चित घंटे नहीं होते।

स्किल्स

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी निश्चित डिग्री का होना आवश्यक नहीं है। आपके स्वाद की समझ ही आपको आगे लेकर जाती है। हालांकि, ज्यादातर कंपनियां ऐसे मिक्सोलॉजिस्ट को पसंद करती हैं जिनके पास बारटेंडिंग लाइसेंस होता है। उम्मीदवार किसी भी कंपनी में अल्पकालिक भुगतान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

संभावनाएं

यकीनन यह एक अलग कॅरियर क्षेत्र है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने काम में अच्छे हैं तो आपके पास काम की कोई कमी नहीं होने वाली है। आप बार या रेस्टोरेंट के अलावा, क्लब, पब, होटल, टैवर्न आदि में बेहद आसानी से काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ कंपनियां फूड एंड बेवरेज शो या फिर कई मार्केटिंग इवेंट्स में अपनी सर्विसेज देने के लिए भी मिक्सोलॉजिस्ट को हायर करती हैं। इस तरह के इवेंट्स में आप अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

आमदनी

एक मिक्सोलॉजिस्ट की सालाना पूरी तरह से उस क्लब / रेस्तरां / बार पर निर्भर करेगा जिस पर वह काम कर रहा है। फिर भी शुरूआती दौर में आप दो से तीन लाख रूपए सालाना आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, लखनऊ
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, अहमदाबाद
- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नोएडा
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, मुंबई
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमैंट कैटरिंग टैक्नोलॉजी– एप्लाइड नुट्रीसन, कोलकाता
- सेंटमेरी कॉलेज, बैंगलोर
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, शिमला

कैसे बनें लेखपाल ? जानें योग्यता, एग्जाम पैटर्न, सैलरी व सभी जानकारी

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं।

आजकल अधिकतर युवा सरकारी नौकरी करना चाहते हैं। लेकिन सरकारी नौकरी पाना इतना आसान नहीं हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी सरकारी नौकरी के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरुरी नहीं है।

आज हम आपको बताएंगे कि आप लेखपाल कैसे बन सकते हैं –

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं। आजकल युवाओं में इस पद की डिमांड बहुत ज्यादा है। लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के साथ-साथ इंटरव्यू देना होता है।

लेखपाल दो तरह के होते हैं – राजस्व लेखपाल और चकबंदी लेखपाल। राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं और राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं।

योग्यता

- आपको किसी भी स्ट्रीम से बारहवीं पास होना चाहिए। मिनिमम परसेंटेज की कोई शर्त नहीं होती।
- उम्मीदवार के पास कम्प्यूटर कोर्स का सर्टिफिकेट होना जरूरी है।

आयु सीमा

लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष और 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाती है।

लेखपाल बनने की परीक्षा

लेखपाल बनने के लिए लिखित परीक्षा और इंटरव्यू ये दो चरण होते हैं। लिखित परीक्षा 100 नंबर की होती है। इसके लिए 90 मिनट दिए जाते हैं। इसमें माइनस मार्किंग नहीं होती। परीक्षा में हिन्दी, सामान्य ज्ञान, गणित और ग्राम समाज और विकास के प्रश्न पूछे जाते हैं। हर सेक्शन में 25-25 प्रश्न होते हैं। लेखपाल की परीक्षा के लिए सामान्य ज्ञान, हिंदी सामान्य गणित और सामाजिक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में पास होने वाले अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। लिखित परीक्षा और इंटरव्यू दोनों को मिलाकर जो भी मार्क्स मिलते हैं उसी के आधार पर लेखपाल को चुना जाता है।

सैलरी

एक लेखपाल की सैलरी 5200-20200 रूपए प्रतिमाह पे-ग्रेड के अनुसार होती है। लेखपाल एक क्लेरिकल पोस्ट है जो ग्रुप सी के अंतर्गत आती है।

टिफिन सर्विस का बिजनेस शुरू कर कमा सकते हैं लाखों

साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।

कोरोनावायरस अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और इस दौर में कई जमे जमाए बिजनेस और दूसरे प्रोफेशनों की कमर टूट चुकी है। कई लोगों की इस आपदा में नौकरी गई है तो कई लोगों का बिजनेस चौपट हुआ है। सबसे अधिक असर पड़ने वाली इंडस्ट्रीज में, फूड इंडस्ट्री पर निश्चित रूप से बड़ा असर पड़ा है। होटल, ढाबे जहां पर लोग इकट्ठे होकर खाना खाते थे, वहां बिजनेस जबरदस्त ढंग से प्रभावित हुआ है। पर लोगों की खाना खाने की जरूरतें तो कम नहीं हुई हैं, ऐसे में कई जगहों पर सुरक्षित टिफिन सर्विस एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आ सकता है। आइए देखते हैं इसकी कहां कहां और किस प्रकार उपयोगिता है और आप इसके जरिए किस प्रकार शुरुआत कर सकते हैं और किस प्रकार कमाई कर सकते हैं।

कारोबार को समझना जरूरी

ध्यान रखने वाली बात यह है कि बिजनेस चाहे कोई भी हो, किंतु उसे समझना एवं प्रबंधित करने का ढंग आपको वास्तविक रुप से उसका फायदा दिलाता है। अगर आप किसी बिजनेस को ठीक ढंग से मैनेज कर पाते हैं तो भारी मुनाफा और अच्छी क्रेडिबिलिटी हासिल कर सकते हैं। आखिर यूं ही तो आईआईएम से बड़े संस्थानों से निकले लोग सब्जी बेचकर या कोई छोटा मोटा रोजगार करके, या फिर खेती करके लाखों नहीं कमाते हैं? उनके कमाने के उदाहरणों से प्रबंधन के गुणों को सीखना जरूरी है।

कारोबार को प्रबंधित करने से पहले कारोबार को समझना और ग्राउंड वर्क करना जरूरी है। आप जिस भी क्षेत्र में रहते हों, आस पास अगर कोई टिफिन सर्विस चलती है तो उसके पास खुद एक ग्राहक बनकर जाएँ और देखें कि वहां पर किस प्रकार से आपको टिफिन दी जाती है, उसके रेट क्या है, सब्जी इत्यादि की वैरायटी क्या है, अलग-अलग दिनों में वेज और नॉनवेज का कॉम्बिनेशन क्या है? इतना ही नहीं, खाने की क्वालिटी कैसी है, डिलीवरी की टाइमिंग इत्यादि किस प्रकार से मैनेज किया जाता है, इन सब बातों को जब एक ग्राहक के तौर पर समझने की कोशिश करेंगे, तो आपको इसकी बारीकियां समझ आ जायेंगी।

कस्टमर मैनेजमेंट और मार्केटिंग

यह एक बेहद महत्वपूर्ण फैक्टर है। जब आप एक कारोबार को समझ लेते हैं और ग्राउंड वर्क कर लेते हैं तो आपके सामने बड़ी चुनौती आती है कि कस्टमर आप किस प्रकार से ढूँढें? तो इसके लिए आपको एडवर्टाइजमेंट करना पड़ेगा। इसके लिए आप खुद कैनवा जैसी ऑनलाइन सर्विस का प्रयोग करके अपनी टिफिन सर्विस का बैनर बना लें और व्हाट्सएप पर शेयर करें, खासकर उन कांटेक्ट में, जिस एरिया में आप बिजनेस करना चाहते हैं। शुरुआत में अगर आप के जानकार और आपके परिचित पहले ग्राहक बनते हैं, तो यह सबसे उत्तम होगा। एक तो ऑलरेडी वह आपको जानते हैं और दूसरे शुरू में विश्वास बनाने में आपको आसानी हो जाएगी। यह कार्य व्हाट्सएप पर आप आसानी से कर लेंगे, किंतु सिर्फ जानकारों में आप यह कार्य बढ़ा नहीं पाएंगे। कारोबार बढाने के लिए आपको पंपलेट छपवाने पड़ेंगे और आसपास के एरिया में डिस्ट्रीब्यूटर करना पड़ेगा। वह हॉस्टल हो सकता है, कंपनी हो सकती है, या कोई लोकलिटी हो सकती है। कस्टमर जब आपके बनने लगेंगे, तो उसको प्रबंधित करने में और क्वालिटी देने में आप चूक ना करें। ध्यान रखें, यह 21वीं सदी है और यहां पर जितनी बेहतरीन क्वालिटी और सर्विस आप देंगे, आपके ग्रो करने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। कम लागत के लिए पहले एकाध कस्टमर से ही शुरू करें, और अनुभव के साथ महीने बाद कारोबार को गति दें।

ध्यान रहे कि यह बिजनेस ना केवल शहर में, बल्कि छोटे-छोटे कस्बों और यहां तक कि गांव तक में चलने लगा है। गांव में कई घरों में बुजुर्ग व्यक्ति होते हैं, जो अकेले होते हैं। उनके बच्चे दूर शहरों में रोजी रोटी के लिए गए होते हैं, तो उनके लिए भी यह बेहद उपयोगी सर्विस है। ऐसे में निश्चित रूप से आपको इससे पुण्य और पैसा दोनों मिल सकता है।

कुछ महत्वपूर्ण बातें

- साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।
- मेन्यू अपडेट करते रहें। साथ ही ध्यान रखें कि स्वाद के चक्कर में ऐसा नहीं होना चाहिए कि कस्टमर के हेल्थ से समझौता हो जाए। कल्पना करें कि अगर कोई खाना खाने के बाद कस्टमर का पेट खराब हो जाता है या उसे अन हेल्दी फील होता है तो आप अपने ग्राहक खो देंगे। हां! स्वाद के लिए अपने मैन्यू में आप कोई मिठाई या दूसरी चीजें अपडेट करते रह सकते हैं।
- कस्टमर के फीडबैक के आधार पर किसी दिन उसकी पसंद का मैन्यू जरूर बना सकते हैं। त्यौहार इत्यादि के दिन पूरी या ऐसी दूसरी लोकल डिश कस्टमर को टेस्ट करा सकते हैं, पर यह कस्टमर के फीडबैक के आधार पर ही होना चाहिए।
- समय का पालन बहुत जरूरी है। अगर सुबह ब्रेकफास्ट 8 :00 बजे पहुंचाते हैं, तो यह किसी हालत में 8 से लेट नहीं होना चाहिए, बहुत पहले भी नहीं होना चाहिए। समय पर डिलीवरी आपके बारे में एक बेहतरीन राय कायम करेगी। अगर किसी कारण वश देरी होने की सम्भावना है तो व्हाट्सअप या कॉल पर कस्टमर को अपडेट जरूर कर दें।